फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 | वर्षः 76 | संख्याः 128 | प्रभात | जयपुर, मंगलवार 9 दिसम्बर, 2025 | डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

Love, Marriage, But Masalas Missing — Despite this warmth in relations, Communist USSR was not considered a potential immigration destination for very many Indians

Lal Bahadur Shastri On BBC

That morning, the Oko system began to send alarm signals indicating that five U.S. missiles had been launched towards the Soviet Union

'कांग्रेस ने सांप्रदायिक एजेंडा के तहत वंदे मातरम् के संक्षिप्त संस्करण को राष्ट्र गीत बनाया'

संसद में वंदे मातरम् पर बहस की शुरुआत करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने कांग्रेस पर वंदे मातरम् का अपमान करने का आरोप लगाया

- प्र.मंत्री ने कहा, बकिम चंद्र ने जो वंदे मातरम् लिखा था उसके शुरुआती दो अंतरे राष्ट्र गीत में रखे गए, शेष 6 अंतरे हटा दिए गए, क्योंकि उसमें हिंदू देवियाँ, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती का संदर्भ दिया गया था, यह कांग्रेस का सांप्रदायिक एजेंडा था।
- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 1875 में वंदे मातरम् की रचना हुई थी। अब इसकी 150वीं जयंती है, यह अच्छा अवसर है, इसकी महिमा बहाल करने का।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में 'वन्दे मातरम्' की 150 वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा में कांग्रेस पर तीखा हमला किया और भारत के राष्ट्रीय गीत को विपक्षी पार्टी की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 50 साल पहले लगाए गए आपातकाल से जोड़ने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उनके एक और पूर्ववर्ती, जवाहरलाल नेहरू, ने 'वन्दे मातरम्' का विरोध करते हुए मोहम्मद अली जिन्ना का अनुसरण किया था, क्योंकि यह "मुसलमानों को नाराज कर सकता था।"

उन्होंने कहा, "जब 'वन्दे मातरम्' को लिखे 100 वर्ष हुये थे, तब देश आपातकाल में फंसा हुआ था... जब यह अपने 100 वें वर्ष में था, तब संविधान का गला घोंट दिया गया था।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "अब, 150 साल बाद, यह 'वन्दे मातरम्' की महिमा को बहाल करने का एक अच्छा अवसर है... जिसने हमें 1947 में स्वतंत्रता दिलाई थी।" उन्होंने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1875 में लिखे गए इस गीत की सराहना की, और कहा कि यह जल्द ही स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा बन गया था।

"हमने हाल ही में अपने संविधान की 75 वीं वर्ष गाँठ मनाई। देश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई। हम गुरु तेग बहादुर जी का 350वें शहीदी दिवस भी मना रहे हैं। अब हम 'वन्दे मातरम्' के 150 साल मना रहे हैं।"

भाजपा ने इस चर्चा के दौरान कांग्रेस पर आरोप लगाया, तथा कहा कि कांग्रेस ने 1937 के अपने सत्र में "सांप्रदायिक एजेंडे" के तहत इसका अनादर किया था और देश के राष्ट्रीय गीत के रूप में इसका एक संक्षिप्त संस्करण अपनाया था।

आज यह गीत सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी और इसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बीच एक युद्धक्षेत्र बन गया है, जिसमें भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने "सांप्रदायिक एजेंडे" के तहत इसका अनादर किया था और इसे इसके संक्षिप्त रूप में देश का राष्ट्रीय गीत बना दिया था।

इस विवाद के केन्द्र में इसके छः अन्तरे हैं, जिनमें चट्टोपाध्याय ने हिन्दू देवी दुर्गा, कमला (या लक्ष्मी) और सरस्वती का संदर्भ दिया था, और इन्हें भारत की संरक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था।

1937 में, कांग्रेस, जिसके अध्यक्ष उस समय पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे, ने राष्ट्रीय समारोहों में इसके केवल पहले दो अन्तरे (स्टैन्ज़ा) गाने का निर्णय लिया था। इसका तर्क यह था कि हिन्दू देवियों के सीधे संदर्भ मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों द्वारा अच्छी तरह से नहीं लिए गए थे; इन्हें "बहिष्कार योग्य" माना गया था।

प्रस्ताव में लिखा था: "सभी बातों पर विचार करते हुए, समिति यह सिफारिश करती है कि जब भी 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रीय समारोहों में गाया जाए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वन रक्षक भर्ती का इनामी फरार आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जयपुर, 8 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए वन रक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में पचास हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी वन रक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने में अहम कड़ी है। गैंग के लोगों ने किन-किन लोगों को पेपर बेचा और कहां से लीक पेपर मिला, एसओजी की टीम यह पूछताछ करने में जुटी है।

एसओजी एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि फरार आरोपी जबराराम को गुजरात से पकड़कर बांसवाड़ा लाया गया है और अब उससे पूछताछ की जाएगी।

- एसओजी को आशा है कि इससे पूछताछ में यह जानकारी प्राप्त हो जाएगी कि लीक पेपर कहाँ से हासिल किया तथा किस-किस को बेचा।

एसओजी की पूछताछ के बाद सामने आएगा कि परीक्षा का पेपर लीक गैंग ने कहां से हासिल किया था और किन-किन लोगों को परीक्षा का पेपर बेचा गया था। आरोपी जबराराम सरकारी शिक्षक है और वनरक्षक भर्ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो ही नहीं सभी भारतीय एयरलाइन्स बारूद के ढेर पर काम कर रही हैं

एक छोटी सी गलती, चिंगारी का काम करती है, पूरे सैक्टर को ढेर करने में

- एयरलाइन्स को टाइट बजट में काम करना होता है, हवाई जहाज़ के पैट्रोल पर भारी टैक्स है, हवाईअड्डों की क्षमता बहुत सीमित ही नहीं कम है, सैक्टर का संचालन करने वाले रेग्युलेटरी ढांचे का काम करने का तरीका अनिश्चित सा, लगभग मनमर्जी से चलने वाला लगता है।
- इंडिगो एयरलाइन्स के अनुभव ने यह जता ही दिया कि जब केवल एक्सपैंशन पर भारी जोर हो तो सिस्टम इतना नाज़ुक हो जाता है कि किसी भी दिक्कत से जूझकर, उसका सामना करके आगे बढ़ने की क्षमता उसमें नहीं रह जाती और तूफान तो दूर की बात है, हवा का झोंका ही ताश के पत्ते के किले को ढहा देता है।
- सैक्टर को सुव्यवस्थित चलाए रखने के लिए गठित "रैग्युलेटरी सिस्टम" (नियंत्रक व्यवस्था) का रूख प्रतिक्रियात्मक है न कि दुर्घटना से पहले, दुर्घटना रोकने का इंतज़ाम करने वाला।
- इस सैक्टर का आधारभूत ढांचा- रनवे, पार्किंग स्थल, गेट्स, एरोब्रिज तथा ग्राउंड हैंडलिंग साधन इतने सीमित हैं कि किसी एक में कुछ गड़बड़ी हुई तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। भारत का विमानन क्षेत्र एक बार फिर सवालों के घेरे में है, क्योंकि हाल में हुई इंडिगो से जुड़ी अव्यवस्था ने उन ढांचागत कमज़ोरियों को उजागर कर दिया है, जो लंबे समय से अंदर ही अंदर बनी हुई थीं। इसके बाद भारत का एविएशन सैक्टर एक बार फिर जांच के दायरे में आ गया है। सुर्खियों में भले ही संचालन संबंधी चूक और ज़िम्मेदारी तय करने की बात छाई रही हो, लेकिन यह घटना याद दिलाती है कि भारत के तेज़ी से बढ़ते सिविल एविएशन सैक्टर में अभी भी वह संस्थागत मजबूती, नियामक दूरदर्शिता और बुनियादी ढांचे की मजबूती नहीं है, जिसकी उसे ज़रूरत है, उसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाज़ार बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए।

इंडिगो की यह गड़बड़ी कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, यह गहरे संकट का लक्षण थी। एयरलाइंस लगातार भारी दबाव में काम कर रही हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुर्शिदाबाद के बाद, ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा हुई

यू.पी. के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी कि मस्जिद बनाने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर, अगर यह मस्जिद बाबर के नाम पर बनाई जाती है तो सख्त आपत्ति होगी।

- हैदराबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का एलान करने वाले तहरीक मुस्लिम शब्बन के अध्यक्ष मुश्ताक मलिक ने इस पर कहा, "किसी को भी बाबर के नाम पर आशंकित नहीं होना चाहिए। क्योंकि ऐसा कहीं भी जिक्र नहीं कि अयोध्या मस्जिद के निर्माण में बाबर का कुछ पैसा लगा था। यह संभव है कि पुरानी बाबरी मस्जिद किसी स्थानीय व्यक्ति बाबर के नाम पर बनी हो। भाजपा व आरएसएस इस बात को बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। बाबर का शासनकाल तो बहुत छोटा था।"

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की एक प्रतिकृति बनाने की योजनाओं ने भाजपा के बीच भारी हलचल मचा दी है, यह विवाद अब और बढ़ता हुआ दिख रहा है, जब 'तहरीक मुस्लिम शब्बन' नामक एक समूह ने हैदराबाद के ग्रेटर इलाके में बाबरी मस्जिद स्मारक बनाने की योजना की घोषणा की है।

पश्चिम बंगाल में, निलंबित तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले में पहले मुग़ल सम्राट बाबर के नाम पर मस्जिद का शिलान्यास करने के अपने निर्णय से विवाद खड़ा कर दिया। इस विवाद पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई, जिन्होंने कहा कि भाजपा न केवल इस निर्माण का विरोध करेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि इसे जल्दी से तोड़ा जाए। "मस्जिद के निर्माण में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर कोई इसे बाबर के नाम पर बनाता है, तो इसे मजबूत विरोध का सामना करना पड़ेगा।"

पश्चिम बंगाल में अगले साल के शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, और आस्था के मुद्दे पर भाजपा को यह मसला प.बंगाल में साम्प्रदायिक उत्तेजना फैलाने का एक अवसर प्रदान करता है, जहां तृणमूल का शासन है।

इस बीच, अयोध्या मस्जिद के ध्वंस की 33वीं वर्षगांठ पर, 'तहरीक मुस्लिम शब्बन' नामक समूह ने हैदराबाद में एक बैठक का आयोजन किया, जहां इस संगठन के अध्यक्ष मुश्ताक मलिक ने घोषणा की कि बाबरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुनील शर्मा राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त

सुनील शर्मा

जयपुर, 8 दिसम्बर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को आदेश जारी कर सेवानिवृत्त आई.ए.एस. सुनील शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 3 वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, के लिए की गई है। ज्ञात रहे कि सुनील शर्मा इस साल अप्रेल में ही सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। शर्मा, वर्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इंडिगो संकट के झटके बिहार की सरकार में भी महसूस हुए

नीतीश की पार्टी जद (यू) ने पुरजोर ढंग से मांग उठाई की इंडिगो की "दिन दहाड़े डकैती" के खिलाफ सख्त और तुरंत कार्यवाही करे सरकार

- जद (यू) नेता व एनडीए के जाने माने चेहरे के.सी. त्यागी ने एक व्यक्तिगत जानकारी देकर और हड़कंप मचा दिया कि "उन्हें अपनी बेटी के दिल्ली-मुम्बई टिकट के लिए इकतालीस हजार का नाजायज़ भुगतान करना पड़ा। त्यागी ने एयरलाइन्स से यह राशि लौटाने की मांग की तथा केन्द्रीय सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की "डिमांड" उठाई।
- त्यागी के अनुसार, यह मार्केट प्राइसिंग" नहीं है, बल्कि संकट के नाम पर शोषण है।
- पहली बार सरकार को विरोध का सामना विपक्ष की ओर से ही नहीं, अपने सहयोगी पार्टी की तरफ से करना पड़ रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। इंडिगो एयरलाइंस में चल रहे संकट ने सत्ताधारी एनडीए में अप्रत्याशित राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जिसमें गठबंधन सहयोगी हवाई उड़ानों की किराया वृद्धि और देशभर में व्याप्त संकट के चलते सार्वजनिक रूप से नाराज़गी व्यक्त कर रहे हैं। इस स्थिति ने मोदी सरकार को असामान्य रूप से रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है, क्योंकि प्रमुख सहयोगी तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं और निजी एयरलाइनों पर "दिनदहाड़े लूट" करने का आरोप लगा रहे हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बुधवार को इंडिगो के दफ्तर के बाहर धरना देने की धमकी दी, एयरलाइन पर अफरातफरी के बीच यात्रियों का शोषण करने का आरोप लगाया। उनका यह आक्रोश एनडीए के भीतर गहरी निराशा को दर्शाता है, जो, साझेदारों के अनुसार, नागरिक विमानन क्षेत्र में शासकीय और नियामक विफलता का परिणाम है।

इस दबाव को और बढ़ाते हुए, वरिष्ठ जदयू नेता और एनडीए का प्रमुख चेहरा के.सी. त्यागी ने सरकार को एक व्यक्तिगत खुलासा करके चौंका दिया कि उन्हें अपनी बेटी के दिल्ली-मुंबई टिकट के लिए 41,000 रूपए की भारी राशि का भुगतान करना पड़ा। इसे "पूर्णतया लूट" बताते हुए, त्यागी ने एयरलाइन से तत्काल रिफंड की मांग की और केन्द्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

"यह बाजार मूल्य निर्धारण नहीं है। यह संकट के नाम पर शोषण है", त्यागी ने पार्टी के सहयोगियों से कथित तौर पर कहा, यह संकेत देते हुए कि नाराज़गी न तो प्रतीकात्मक है और न ही राजनीतिक रूप से मंचित।

अंदरूनी सरकारी सूत्र इस विवाद पर चुप्पी साधे हुए हैं, जबकि इस घटना ने केन्द्र के संकट प्रबंधकों के लिए एक अजीब और असहज स्थिति उत्पन्न कर दी है, जो पहले ही विमानन क्षेत्र में एक प्रमुख निजी एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण आलोचना का सामना कर रहे हैं।

मोदी सरकार कई मोर्चों पर समस्याओं का सामना कर रही है, यात्रियों के गुस्से और किराए के उतार-चढ़ाव से लेकर नियामक निगरानी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान में भारी भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोक्यो, 08 दिसंबर। जापान में सोमवार को भूकंप के भीषण झटके से कांप उठा। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.6 मापी गई है। भूकंप के तुरंत बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की है। इस कारण जापान के उत्तर-पश्चिमी तट पर तीन मीटर (10 फीट) ऊंची सुनामी आ सकती है। मछुआरों और छोटी बोट को समुद्र से दूर रहने की चेतावनी जारी की गई है।

- रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.6 मापी गई है।

भूकंप का केंद्र मिसावा शहर से लगभग 73 किलोमीटर उत्तर-पूर्व की ओर स्थित था, जिसकी गहराई लगभग 53 किलोमीटर मापी गई। यह उथले श्रेणी का भूकंप माना गया, जो आमतौर पर अधिक तीव्र झटकों का कारण बनता है। जापान प्रशांत, फिलीपीन सागर, यूरेशियन और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के संगम पर स्थित है।

'सरकार ने वंदे मातरम् पर बहस इसलिए रखी क्योंकि बंगाल में चुनाव होने वाले हैं'

प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि सरकार हमें अतीत में उलझाए रखना चाहती है और वर्तमान व भविष्य पर बात नहीं करना चाहती

- प्रियंका गांधी ने कहा, भारत के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने कहा था, वंदे मातरम् पर विवाद साम्प्रदायिक ताकतों ने गढ़ा था।
- प्रियंका ने अपने तर्क के पक्ष में नेहरू और रविन्द्रनाथ टैगोर के बीच लिखी गई चिट्ठियों का उल्लेख किया। गुरुदेव टैगोर ने लिखा था, जिन दो पदों का हमेशा गायन होता रहा है, वे इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें शेष गीत से अलग करने में कोई समस्या नहीं है और आज़ादी के आंदोलन में सभी इन दो पदों को ही गाते थे।
- टैगोर ने यह भी लिखा था कि इस गीत में बाद के जो पद हैं, उन्हें उस दौर के माहौल को देखते हुए सांप्रदायिक कहा जा सकता है।

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा में वंदे मातरम् पर हुई बहस के दौरान, प्रधानमंत्री और भाजपा पर तीखा लेकिन चुटीला वार किया और प्रधानमंत्री की नेहरू पर बार-बार की जाने वाली आलोचना पर कड़ा हमला बोला।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने आज़ादी की लड़ाई के दौरान जितना समय जेल में बिताया था, वह लगभग उतना ही है, जितना समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सर्वोच्च पद पर बिताया है। वे वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर हो रही विशेष चर्चा में बोल रही थीं।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे जवाहरलाल नेहरू के लिए की गई सारी आलोचनाओं और अपमानों की एक पूरी सूची बना लें। उन्होंने कहा, "चाहे वे 999, हों या 9,999-आप एक सूची बना लीजिए, और फिर हम तय कर सकते हैं कि इस पर कब चर्चा करनी है, जैसे हम वंदे मातरम् पर 10 घंटे, बहस कर रहे हैं। जितनी देर आप चाहें, उतनी देर हम बहस करने को तैयार हैं। लेकिन संसद के कीमती समय का इस्तेमाल उस काम के लिए होना चाहिए, जिसके लिए लोगों ने हमें चुना है। एक बार और हमेशा के लिए, इस अध्याय को बंद कर दें।" उनके इतना कहते ही विपक्षी सांसदों की ओर से जोरदार करतल-ध्वनि हुई।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, नेहरू नौ बार जेल गए और कुल मिलाकर 3,200 से अधिक दिन, यानी लगभग नौ वर्ष, जेल में रहे।

प्रियंका गांधी ने आगे कहा, "देश सुन लेगा कि इंदिरा जी ने क्या किया, राजीव जी ने क्या किया, वंशवादी राजनीति क्या है, नेहरू की क्या गलतियाँ थीं-आइए, इन सब पर बात कर लेते हैं और फिर इसे हमेशा के लिए खत्म कर देते हैं। फिर हम बेरोज़गारी और महँगाई पर बात कर पाएँगे।" उनके इस बयान पर भी विपक्षी बेंचों ने जोरदार करतल -ध्वनि की।

इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने वंदे मातरम् पर यह बहस अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आयोजित की है। प्रियंका ने कहा, "यह बहस इसलिए करवाई गई है, ताकि जनता का ध्यान भटकाया जा सके, क्योंकि यह सरकार मौजूदा हालात की सच्चाई छिपाना चाहती है।"

वायनाड की सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि संसद में वंदे मातरम् पर बहस की जरूरत ही क्या है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बहस की कोई गुंजाइश ही नहीं है, क्योंकि यह गीत "देश के हर हिस्से में जीवित है और सम्मानित है।"

उन्होंने कहा कि सरकार वंदे मातरम् पर चर्चा इसलिए चाहती है, क्योंकि जल्द ही बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। सरकार चाहती है कि हम अतीत में उलझे रहें, क्योंकि वह वर्तमान और भविष्य पर बात करना नहीं चाहती।"

प्रियंका गांधी वाड्रा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस प्रकरण को गलत रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेहरू, जो उनके परदादा और भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, ने वंदे मातरम् को लेकर हुए उस विवाद को "सांप्रदायिक ताकतों द्वारा खड़ा किया गया विवाद" कहा था।

अपने तर्क के समर्थन में, उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोवा अग्निकांड के आरोपी थाइलैंड फरार

गोवा, 08 दिसंबर। गोला क्लब हादसे से जुड़ी इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। गोवा अग्निकांड के आरोपी थाईलैंड भागने में कामयाब हो गए हैं। अब गोवा पुलिस ने सीबीआई के जरिए इंटरपोल से मदद मांगी है। जिस दिन घटना हुई, उसी दिन आरोपियों ने मुंबई से फुकेट (थाईलैंड)की फ्लाइट पकड़ी और भारत से बाहर भाग गए। डीजीपी गोवा आलोक कुमार के अनुसार ये खबर निकलकर सामने आई है। ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन से से जानकारी मिली कि दोनों मालिक आग लगने के तुरंत बाद 7 दिसंबर को सुबह 05.30

- गोवा पुलिस ने यह जानकारी दी। दोनों आरोपी सौरभ और गौरव भाई हैं तथा उस बार के मालिक हैं, जहां हादसा हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

मिनिमम गवर्नेंस, नो गवर्नमेंट

प्रधानमंत्री मोदी ने जब 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभाला था तो यह घोषणा की थी कि वे ''मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट'' का सिद्धांत लागू करेंगे और इस दिशा में कार्य करेंगे। प्रारंभ के कुछ निर्णयों से ऐसा लगा कि सरकार उसी ओर चल रही है, किंतु जैसे-जैसे समय निकलता गया, यह नारा केवल नारा ही बनकर रह गया। वास्तव में सरकार की कार्यप्रणाली किसी और ही दिशा में चलने लगी। निजीकरण को बहुत अधिक महत्व दिया जाने लगा, जिसमें कोई बुराई भी नहीं थी, किंतु इसके बेलगाम होने का क्या परिणाम हो सकता है, यह हाल ही के दिनों में कई स्थानों पर देखने में आया है।

गत सप्ताह में इंडिगो एयरलाइंस से यात्रा करने वाले यात्रियों की दुर्दशा एवं लाचारी के जो दृश्य, विभिन्न मीडिया माध्यमों पर दिखाए गए, चाहे वे टीवी चैनल हों, सोशल मीडिया हों अथवा प्रिंट मीडिया, बड़े हृदय विदारक थे। कई ऐसे बुजुर्ग थे जो घंटों, बिना दवा के एयरपोर्ट पर बैठे रहे, कई डॉक्टर सर्जरी करने नहीं पहुंच पाए, जिन मरीजों की किसी दूसरे शहर में सर्जरी होनी थी, वह नहीं हो पाई। कुछ मामलों में तो नव दंपत्ति अपने खुद के रिसेप्शन में भी सम्मिलित नहीं हो पाए और उन्हें केवल वीडियो के माध्यम से सम्मिलित होना पड़ा। बिलखते बच्चे और रोती हुई आक्रोशित महिलाओं के दृश्य प्रतिदिन आ रहे हैं। फ्लाइट 20 घंटों के विलंब से जा रही थीं। हजारों फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं। हजारों लोग परीक्षा और इंटरव्यू देने से वंचित रह गए। बहुत से लोगों की विदेश की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई। इंडिगो के कर्मचारियों के पास केवल एक ही रटा रटाया उत्तर था कि तकनीकी कारणों से विलंब हो रहा है, फ्लाइट रीशेड्यूल कर रहे हैं अथवा कैंसिल हो रही है। भारत में नागरिक की स्थिति कितनी दयनीय हो गई है, यह इसी से पता लगता है कि कोई स्पष्ट उत्तर देने वाला नहीं था कि उनकी फ्लाइट गंतव्य के लिए कब और कितने बजे रवाना होगी? जिन लोगों को अत्यावश्यक रूप से कहीं जाना था इसके लिए उन्हें वैकल्पिक फ्लाइट के टिकट, अन्य एयरलाइंस से मनमानी कीमत पर खरीदने पड़े। ऐसा देखा गया कि जिन दो शहरों के बीच में सामान्य टिकट की दर 7- 8000 रुपए थी, वहां के लिए 30000 से 100000 रुपए तक लोगों को मजबूरी में देने पड़े।

इंडिगो ने केवल यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली और यात्रियों पर 'उपकार' कर दिया कि वह यात्रियों को फ्लाइट रद्द होने पर पूरा किराया रिफंड करेगी । यह नहीं सोचा कि रिफंड तो 7000 रुपए का होगा लेकिन नया टिकट 70000 रुपए का होगा। यही स्थिति कुंभ मेले के समय भी हुई थी जब 5000 के स्थान पर लोगों को 50000 रुपए तक देने पड़े थे।

यह सब होते हुए भी सरकार आंखें मूंद कर बैठी रही। उसने न तो एयर लाइन पर कोई जुर्माना लगाया न यात्रियों को कोई मुआवजा देने के लिए इंडिगो को बाध्य किया। यह उल्लेखनीय है कि भारत के विमानन उद्योग में इंडिगो का हिस्सा लगभग 65 प्रतिशत है, अर्थात इसका एकाधिकार है। स्पष्ट है इंडिगो कंपनी निश्चिंत है कि डी जी सी ए या उड्डयन मंत्रालय उसके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं करेगा। यह अति आत्मविश्वास शायद इसलिए कि सितंबर, 2025 से प्रधानमंत्री के अत्यन्त करीबी नीति आयोग के पूर्व सी ई ओ, इंडिगो के निदेशक बन गए हैं। कहा भी गया है, ''सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का''? एयरलाइंस पर कोई कार्रवाई न करने को जनता के हितों की अनदेखी करना ही कहा जाएगा। इंडिगो ने न तो यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की न खाने की। स्थिति तो यहां तक बिगड़ गई कि एक बुजुर्ग द्वारा जब अपनी बेटी के लिए एयरलाइंस स्टाफ से सैनिटरी नेपकिन की मांग की गई तो वह तक उपलब्ध नहीं कराया गया। लोग 5 घंटे से लेकर 20 घंटे तक अनिश्चितता की हालत में विभिन्न एयरपोर्ट पर बैठे रहे। एयरपोर्ट पर भीड़ की स्थिति किसी शहर के बस अड्डे से भी खराब हो गई थी।

आज प्रत्येक नागरिक यह प्रश्न पूछ रहा है कि क्या सरकार का 'मैक्सिमम गवर्नेंस' का यही तात्पर्य है कि यात्रियों को निजी कंपनियों की दया पर छोड़ दिया जाए? उल्लेखनीय है कि इंडिगो का मुनाफा केवल वित्तीय वर्ष 2024 में ही आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक था। क्या सरकार इस कंपनी को आदेश नहीं दे सकती है कि वह पीड़ित यात्रियों को कम से कम एक लाख रुपए का मुआवजा दे? नागरिक उड्डयन मंत्रालय जिसके पास विभिन्न एयरलाइन एवं हवाई यात्राओं को नियमित करने की जिम्मेदारी है, उसने इस तरफ कोई भी ध्यान नहीं दिया। अब तक इस एयरलाइंस पर जुर्माना लगाने की भी कोई जानकारी नहीं है।

मीडिया में प्राप्त जानकारी से पता लग रहा है कि विभिन्न सुरक्षा संबंधी मानकों को ध्यान में रखते हुए और पायलटों के उड़ान के घंटे निर्धारित करने के कारण इंडिगो के लिए फ्लाइट संचालन करना असंभव था। फिर भी इंडिगो को अपनी फ्लाइट्स की संख्या 14000 से बढ़ाकर 15000 करने की अनुमति दे दी। इन सब का परिणाम यह हुआ कि इंडिगो के पास पायलटों की संख्या अत्यंत कम हो गई । बदली परिस्थितियों में, इंडिगो ने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पायलटों की समय पर भर्ती नहीं की । इसका असर फ्लाइट के संचालन पर पड़ना ही था। यह आश्चर्य की बात है कि अब सरकार ने पायलटों के उड़ान के घंटे नियमित करने वाला अपना आदेश इंडिगो कंपनी के लिए 10 फरवरी तक स्थगित कर दिया है। ऐसा करके क्या सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को ताक पर नहीं रख दिया है ? प्रधानमंत्री जी ने नारा तो ''मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट'' का दिया था लेकिन निजी कंपनियों को जिस प्रकार से मनमानी करने की खुली छूट दे दी गई है, उसे तो ''मैक्सिमम गवर्नेंस'' के स्थान पर 'नो गवर्नेंस' ही कह सकते हैं।

साधारण जनता मिलावटी दूध पीने, मिलावटी सब्जियां, फल एवं खाद्य पदार्थ खाने और जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है । वास्तव में सरकार होती तो मिलावट करने वालों को अब तक सजा मिल चुकी होती। न किसी को जेल हुई न किसी को गिरफ्तार किया गया। मेरे जैसे साधारण नागरिक की तो केवल एक ही अपेक्षा है कि सरकार प्रभावी रूप से नियंत्रण व्यवस्था स्थापित करे और नियंत्रण व्यवस्था में ऐसे लोगों को लगाए जो ईमानदारी से अपना काम करें, ताकि निजी संस्थाएं भी बनी रहें और किसी का शोषण भी व्यवस्था में ना हो।

सरकार की अनुपस्थिति लगभग हर उस क्षेत्र में अनुभव की जा रही है जिससे नागरिक का जीवन प्रभावित होता है। वाहनों की संख्या में अनाप-शनाप वृद्धि से शहरों में पार्किंग का कोई स्थान नहीं बचा है और इसलिए सड़कों पर वाहन बेतरतीब खड़े रहते हैं, जिसके कारण प्रतिदिन सड़क हादसों में लोग मर रहे हैं । अतिक्रमण और भवन निर्माण के नियमों की अवहेलना एक सामान्य बात हो गई है। जयपुर के मालवीय नगर में एक निर्माणाधीन चार मंजिला भवन झुकने लगा और जनजीवन के लिए खतरा बन गया तो पता चला कि यह बिना अनुमति के बन रहा था। कैसी सरकार और कैसा शासन?

चलती बसों में आग लगने के कारण यात्रियों की मृत्यु होना, अस्पताल में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई आग से मरीजों की मौत होना, यही सिद्ध करते हैं कि सरकार के लिए आम नागरिक के जीवन का कोई महत्व नहीं रह गया है। जब मैं यह संपादकीय लिख ही रहा हूं तभी गोवा के नाइट क्लब में भयंकर आग लगने की खबर आई है। इसमें 25 लोग दम घुटने से मर गए क्योंकि आने और जाने का एक ही दरवाजा था। स्पष्ट है, न सरकार है न शासन।

जहां तक गवर्नमेंट का सवाल है उसके अधिकारियों का काम केवल व्यापारियों और आम जनता से अनधिकृत रूप से वसूली करना रह गया है । जनता का हित सरकार के लिए सबसे अंतिम प्राथमिकता बनकर रह गया है।

जिस प्रकार से अस्पतालों में मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना लागू होने के बाद भी गरीब लोग अस्पताल में धक्के खा रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि गवर्नमेंट नाम की कोई चीज नहीं है । लोकतांत्रिक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व यही होता है कि वह जनता के हित को सर्वोपरि रखे, लेकिन जिस प्रकार के घटनाक्रम हम आजकल देख रहे हैं, उसको देखते हुए तो यही कहा जा सकता है कि सरकार के लिए बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों का हित संरक्षण ही एकमात्र काम रह गया है। साधारण जनता को निजी कंपनियों के हवाले छोड़ दिया गया है । मेडिकल की पढ़ाई करने वाले एक-एक छात्र से साल का एक करोड़ रूपया लिया जा रहा है। ऐसा करके क्या कभी कोई साधारण परिवार का व्यक्ति वर्तमान शासन व्यवस्था में एमबीबीएस या एम डी करने की सोच भी सकता है?

विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों अथवा अन्य सेवाओं के कर्मचारियों/ अधिकारियों को सुशासन पर प्रशिक्षण दिए जाने के बावजूद यदि हम गुड गवर्नेंस के बजाय 'नो गवर्नेंस' की दिशा में बढ़ रहे हैं, तो यह चिंता की बात है। इस प्रकार की स्थिति में, जिनके पास अकूत धनराशि है या जो प्रभावशाली हैं, वे तो किसी भी प्रकार से अपना काम निकाल लेंगे लेकिन साधारण नागरिक के पास तो प्रताड़ित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उदाहरण के लिए, हाल ही में किए जा रहे एस आई आर में लगभग सभी सरकारी शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई, जो वैसे ही खस्ता हाल है, अब बिल्कुल ही समाप्त हो गई है। सरकार के संरक्षण की आवश्यकता ही साधारण परिवार को सर्वाधिक होती है और दुर्भाग्य से वही शोषण का शिकार हो रहा है। सरकार अपने मूल दायित्व को तिलांजलि देकर केवल पूंजीपतियों के हित संरक्षण में जुटी रहेगी तो वही स्थिति होगी जो अभी इंडिगो के प्रकरण में हुई है।

आम नागरिक प्रश्न पूछ रहा है कि सरकार जो उससे विभिन्न नामों से टैक्स वसूल करती है उससे उसे लाभ क्या हो रहा है ? सरकार न तो उसे मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है न ही उसे निजी क्षेत्र के हाथों शोषित होने से बचा पा रही है। उसके बच्चे यदि पढ़ाई नहीं कर सकें, रहने के लिए अपना छोटा सा घर नहीं बना सके, अपने लिए कोई रोजगार नहीं ढूंढ सके, प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होते चले जाएं तो उसे हम लोक कल्याणकारी राज्य का नागरिक कह पाएंगे ? सरकार को चाहिए था कि तेजी से निजीकरण करते समय एक प्रभावी नियामक व्यवस्था स्थापित करती। पैसे की ताकत के आगे सरकार के मंत्री और अधिकारी या तो लाचार हैं या अपने स्वार्थ के कारण उनके समक्ष नतमस्तक हो गए हैं। यह भी पता चला है कि इंडिगो कंपनी के मालिक राहुल भाटिया ने सत्ताधारी दल को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से 20 करोड़ रुपए दिए थे। यदि ऐसा नहीं है तो फिर अब तक नागरिक उड्डयन मंत्री और महानिदेशक डी जी सी ए को क्यों नहीं हटाया गया है ?

साधारण जनता मिलावटी दूध पीने, मिलावटी सब्जियां, फल एवं खाद्य पदार्थ खाने और जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है । वास्तव में सरकार होती तो मिलावट करने वालों को अब तक सजा मिल चुकी होती। न किसी को जेल हुई न किसी को गिरफ्तार किया गया।

मेरे जैसे साधारण नागरिक की तो केवल एक ही अपेक्षा है कि सरकार प्रभावी रूप से नियंत्रण व्यवस्था स्थापित करे और नियंत्रण व्यवस्था में ऐसे लोगों को लगाए जो ईमानदारी से अपना काम करें, ताकि निजी संस्थाएं भी बनी रहें और किसी का शोषण भी व्यवस्था में ना हो।

इंडिगो की हाल की घटनाक्रम से तो यह लगता है कि सरकार पूरे प्रकरण में अनुपस्थित ही रही है । अनुपस्थित सरकार जनता का भला नहीं कर सकती । जनता चाहती है कि सरकार उसके हित में काम करे। हम तो केवल आशा ही रख सकते हैं कि सरकार अब भी जागे और सुशासन नहीं तो कम से कम शासन तो उपलब्ध कराए । दुर्भाग्य से न्यायपालिका भी सरकार की निष्क्रियता का संज्ञान नहीं ले रही है और न सरकार को बाध्य कर रही है कि वह एक प्रभावी कार्यपालिका की भूमिका संविधान के अंतर्गत निभाए।

फिलहाल तो ऐसा लगता कि प्रधानमंत्री का ''मैक्सिमम गवर्नेंस'' का दावा 'नो गवर्नेंस' में परिवर्तित हो गया है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

लोकतंत्र से संवाद: वंदे मातरम् दीर्घा

डॉ. लोकेश चंद्र शर्मा

राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को समर्पित विशिष्ट, शोधपरक और आधुनिक स्वरूप वाली दीर्घा में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, स्वाधीनता के सांस्कृतिक प्रतीकों और राष्ट्रभक्ति की सामूहिक चैतना के एतिहासिक तथ्यों को नए स्वरूप में प्रस्तुत किया है। भारतीय लोकतंत्र की आत्मा से संवाद करती इस पहल से देश की विधान सभाओं में राजस्थान विधान सभा इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विशिष्ट बन गई है। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की इस गौरवमयी सोच के साकार होने से विधान सभा का पवित्र परिसर शौर्य के भाव से आलोकित हो गया है। श्री देवनानी ने विधान सभा में भारतीय संविधान के 22 भागों के प्रारम्भ में प्रकाशित चित्रों की पृष्ठभूमि को समझाने के लिए संविधान दीर्घा और कारगिल वीरांगनाओं को समर्पित शौर्य वाटिका का भी निर्माण कराया है।

राजस्थान विधान सभा देश की पहली विधान सभा जहां वंदे मातरम् दीर्घा- देश की विधानसभाओं में राजस्थान विधानसभा अब उन विरल संस्थानों में शामिल हो गई है जहाँ वंदे मातरम् पर आधारित एक पूर्ण शोधपरक गैलरी का निर्माण हुआ है। राष्ट्र गीत के एक सौ पचास वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार इस दीर्घा में 37 पैनलों के माध्यम से वंदे मातरम् की रचना, इतिहास, संदर्भ और स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका को क्रमबद्ध रूप से सजाया गया है। वंदे मातरम्, मातृभूमि के प्रति समर्पण, औपनिवेशिक दमन के विरुद्ध प्रतिरोध और स्वाधीनता की सामूहिक चेतना का स्वरूप है। स्वदेशी आंदोलन के दौर में यह गीत जनसभाओं और आंदोलनों का प्रेरक केंद्र बनकर राष्ट्रीय भावता को संगठित करता रहा और उसी चिरंतन स्वरूप को यह दीर्घा आधुनिक माध्यमों में पुनर्जीवित कर रही है।

नए विमर्श और आधुनिकता के साथ आमजन को समर्पित- राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित राजनैतिक आख्यान संठाहालय में यह नई दीर्घा स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को नए विमर्श और आधुनिक प्रस्तुति के साथ आमजन तक पहुँचाती है। वंदे मातरम् के भावपूर्ण संगीत, दुर्लभ दस्तावेजों, वीडियो सामग्री और उस युग के सांस्कृतिक-राजनीतिक परिवेश का सजीव प्रदर्शन आगंतुकों को उस समय की अनुभूति से जोड़ता है। मातृभूमि के प्रति प्रेम, कर्तव्य और संविधान के प्रति निष्ठा को इस दीर्घा का मूल केंद्र माना गया है, जो इसे मात्र प्रदर्शनी नहीं बल्कि प्रेरणा का स्थायी स्त्रोत बनाता है।

जीवंत ज्ञान केन्द्र- 1875 में अक्षय नवमी के दिन बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा मुर्शिदाबाद के लालगोला में रचे गए मूल गीत की पांडुलिपि, संस्कृतनिष्ठ बंगाली पाठ, स्वदेशी आंदोलन से जुड़े दुर्लभ फोटोग्राफ, क्रांतिकारियों के संस्मरण, पत्र, भाषण और तत्कालीन सांस्कृतिक वातावरण की झलक इस दीर्घा को विशेष बनाती है। युवा वर्ग, शोधार्थियों और इतिहास में रुचि रखने वाले नागरिकों के लिए यह दीर्घा एक जीवत जान केन्द्र के रूप में उभर रही है। राष्ट्रीय चेतना को आलोकित करने वाली राजस्थान विधान सभा ने नई पीढ़ी के लिए कर्तव्यों और अधिकारों के संतुलन के साथ राष्ट्र-प्रथम की भावना को सर्वोपरि बनाये रखने का वातावरण निर्मित किया है।

स्पीकर श्री वासुदेव देवनानी की इस पूरी पहल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि राजस्थान विधानसभा ने इतिहास को स्थिर रूप में नहीं, बल्कि जीवंत एवं संवादमय रूप में प्रस्तुत किया है। संग्रहालय का यह विस्तार ऐसी सोच को दर्शाता है जिसमें राजनीति केवल नीतियाँ और बहसों तक सीमित न रहकर संस्कृति, इतिहास और नागरिक चेतना को भी समान महत्व देता है।

इतिहास को महसूस कराने वाली दीर्घा वंदे मातरम् दीर्घा- वंदे मातरम इतिहास, संस्कृति और संवैधानिक आदर्शों का ऐसा विशिष्ट संगम बनकर उभर रही है, जो भारतीय लोकतंत्र की गहराई और राष्ट्रीय चेतना की व्यापकता को नई पीढ़ियाँ तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगी। राजस्थान विधानसभा में वंदे मातरम् दीर्घा केवल अतीत का अभिलेख नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय पहचान को जोड़ने वाला समकालीन सेतु है। डिजिटल इंटरैक्टिव पैनलों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के संयोजन ने इसे पारंपरिक

संग्रहालयों की सीमाओं से आगे पहुँचा दिया है। इसे देखने वाले स्वतंत्रता आंदोलन की भावनाओं संघर्षों और राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा को अनुभव करते हैं। यह पहल आने वाले वर्षों में न केवल शोधार्थियों के लिए बल्कि उन युवाओं के लिए भी अत्यंत मूल्यवान साबित होगी जो इतिहास को केवल पढ़ना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते हैं।

करोडों भारतीयों की सामूहिक स्मृति का प्रतिबिम्ब- वंदे मातरम् दीर्घा राष्ट्रगीत के इतिहास को समेटे हुए है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना को जन भाषा में प्रस्तुत करती है। दीर्घा के प्रत्येक पैनल में स्वतंत्रता संग्राम के दृश्य, आंदोलनकारी ऊर्जा के अंश और राष्ट्रिनर्माण में काला-साहित्य की भूमिका के अध्याय सजीव हो उठे हैं। यह दीर्घा उन करोड़ों भारतीयों की सामूहिक स्मृति का प्रतिबिंब है जिन्होंने अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध करते हुए वंदे मातरम् को अपनी आवाज का आधार बनाया था। आधुनिक भारत की युवा पीढ़ी जब इस दीर्घा में प्रवेश करती है, तो वह केवल इतिहास नहीं देखती वह अपने भीतर राष्ट्रभावना की एक नई समझ का जन्म अनुभव करती है।

लोक संस्कृति पथ - राजस्थान विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय के प्रवेश पथ को कला, संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक प्रतीक और ऐतिहासिक धरोहरों के भित्ति चित्रों से उकेरा गया है। यह लोकक संस्कृति से परिचय कराने वाला पथ बन गया है।

–डॉ. लोकेश चंद्र शर्मा,
उप निदेशक जनसंपर्क, राजस्थान विधानसभा, जयपुर

राज्य सरकार के विघटनकारी रवैये से कृषि विश्वविद्यालयों के एक्ट और स्टैचूट्स गैरजरुरी व अर्थहीन

प्रो. वीर बहादुर सिंह

राजस्थान सरकार ने प्रदेश में पांच कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की, ये संसथान, बीकानेर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा और जोबनेर स्थानों पर संचालित हैं। ये सभी विश्वविद्यालय विधान सभा में उपयुक्त विधान पेश कर और गजट में नोटिफिकेशन उपरांत स्थापित किये गए हैं। सभी के विधान भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के मॉडल एक्ट अनुरूप बनाये गए हैं। एक प्रकार से ये एक्ट और स्टटूटेस सम्बंधित विश्वविद्यालय के लिए संविधान का उद्देश्य पूरा करते हैं जिनके प्रोविशंस के अनुसार विश्वविद्यालय अपने सभी क्रिया कलापों को अंजाम देते हैं।

इसके ही प्रावधानों के अंतर्गत कुछ बड़ी समितियाँ गठित होती हैं जिनमें प्रबंध मंडल सर्वोच्च औरअकादमिक कौंसिल प्रमुख हैं। फिर विधान के ही अंतर्गत बोर्ड ऑफ़ स्टडीज अथवा फैकल्टी होती है। एक फैकल्टी एक संकाय के सभी अकादमिक और नॉन अकादमिक कार्य देखती है। वर्तमान स्थिति में कृषि संकाय, कृषि अभियांत्रिकी संकाय, होम साइंस संकाय, डेरी व् फ़ूड टेक्नोलॉजी संकाय और फिशरीज लिम्नोलोजी संकाय और बागवानी व् फॉरेस्ट्री संकाय इन संस्थानों में गठित किये हुए हैं। प्रत्येक मुख्य संकाय का एक महाविद्यालय है जैसे कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, होम साइंस महाविद्यालय, डेरी व् खाध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मतस्य विज्ञान महाविद्यालय आदि जहाँ स्नातक और अधिस्नातक स्तरों की शिक्षा देने का प्रावधान है सभी महाविध्यालयों में अनेक विषय अनुसार विभाग होते हैं। जिनमें प्रत्येक का एक विभागाध्यक्ष होता है।

कुछ अपवादों को छोड़कर इन सभी पाठ्यक्रमों के अलावा अनुसन्धान या पीएचडी पाठ्यक्रम भी कुछ विषयों में उपलब्ध हैं। ये सभी पाठ्यक्रम नॉलेज विस्तार के कारण विषय सामग्री से बहुत प्रचुर हैं, जिन्हें पढानें के लिए वांछित वैज्ञानिक या अध्यापकों की जरुरत होती है। ये वैज्ञानिक पीएचडी तो होते ही हैं अपने ही विषय के किसी एक या दो पक्षों में विशेषग्यता रखते हैं जिसे वे अधिस्नातक और पीएचडी छात्रों को पढ़ाते भी हैं और किसी एक समस्या पर शोध भी करवाते हैं। शोध भी अपने में एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे आखिर तक अंजाम तक पहुंचाने में शोधार्थी व् वैज्ञानिक को सतत परिश्रम और समय लगाना होता है।

उपरोक्त वर्णित डिग्री प्रोग्राम और सम्बंधित महाविद्यालय जहाँ वो डिग्री प्रोग्राम संचालित होते हैं, को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली से अनुमोदित अथवा प्रत्यायित या प्रामाणिक होना आवश्यक होता है इसके लिए सम्बंधित संस्था से निवेदन मिलते ही परिषद् एक विशेषज्ञों की समिति गठित कर देती है जो विश्वविद्यालय और महाविद्यालय का निरीक्षण कर और सभी दृष्टिओं से संतुष्ट होकर शिक्षा या डिग्री प्रोग्राम अथवा महाविद्यालय को चाही गई अनुसंशा प्रदान कर देती है। इस अनुसंशा के बाद ही वह प्रोग्राम पूरे देश में मान्य हो जाता है और कौंसिल से विभिन्न कार्यों के लिए आर्थिक सहायता के लिए भी उपयुक्त हो जाता है।

बिना इस मान्यता के प्रदान की गई डिग्री देश के किसी भी संसथान में आगे प्रवेश और रोजगार के लिए मान्य नहीं होती है। अक्रेडिटेशन समिति उपस्थित फैकल्टी व् उनकी विशेषग्यता, प्रयोगशालाएँ और प्रायोगिक कक्षाओं के लिए समुचित उपकरण की मौजूदगी, वांछित प्रयोगशाला सहायक और समुचित बजट प्रावधानों के होते हुए अक्रेडिटेशन के लिए अनुशंसा कर देती है उपरोक्त सभी कारकों का समुचित स्तरों का होने पर ही समिति संतुष्ट होकर प्रमाणिकता प्रदान करने की अनुसंशा करती हैं।

स्नातक विषय तो एक अनुभवरहित फैकल्टी पढ़ा सकती है लेकिन अधिस्नातक और पीएचडी विषय पढानें के लिए अध्यापक अथवा फैकल्टी का पोस्टग्रेजुएट कौंसिल से अनुमोदन आवश्यक होता है बिना अनुमोदि प्राप्त व्यक्ति अधिस्नातक और पीएचडी के विषय पढानें के लिए अयोग्य माना जाता है। इस लेख को पढ़ने के बाद छात्र भी आंकलन कर सकते हैं कि वे कैसा विषय पढ़ रहे हैं और उसे पढ़ाने वाला किस स्तर का है ? माँ बाप का पैसा उचित जगह ही खर्च हो तभी छात्र को उस शिक्षा का लाभ हो सकता है। पीएचडी पढानें और थीसिस (रिसर्च) गाइड के लिए सुपरवायजर अथवा अध्यापक को उच्च कोटि का विषय ज्ञान और रिसर्च का वांछित स्तर का अनुभव रखना जरुरी है। यदि गाइड में वांछित अनुभव की कमी है तो वह संतोष स्तर की थीसिस छात्र को नहीं करा सकता। ऐसे में चालाकी से कुछ छात्र लाइब्रेरी से मिलती जुलती पूर्व की किसी थीसिस से कुछ भागों की नक़ल कर लेते हैं जो एक प्रकार से नक़ल करने के समान है।

कृषि महा विद्यालओं और विश्व विद्यालओं में सतत अनुसन्धान स्वरुप द्रुत गति से बढ़ती विषय सामठाी का पढ़ाई में निरंतर समावेश भी कृषि शिक्षा में जरुरी है अन्यथा हाल ही में उपजी जानकारी से छात्र वंचित रह जायेंगे। इसलिए यूनिवर्सिटी के एक्ट और स्टटूस में विषय वार समिति ऑफ़ कोर्सेस भी गठित होती हैं जिसमें विभाग के सभी सीनियर अध्यापक और विश्वविद्यालय से बाहर के एक या दो आमंत्रित विशेषज्ञ नामित किये जाते हैं। इनकी उपस्तिथि से किसी अन्य विशेषज्ञ के ज्ञान का लाभ तो मिलता ही है विषय अपडेट करने में, अन्य संस्थानों में स्तिथि और स्तरों की सूचना भी मिल जाती है।

उपरोक्त सभी समितिओं की निर्धारित अंतराल पर बैठक आहूत की जाती है। विश्व विद्यालय में यदि विषय के अंतर्गत वांछित फैकल्टी नहीं हो तो उपरोक्त समितिओं का गठन संभव नहीं। सरकार में बैठे प्रशासनिक अधिकारिओं ने अपनी सोची समझी रणनीति के अनुसार रिक्त पदों पर चयन करने की परमिशन को सदैव टाला है। फलस्वरूप विभाग तो खाली हैं ही, महाविद्यालयों के स्तर पर भी साठ प्रतिशत और कहीं उससे भी अधिक पद या तो समाप्त किये जा चुके हैं या लम्बे समय से रिक्त ही चल रहे हैं।

आश्चर्य होता है कि विषय की पढ़ाई पूरी करने हेतु बाजार से (अचयनित) अपात्र को आमंत्रित कर पढ़ाई का उददेश्य पूरा कर लिया जाता है। प्रवेश लेने वाले छात्रों को इन सब मदारीनुमा व्यवस्थाओं की पड़ताल और उनके भविष्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव का आंकलन नहीं होपाता। ऐसे षणयंत्र धोखाधडी के कारण छात्रों के लिए विध्वंशकारी होते हैं। कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली ने समान स्टैण्डर्ड कायम रखने की दृष्टि से सभी विषयों के नोट्स नेट पर उपलब्ध करा दिए हैं ताकि शिक्षक उनसे मदद ले सकें और छात्र भी विस्तृत नोट्स लिखने से निजात पा सकें। कौंसिल की इस पहल से लाभ की जगह नुक्सान अधिक हुआ है।

शिक्षकों की घोर कमी के रहते छात्रों ने इन नोट्स पर पूरी निर्भरता बना ली है। इससे वे लाइब्रेरी में टेक्स्ट बुक पढ़ने से भी मुक्ति पा चुके हैं जिससे वर्तमान में लाइब्रेरी में पढ़ने शायद ही कोई छात्र जाता हो। क्लास रूम में वांछित पढ़ाई न मिलने से ये नोट्स ही उनके लिए वरदान बन गए हैं। सरकार को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि नई नियुक्तिओं से निजात पाने से सरकारी धन की बचत हो रही है। इस प्रकार क्लास रूम टीचिंग नगण्यप्राय है और आगे शायद कॉलेजों की भी जरुरत नहीं रहे पढ़ने वालों के लिए भविष्य में केवल सरकार किसी रजिस्ट्रेशन व्यवस्था को कायम कर सकती है जहाँ रजिस्टर करा छात्र नेट से विषय पढ़कर सीधे ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। इस प्रकार कॉलेजों की स्थापना और उन पर अनापसनाप खर्च से राजकीय कोष पर भार समाप्त प्राय हो जायेगा। समय बीतनें पर स्तिथि स्पष्ट होगी कि ऊँट किस करवट बैठता है ?

वर्तमान में विश्वविद्यालय में प्रबंध मंडल के बाद ऐकडेमिक कौंसिल, पोस्टग्रेजुएट कौंसिल, बोर्ड ऑफ़ स्टडीज और समिति ऑफ़ कोर्सेज शैक्षणिक पक्ष के लिए गठित होती हैं। अनुसन्धान और विस्तार शिक्षा व् किसानों के खेतों तक तकनिकी ट्रांसफर के लिए कृषि अनुसन्धान निदेशालय एवं उसके अंतर्गत बाहर के ज़िलों में अनुसन्धान केंद्र कार्यरत रहते हैं जिनका मुख्य काम नवीन तकनीकों का विकास और पुरानी में संसोधन उसी वातावरण में किया जाकर परिणाम विस्तार निदेशालय को प्रेषित करने होते हैं जो उसे खेतों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

वैसे तो विश्वविद्यालय के प्रत्येक वैज्ञानिक या शोधार्थी को शिक्षा, शोध और विस्तार तीनों दायुत्व निभाने होते हैं परन्तु दूरी, ट्रांसपोर्ट और मूल कार्य की उपेक्षा के रहते यह संभव नहीं हो पाता और शोध या विस्तार में लगा वैज्ञानिक दूसरी विधा में कार्य करने नहीं जा पाता। कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली की कार्य शैली अपनाते हुए कृषि विश्व विद्यालय भी अनुकरण करते हैं। लेकिन समुचित वैज्ञानिक संख्या न मिलने से इन केंद्रों पर भी शोध और विस्तार प्रभावित होता है। ये दोनों ही कार्य शोध और विस्तार हेड क्वार्टर पर उपलब्ध निदेशकों के अंतर्गत कार्य करते हैं। एक समयावधि पर दोनों ही निदेशालय अपने प्रगति आंकलन के लिए अपनी सम्बंधित समितिओं में सम्बाद कर किये गए कार्य का अनुमोदन कर रिपोर्ट विश्वविद्यालय को भेज देते हैं।

उपरोक्त वर्णित सभी प्रावधानों का जब आंकलन उद्देश्यों के परिपेक्ष में किया जाता है तो अनेक खामिआं उजागर होती हैं, जिनका निराकरण कभी होता नहीं और सतही लीपापोती कर इति श्री कर ली जाती है। हम उस पध्यति की तरफ अग्रसर हो रहे हैं जहाँ संभवत: फिर किसी समिति की जरुरत ही नहीं होगी। ठीक भी है उच्च शिक्षा में सरकारी हस्तक्षेप नगण्य ही रहे, तो उचित होगा। लेखक का मानना है कि अभी सम्बंधित छात्र और उनके अविभावक देखें कि उनके द्वारा अपने बेटा बेटी की कृषि शिक्षा पर खर्च और कम से कम चार वर्ष का समय कही बर्बाद तो नहीं हो रहा है? छात्र हित के लिए यह आवश्यक है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति और डेरी एवं खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर

राशिफल मंगलवार 9 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 2:23 तक, ऐन्द्रन योग दिन 2:23 तक, तैतिल करण दिन 2:29 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:23 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कर्क मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:23 तक है। रवियोग और कुमार योग रात्रि 2:23 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:44 से 11:01 तक, लाभ-अमृत 11:01 से 1:37 तक, शुभ 2:54 से 4:12 तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज अनावश्यक धन खर्च होगा।

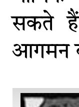

वृष

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। परिवार में परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

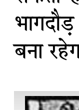

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

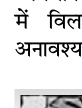

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

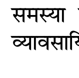

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

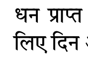

तुला

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

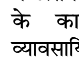

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

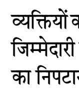

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

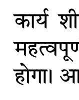

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

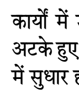

मीन

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की फिर मिली धमकी

इससे पूर्व गत 31 अक्टूबर को भी यहां बम ब्लास्ट की धमकी का ई-मेल मिल चुका है, हालांकि राहत की बात है कि तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उड़ाने को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को एक बार फिर धमकी मिली है। बीते चार दिन में यह दूसरा मौका है, जब हाईकोर्ट में बम धमाका करने की धमकी दी गई है। इससे पूर्व गत 31 अक्टूबर को भी यहां बम ब्लास्ट की धमकी का मेल मिल चुका है, हालांकि राहत की बात है कि तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को भेजे गए इस मेल में हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की बात कही गई है। ई-मेल की जानकारी मिलने ही उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई और पूरे हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया। वहीं न्यायाधीशों ने भी प्रकरणों की सुनवाई बीच में बंद कर दी।

राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन में मुख्यमंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं।

- बम की धमकी के बाद सोमवार को पूरे हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया, न्यायाधीशों ने भी प्रकरणों की सुनवाई बीच में बंद की, जो कि 2 बजे बाद पुनः शुरू हुई

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की ओर से पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। वहीं हाईकोर्ट परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व पक्षकारों को बाहर निकाला गया। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि बदमाश वीपीएन का इस्तेमाल करते हैं। वीपीएन के कई प्रकार होते हैं। हमारे पास जो टेक्नोलॉजी और मैन पावर है। उसका इस्तेमाल करके आरोपियों को जल्दी ही ट्रेस करने का प्रयास कर रहे हैं। आशा है कि जल्दी ही कुछ कामयाबी मिलेगी।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने कहा है कि हाईकोर्ट परिसर की सुरक्षा को लेकर मजाक की सी स्थिति बन गई है। बीते डेढ़ माह में हाईकोर्ट को तीन बार बम से उडाने के मेल मिल चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जांच एजेंसियां अभी तक यह तक मालूम नहीं कर पाई हैं कि ई-मेल कहां से आया है। हर बार मेल मिलने के बाद मुकदमों की सुनवाई बीच में बंद कर दी जाती है और कोर्ट परिसर खाली करा लिया जाता है। जिससे एक और भय का माहौल पैदा हो गया है, वहीं मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित होती है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने कहा कि डढ़ माह में ही तीसरी बार हाईकोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलना गंभीर है। ऐसे में हाईकोर्ट प्रशासन व पुलिस प्रशासन को इन दोनों ईमेल की जांच करवानी चाहिए कि ये कहां से आ रहे है।

पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की ओर से कोर्ट परिसर की पूरी तलाशी लेने के बाद क्लीन चिट दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट में दोपहर दो बजे बाद से केसों की सुनवाई शुरू हुई। हालांकि सुबह बम की धमकी मिलने के चलते अदालतों में सुनवाई नहीं हुई और हजारों प्रकरण प्रभावित हुए।

मुख्यमंत्री ने सुनीं राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन में लोगों की समस्याएं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमावर को सचिवालय में दौरा करते हुए अचानक राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन सेंटर 181 पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने दो कॉलर्स नवलगढ़ (झुन्झुनूं) के सुधीर और कोटपूतली-बहरोड़ के नेमीचंद से बात कर उकी समस्याओं का भी तुरंत समाधान करवाया।

- 181 पर आ रही समस्याओं की बढ़ाई जाए मॉनिटरिंग : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 का औचक निरीक्षण किया और परिवादियों की समस्याएं सुनी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब राजस्थान संपर्क 181 पर समस्याएं सुन रहे थे तो एक कॉल पर नवलगढ़ (झुन्झुनू) के सुधीर ने बताया कि उनके घर के पास साव की ढाणी पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है। परंतु सड़क के बीच में एक पोल आ रहा है, जिससे आवाजाही में परेशानी हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से उस पोल को हटाने के लिए निवेदन किया। जिस पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबंधित कलक्टर ने पोल हटवाया।

इसी प्रकार एक अन्य शिकायतकर्ता नेमीचंद निवासी गोकलपुर गांव, वार्ड नंबर 29 (कोटपूतली-बहरोड़) ने मुख्यमंत्री को फोन पर बताया कि गोकलपुर गांव में वार्ड नंबर 29 में नाले की सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी निकलकर सड़क पर भरा हुआ है। जिससे आवागमन में लोगों को समस्या आ रही है तथा बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने इस नाले की जल्द से जल्द सफाई कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के आदेश पर संबंधित कलक्टर ने नाले की तुरंत सफाई करवाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 181 हैल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके तथा उसे राहत मिले। मुख्यमंत्री ने पूरे प्रणाली को समझने एवं उसे और बेहतर बनाने के लिए स्वयं ही शिकायतकर्ताओं का कॉल अटैण्ड किया तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में अटल ज्ञान केन्द्र खोलेगी भजनलाल सरकार

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना करेगी, ताकि ग्रामीण युवाओं को डिजिटल शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और कॅरियर परामर्श जैसी सुविधाएं मिल सके। यह पहल राज्य सरकार के पिछले 2 वर्षों के समर्पित प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें विकास, शिक्षा और युवा सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है।

- प्रथम चरण में 3000 से अधिक आबादी वाली 1274 पंचायतें चिन्हित
- इन जगहों पर ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर और इंटरनेट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कॅरियर परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यक्रम होंगे

ज्ञात रहे कि अटल ज्ञान केन्द्रों में ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर और इंटरनेट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी पुस्तकें, कॅरियर परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की सुविधा होगी। पहले चरण में 3000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत मुख्यालयों को प्राथमिकता दी गई है। अब तक 1274 केंद्रों को चिन्हित कर इनके लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इस चरण के बाद प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों को कवर किया जाएगा।

पिछले दो वर्षों में भजनलाल सरकार ने युवा प्रोत्साहन, ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना इसी दिशा में एक और मील का पत्थर है, जो ग्रामीण युवाओं को शहरों के समकक्ष अवसर प्रदान करेगा। इन केंद्रों से न केवल शिक्षा का प्रसार होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। अटल ज्ञान केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए भारत सरकार का सहयोग प्राप्त हुआ है। पुनर्गठित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत राजस्थान के लिए 1047 पंचायत लर्निंग सेंटर (पीएलसी) की स्वीकृति प्रदान की गई है। करीब 232 करोड़ रुपए से अधिक की यह सहायता केंद्रों के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना, डिजिटल सुविधाएं और प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाएगी। इस सहायता से केंद्रों में उन्नत कंप्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे।

'नई श्रम संहिताएं श्रमिक कल्याण हितैषी'

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नई श्रम संहिताएं श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हैं। इनके माध्यम से मजदूर और कारोबार के हितों की सुरक्षा होगी और देश-प्रदेश के अनुकूल औद्योगिक वातावरण में वृद्धि होगी। उन्होंने केन्द्र सरकार की मंशानुसार नई श्रम संहिताओं के प्रदेश में समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नवीन श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिताओं के अनुसार सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करने की अनिवार्यता की गई है।

आधुनिक और भारतीय शिक्षा के समन्वय का मार्ग प्रशस्त करेगा शिक्षा बोर्ड : डॉ. एन.पी. सिंह

प्रयागराज। एएमए कन्वेंशन सेंटर प्रयागराज में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य स्वदेशी शिक्षा पद्धित को पुनर्जीवित करते हुए आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करना है। आज देश को ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों में आत्मगौरव, भारतीयता, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और वैश्विक दृष्टि दोनों का विकास कर सके। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों के समकक्ष मान्यता प्राप्त है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने प्रयागराज में संगोष्ठी को संबोधित किया।

डॉ. सिंह ने बताया कि बोर्ड के पाठ्यक्रम में वेद, उपनिषद, गीता, जैन और बौद्ध दर्शन, भारतीय शूरवीरों की कथाएँ, संवैधानिक मूल्य, गुरुकुल परंपरा और आधुनिक विज्ञान-प्रौद्योगिकी को संतुलित रूप से जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम में भारत के लगभग 120 महान नायकों की जीवनगाथाओं को भी शामिल किया है। यह शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को केवल नौकरी योग्य नहीं बल्कि रोजगार सृजन में सक्षम बनाएगी। बोर्ड का पाठ्यक्रम यूपीएससी, नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप भी विकसित किया गया है। यह बोर्ड के समकक्ष है, यह कक्षा 9 से 12 तक की स्कूलों को मान्यता देती है । कक्षा 1 से 8 तक के मान्यता प्राप्त विद्यालय भारतीय शिक्षा बोर्ड से मान्यता ले सकते हैं।

विशिष्ट अतिथियों में संयुक्त शिक्षा निदेशक राम नारायण विश्वकर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक पी. एन. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त कुल सचिव मेजर डॉ. हर्ष कुमार उपस्थित रहे। भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी भगवान सिंह भी कार्यक्रम में सहभागी रहे। कार्यक्रम का संचालन बृज मोहन ने किया।

हादसे में महिला सहित तीन लोगों की मौत

निजी बस बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलटी खाई

जयपुर/हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना इलाके के मानकसर में सोमवार सुबह एक निजी बस बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चौदह यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस में सवार घायल यात्रियों को संगरिया पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। इनमें से 3 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रैफर किया गया है।

हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने बताया कि यह हादसा सोमवार सुबह तब हुआ जब हनुमानगढ़ से डबवाली की ओर जा रही एक निजी बस एक बाइक से टकरा गई। इस टक्कर के बाद पोल से टकराकर बस बेकाबू होकर पलट गई।

इस हादसे में बाइक सवार नगराना निवासी लखविंदर सिंह (40) और बग्गा सिंह (28) की मौके पर ही मौत हो गई। बस पलटने से बस में सवार गंभीर रूप से घायल हनुमानगढ़ टाउन की नई आबादी निवासी महिला कमलदीप कौर (35) ने भी दम तोड़ दिया। वहीं रामपुर (यूपी) निवासी अनवर अली (45), श्रीकरणपुर (वार्ड 9) निवासी (62), सुरेशिया निवासी सुरेंद्र कुमार (45), सुरेशिया निवासी सुखचरण सिंह (29), सुरेशिया निवासी मसान लाल (45), ऐलनाबाद (हरियाणा) निवासी अजय कुमार (24), जंडावाली निवासी महेंद्र सिंह (70), हुडको कॉलोनी निवासी आनंद पांडे (40), कणवाली रावतसर निवासी कालूराम (47) (जो वर्तमान में संगरिया में हेड कांस्टेबल हैं) और श्रीगंगानगर की पुष्पा (40) घायल हो गए। इनमें से तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। एसपी हरी शंकर ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि बाइक सवार युवक नगराना गांव के रहने वाले थे और घटनास्थल के पास एक होटल से निकले थे। पुलिस ने बस को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना इलाके के मानकसर में सोमवार सुबह एक निजी बस पलटने के बाद मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई।

■ बस में सवार घायल यात्रियों को संगरिया पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।

'विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये'

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए हैं कि ब्लॉक ऑवर सप्लाई को मेंटेन कर रबी सीजन में कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सप्लाई की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए मुख्यालय से निचले स्तर तक अधिकारी भेजे जाएं, जो कि ट्रिपिंग वाले ग्रिड सब स्टेशनों तथा फीडर को चिन्हित कर उनमें लोड प्रबंधन की बेहतर प्लानिंग करें। नागर रबी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की मंगलवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। साथ ही प्रसारण निगम के स्तर पर भी बढ़े हुए लोड के अनुरूप पावर ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि के उपाय अभी से कर लिए जाएं। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा आरडीएसएस के अन्तर्गत कृषि एवं गैर कृषि फीडर सेग्रीगेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने मांग एवं इसके अनुरूप वितरण निगमों द्वारा की जा रही आपूर्ति की जानकारी दी। बैठक में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा तथा उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने विद्युत उपलब्धता के बारे में बताया।

तीन दोषियों को कारावास

कोटा। अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के करीब साढ़े पांच वर्ष पुराने मामले में एनडीपीएस न्यायालय ने सुनवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के तीन आरोपीयो को दोषी मानते हुए दस-दस वर्ष के कोर कारावास साथ ही 1,00,000 जुर्माने की सजा से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक महेंद्र सिंह निर्भय ने बताया कि 18 जनवरी 2020 को थानाधिकारी थाना कुन्हाड़ी कोटा शहर ने नाकाबंदी के दौरान एक कार को डिटेन किया, जिसमें तीन जने बैठे हुए थे। कार में पीछे की सीट पर बैठे हुए दोनों शख्सों के बीच में एक काले रंग का बैग रखा हुआ था। पुलिस टीम ने संदेह होने पर बैग की तलाशी ली तो बैग में से अवैध मादक पदार्थ 21 किलो गांजा बरामद किया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 03/12/2025

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.9(1)41/CC/2022/ 2025-18 Dated 03.12.2025 UBN No. MML2526GLOB00113	कसनाऊ मातासुख लिग्नाइट माइंस गांव-मातासुख तहसील-जायल नागौर में एक 11/V3 केवी न्यूट्रल ग्राउंडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रू.) 10.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 20,800/-, निविदा राशि- 1180/- अहस्तान्तरणीय जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500/- का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/15271 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

OFFICE OF MEMBER SECRETARY, RAJASTHAN MEDICARE RELIEF SOCIETY SUPER SPECIALITY HOSPITAL, UDAIPUR

No. RMRS/2025-26/630 Date: 01.12.2025

Notice inviting bid

Bids for various items of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto 23.12.2025, 10.00 Am. Other praticulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in of the state.

UBN NO. 1. MCU2526GLRC00307. The approximate value of the procurement is Rs. 20 lac.

UBN NO. 2. MCU2526GLRC00308. The approximate value of the procurement is Rs. 30 lac.

Member Secretary
Rajasthan Medicare Relief Society
SSH, Udaipur

DIPR/C/17962/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा.अभि.विभाग, वृत प्रतापगढ

E-Mail: secircle.pra.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक- अअ/प्रताप/निविदा/2025-26/2262-2267 दिनांक-02.12.2025

ई-निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा सक्षम श्रेणी में मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों से जिला प्रतापगढ के कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा सं. 09-10/2025-26 आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित अन्य सभी विस्तृत विवरण मय नियत तिथियों के http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर भी देखे जा सकते हैं।

UBN NO. As follows-
NIT-9- PHE2526WSOB09300, NIT-10-PHE2526WSRC09301

(शिवदयाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
वृत-प्रतापगढ (राज.)

DIPR/C/17987/2025

फैक्ट्री में आग से नुकसान

भीलवाड़ा। सोमवार तडके स्वरूपगंज स्थित रीको ग्रोथ सेंटर की नीता एंटरप्राइजेज गत्ता फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में हडकंप मचा दिया। घने धुएं के गुबार ने कुछ ही मिनटों में फैक्ट्री परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। अल सुबह काम पर मौजूद मजदूरों ने स्थिति बिगड़ती देख तुरंत हमीरगढ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाप्रभारी सुनील बेड़ा मौके पर पहुंचे और हालात गंभीर देखकर तत्काल अग्निशमन विभाग को बुलाया। दमकल वाहनों ने पहुंचकर करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस व अग्निशमन दल ने समय रहते आग की लपटों को दूसरे शेड तक फैलने से रोका।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से राहत

जोधपुर पॉक्सो केस में पीड़िता की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटीशन खारिज

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने रेप केस में सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से मिली 6 महीने की अंतरिम जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस पामिडिघंटम नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने जोधपुर पॉक्सो केस में पीड़िता की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटीशन खारिज कर दिया।

पीड़िता ने 21 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल की थी। इसमें राजस्थान राज्य और आसाराम बापू उर्फ आशुमल को प्रतिवादी बनाया गया था। इसे क्रिमिनल लॉ कैटेगरी के तहत बच्चों के खिलाफ अपराध व पॉक्सो एक्ट 2012 की श्रेणी में दर्ज किया गया।

■ पीड़िता ने 21 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल की थी। इसमें राजस्थान राज्य और आसाराम बापू उर्फ आशुमल को प्रतिवादी बनाया

सोमवार को सुनवाई में दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। आसाराम बापू को जोधपुर केस में राजस्थान हाईकोर्ट से 29 अक्टूबर को 6 महीने की अंतरिम जमानत मिली थी। उसी दिन पीड़िता की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट के इस आदेश को चुनौती देने के लिए एडवोकेट अल्जो के. जोसेफ ने 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में एप्लिकेशन दाखिल की थी।

इनमें स्पेशल लीव पिटीशन दायर करने की अनुमति, राजस्थान हाईकोर्ट के विवादित निर्णय की सर्टिफाइड कॉपी दाखिल करने के लिए छूट के लिए आवेदन किए गए थे। इसके बाद पीड़िता की ओर से यह स्पेशल लीव पिटीशन दायर होकर 8 दिसंबर को सूचीबद्ध होने से कई दिनों पहले ही आसाराम बापू ने 3 नवंबर को एडवोकेट निशांत बिश्नोई के माध्यम से कैवियट दाखिल कर दी थी, जो 24 नवंबर को इस मामले से लिंक हुई ताकि बिना सुने कोई एकतरफा आदेश न हो सके। आज यह मामला सुप्रीम कोर्ट में बेल मैटर्स श्रेणी में लिस्ट होकर सुना गया, जहां पीड़िता की ओर से एडवोकेट अल्जो के. जोसेफ और आसाराम बापू के वकील पेश हुए।

दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जाने वाली 6 फ्लाइट कैंसिल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस का शेड्यूल लगातार गड़बड़ाया हुआ है। इंडिगो की आज छह फ्लाइट कैंसिल की गई है। ये फ्लाइट्स दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद के लिए जोधपुर से जाने वाली थी। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक जोधपुर से तीन फ्लाइट हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली शहरों से आती है। यहां से वापस इन शहरों के लिए जाती है।

इससे पहले रविवार को भी एयरपोर्ट से चार आने वाली और जाने वाली फ्लाइट को कैंसिल किया गया था। हालांकि यहां पर शनिवार को एयरपोर्ट पर फ्लाइट का संचालन नियमित हो गया था।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-वि.सं.12/Exam/Inspector(G&B)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक- 08.12.2025

आयोग द्वारा कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभाग के लिए राजस्थान कारखाना तथा बायलर्स निरीक्षक और कारखाना निरीक्षक (रसायन) सेवा नियम, 1958 के अन्तर्गत निरीक्षक, कारखाना एवं बॉयलर्स (Inspector of Factories & Boilers) के 12 पदों तथा निरीक्षक, कारखाना (रसायन) (Inspector of Factories (Chemical) के 01 पद पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 23 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 14.12.2025 से दिनांक 12.01.2026 रात्रि 12.00 बजे तक
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/18217/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

हथियारों के साथ 50 हजार के इनामी सहित दो बदमाश पकड़े

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट की महामंदिर पुलिस ने अवैध हथियारों को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर को उसके साथी के साथ गिरफ्तार किया है। इसमें एक बदमाश पचास हजार रुपए का इनामी है। आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर की मर्डर की प्लानिंग कर रहे थे। आरोपियों के कब्जे से तीन पिस्टल, दो कारतूस और एक क्रेटा कार भी जब्त की गई है। पुलिस अब उनसे हथियारों को लेकर पूछताछ कर रही है।

■ तीन पिस्टल व दो कारतूस बरामद

■ क्रेटा कार जब्त, हिस्ट्रीशीटर को मारने के लिए कर रहे थे प्लानिंग

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने बताया कि कमिश्नरेट पुलिस संगठित अपराधियों को चिन्हित करके कार्रवाई कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ आपराधिक तत्व यहां घूम रहे हैं। डीसीपी (पूर्व) पीडी नित्या की मॉनिटरिंग में इस सूचना को बीट कांस्टेबल प्रकाश ने डेवलप किया। इसके आधार पर पचास हजार के इनामी बदमाश उदयपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर नरेश वाल्मीकि और जैसलमेर निवासी अमन वाल्मीकि को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से तीन पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी नरेश के खिलाफ अलग-अलग थानों में करीब 37 मुकदमे दर्ज है। वहीं अमन के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं। इनके खिलाफ 111 की धारा लगाई गई हैं। जो संगठित अपराधियों के खिलाफ लगाई जाती है। दोनों को भदवासिया इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी नरेश के खिलाफ उदयपुर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी इसके चलते फरार चल रहा था। आरोपी आने वाले समय में उदयपुर के ही हार्डकोर अपराधी प्रवीण कसेटा की हत्या की साजिश रच रहा था। प्रवीण अंबामाता थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

बिजली के तार गिरने से किसान की मौत

जोधपुर, (कासं)। देचू थाना क्षेत्र के पूनियों की ढाणी गोविंदपुरा गांव में बिजली के तार गिरने से एक किसान की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया। यह घटना 11 हजार केवी की बिजली लाइन के जर्जर पोल गिरने के कारण हुई। जानकारी के अनुसार 11 हजार केवी की विद्युत लाइन पर लगे सात जर्जर पोल अचानक गिर गए। इससे 11 केवी के तार पास से गुजर रही एलटी लाइन पर गिरे, जिससे एक ट्रांसफार्मर भी नीचे आ गया। एलटी लाइन में विद्युत आपूर्ति चालू होने के कारण दो किसान इसकी चपेट में आ गए। हादसे में खेताराम मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चेनाराम गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे देचू अस्पताल से जोधपुर रेफर किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि देचू डिस्कॉम को इन जर्जर बिजली के पोलों के बारे में पहले ही सूचित किया गया था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी थी कि ये पोल कभी भी किसी की जान ले सकते हैं, लेकिन डिस्कॉम के अधिकारियों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

बीकानेर मंडी से हर रोज करीब 40 लाख बोरी मूंगफली गुजरात के व्यापारी खरीद रहे

बीकानेर। गुजरात इस बार राजस्थान की मूंगफली मांग रहा है। हालात ये है कि बीकानेर में इस बार मंडी में आई अब तक फसल में से 50 फीसदी मूंगफली गुजरात जा चुकी है। वहीं गुजरात से बीकानेर में होने वाली मूंगफली विदेशों तक में सप्लाई हो रही है। इन सभी कारण गुजरात में इस बार बारिश से हुई फसल खराबा है।

दावा किया जा रहा है कि मूंगफली उत्पादन में बीकानेर ने इस बार गुजरात को पीछे छोड़ दिया है। इधर, बढ़ती डिमांड से मूंगफली के दाम भी बढ़ गए है। इस बार मूंगफली की फसल बेहतर हुई है। इसका दाना भी अच्छा होने की वजह से डिमांड बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में इस बार 46 लाख टन मूंगफली का उत्पादन होने की संभावना है। मंडियों में भी मूंगफली पहुंच चुकी है लेकिन बारिश की वजह से इस बार गुजरात में इसकी फसल प्रभावित हुई है।

■ गुजरात में बारिश की वजह से खराबा हुआ

■ यूरोप और थाईलैंड तक होती है सप्लाई

बताया जा रहा है कि बारिश की वजह से खेतों में काफी पानी भर गया था। जमीन पथरीली होने के कारण वहां पानी फसल के ऊपर ही रहा, जिससे फसल खराब हुआ। ऐसे में इस बार दाना काफी छोटा और गीला निकला। लेकिन, उसकी तुलना में इस बार बीकानेर में गुजरात जैसी फसल हुई है। यहां इस इस बार दाना बड़ा और सूखा है। ऐसे में वहां के प्रोसेसिंग यूनिट और व्यापारियों में राजस्थान में होने वाली मूंगफली की डिमांड में अचानक बढ़ोतरी आई है।

बीकानेर मंडी में रोजाना डेढ़ लाख बोरी पहुंच रही है। कृषि मंडी के अधिकारियों के अनुसार इस बार 2 करोड़ क्विंटल बोरी इस बार बीकानेर की मंडी में आएगी।

गुजरात में इतनी डिमांड बढ़ चुकी है कि रोजाना बीकानेर मंडी से हर रोज करीब 40 लाख बोरी गुजरात के व्यापारी खरीद रहे है। वहीं पिछले पांच वर्षो में बीकानेर में मूंगफली का उत्पादन में लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका आंकड़ा देखे तो लगातार दूसरी बार सबसे ज्यादा 8 लाख 70 हजार मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है। ये ही कारण है कि इस बार भी बीकानेर की मंडी पूरी तरह मूंगफली से अटी पड़ी है। हर रोज डेढ़ लाख बोरी मंडी पहुंच रही है। मूंगफली की बढ़ती डिमांड की वजह से इस बार भाव भी बढे है। पिछली साल की तुलना में प्रति क्विंटल 500 रुपए का मुनाफ हो रहा है। इस बार मूंगफली 5500 से 6500 रुपए क्विंटल के आस-पास बिक रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर

पी.एच.ई.डी. कैम्पस इण्डस्ट्रीयल एरिया के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)

क्रमांक-7070-7089 दिनांक-03.12.2025

Notice Inviting Bid- 126to130/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 17.12.2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 224.96 Lacs.

NIT NO.	126	127	128	129	130
UBN NO.	PHE2526 WSOB09326	PHE2526 WSOB09328	PHE2526 WSOB09329	PHE2526 WSOB09330	PHE2526 WSOB09331

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर

DIPR/C/18043/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांक-1903-12 दिनांक-01.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 12/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरू में निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एवं विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB NO. PWD2526A4578, UBN NO. 1. PWD2526WSOB18153, 2. PWD2526WSOB18154

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड राजगढ (चूरू)

DIPR/C/17969/2025

मुख्यमंत्री ने राजस्व से संबंधित विभागों की समीक्षा की

राज्य के सर्वांगीण विकास में राजस्व की भूमिका अहम, वृद्धि के लिए बनाएं लक्ष्य आधारित कार्य योजना

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस दिशा में विभिन्न विकास परियोजनाएं और जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने और जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्बाध संचालन में राजस्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समर्पित होकर कार्य करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आबकारी, परिवहन, कॉमर्शियल टैक्स तथा पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 69 हजार 627 करोड़ रुपये के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा गया था। इसे हासिल करने के क्रम में नवम्बर माह तक कुल 84 हजार 746 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आगामी तिमाही में राजस्व वृद्धि के लिए लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जीएसटी की दरों में कमी का लाभ उपभोक्ता को मिलना हो सुनिश्चित। शर्मा ने कॉमर्शियल टैक्स विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों से देश और प्रदेश के आमजन को काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जीएसटी की दरों में की गई कमी का सीधा लाभ उपभोक्ता तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने फर्जी करदाताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि कर चोरी रोकने और पारदर्शी कर व्यवस्था लागू करने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए। सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के हो परमिट जारी मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के अधिक से अधिक परमिट जारी किए जाएं जिससे आमजन को आवागमन में सुविधा होने के साथ ही, राज्य सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की।

युवा विचार गोष्ठी में मतदान के महत्व पर चर्चा

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि एक सचेत मतदाता में स्वयं के कर्तव्य एवं दायित्व का अहसास, राष्ट्र की बुनियादी समत्त्याओं की समझ उनके समाधान के संबंध में मौलिक सोच एवं इस हेतु सक्षम सरकार एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि की सुनिश्चित संकल्पना व परिकल्पना होनी चाहिए। राजेश्वर सिंह मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषयक युवा विचार गोष्ठी को जे. एल. एन. मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज के सेमिनार हॉल में संबोधित कर रहे थे। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में कनोड़िया महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मतदान के महत्य तथा लोकतांत्रिक व्यवत्त्था में मतदाता के अविकार कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। एक जागरूक मतदाता को न केवल मतदान प्रकिया में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना चाहिए वरन अन्य मतदाताओं को मी प्रेरित करना चाहिए। उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति, सिद्धान्त कार्यक्रम कार्ययोजना एवं कार्यप्रणात्री का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए तथा प्रत्याशियों की व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिवद्वता, जनसमस्याओं की समझ, तत्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षिणक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। सिंह ने कहा कि जब तक पंचायतीराज संस्थाएं एवं नगरीय निकाय सशवत सक्षम एवं प्रमावी नहीं होगे तथा स्थानीय स्तर पर सुयोग्य नेतृत्व का विकास नहीं होगा तब तक राष्ट्र का सर्वोतोमुखी एवं सर्वसमावेशी विकास असंभव है। स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण से ही लोकतंत्र में आमजनता की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय त्तमत्त्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान समय हो सकेगा।

राजेश्वर सिंह ने विचार गोष्ठी को संबोधित किया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 64(2) के अंतर्गत सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर (सभी तीनों राजस्थान डिस्कॉम्स की ओर से) ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष याचिका संख्या 2365/2025 दायर की है। यह याचिका विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 तथा धारा 64 के अंतर्गत, तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग(रा.वि.वि.आ.) द्वारा जारी रा.वि.वि.आ. (टैरिफ विनिर्धारण हेतु निबन्धन व शर्ते) विनियम, 2025 के संदर्भ में, दोहरी-स्रोत आपूर्ति (Dual-Source Supply) से संबंधित प्रस्तावित टैरिफ संशोधनो की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है।

याचिका की प्रतियाँ निरीक्षण/अवलोकन हेतु तथा 100 रू के भुगतान पर विक्रय के लिए आयोग कार्यालय में तथा निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं:

1. जयपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय- विद्युत भवन, जन पथ, ज्योति नगर, जयपुर।
2. अजमेर डिस्कॉमत का मुख्य कार्यालय- अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत भवन, पंचशील नगर, माकरवाली रोड, अजमेर।
3. जोधपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय- जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, न्यू पावर हाउस, बसनी, जोधपुर।

याचिका निगमो की वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की वेबसाइट www.rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

जो व्यक्ति टिप्पणियाँ/सुझाव प्रस्तुत करना चाहते हैं, वे सहायक विवरणों सहित तथा रा.वि.वि.आ. (कार्य का सम्पादन) विनियम, 2021 के फार्म-3 में शपथ पत्र के साथ, छह प्रतियों में, प्राप्ति अधिकारी, राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग, विनियामक भवन, सहकार मार्ग, जयपुर-302001 के कार्यालय में जमा कर सकते हैं, ताकि वे प्राप्ति अधिकारी को 24/12/2025 तक प्राप्त हो जाएँ।

टैरिफ में प्रस्तावित संशोधन

1. **टैरिफ में नई परिभाषा जोडना**
   निम्नलिखित परिभाषा जोड़ी जाएगी:
   "दोहरी-स्रोत आपूर्तिः ऐसी विद्युत आपूर्ति जो दो स्रोतों से प्रदान की जाती है, जिसमें दोनों स्रोतों से विद्युत का एक साथ या स्टैंडबाय उपयोग किया जा सकें।"
2. **HT/EHT टैरिफ अनुसूचियों में नोट जोड़ना**
   टैरिफ की सभी HT और EHT टैरिफ अनुसूचियों में निम्नलिखित नोट जोड़ा जाएगा:
   "नोटः जो उपभोक्ता दोहरी-स्रोत आपूर्ति का लाभ उठाता है, चाहे वह एकसाथ उपयोग करे या स्टैंडबाय उपयोग करें, उसे संबंधित टैरिफ श्रेणी के लागू स्थाई शुल्क का दोगुना शुल्क लिया जाएगा।"

राज.संवाद/सी/25/15323 जेपीआर 3095 (2025) अधीक्षण अभियंता (रेगुलेशन)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा-2025 की उत्तरतालिका बाबत्

बोर्ड द्वारा दिनांक 16.11.2025 को आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा-2025 (कक्षा-10 व कक्षा-12) की अस्थाई उत्तरतालिका बोर्ड की वेबसाईट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करवा दी गई है। यदि किसी परीक्षार्थी को इस उत्तरतालिका के किसी प्रश्न के उत्तर में आपत्ति है तो वे बोर्ड के ई-मेल आई.डी. bserobjections@gmail.com पर मय प्रमाण के दिनांक 15.12.2025 तक निर्धारित प्रारूप में आपत्ति दर्ज करावें। इसके उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक द्वारा प्राप्त आपत्तियाँ स्वीकार नहीं की जायेगी।

सचिव

निवेशकों की मांग पर एन.सी.आर. में औद्योगिक भूमि उपलब्ध कराएगा रीको

उद्योगों की स्थापना के लिए बीडा 209 हैक्टेयर भूमि रीको को आवंटित करेगा

जयपुर (कासं)। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024" के उपरांत विभिन्न उद्यमियों और औद्योगिक ग्रुप्स ने एनसीआर क्षेत्र में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की मंशा जाहिर थी। उनकी इस मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने अविलंब भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके उपरांत बीडा द्वारा लगभग 209 हैक्टेयर भूमि रीको को उपलब्ध कराई जायेगी। इस भूमि आवंटन से एक ओर औद्योगिक प्रतिष्ठानों को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध करायी जा सकेगी, दूसरी ओर बीडा को लगभग 110 करोड़ रूपये के राजस्व की प्राप्ति भी होगी, जिसका उपयोग बीडा द्वारा क्षेत्र के विकास एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकेगा। राज्य सरकार के इस कदम से राज्य में औद्योगिक माहौल विकसित करने और 350 करोड़ बिलियन की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी होगी।

■ **रीको द्वारा जयपुर के जगतपुरा स्थित अपैरल पार्क में भी किया जाएगा औद्योगिक विकास**

औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से रीको और जयपुर विकास प्राधिकरण ने अपैरल पार्क, जगतपुरा से संबंधित लंबे समय से चल रही भूमि समस्या का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया है। रीको द्वारा मुख्य महल रोड पर अपैरल पार्क की स्थापना वर्ष 2014 में लगभग 122 एकड़ पर की गई थी, जिसमें टैक्सटाइल एवं अपैरल उत्पादों के लिये ही औद्योगिक भूमि का आवंटन किया गया था। खातेदारों द्वारा लंबे समय से उन्हें 25 प्रतिशत विकसित भूमि दिए जाने की मांग की जा रही थी। जेडीए के पास खातेदारों की मांग अनुसार विकसित भूमि दिए जाने हेतु पर्याप्त भूमि की अनुपलब्धता देखते हुए रीको से अतिरिक्त भूमि की मांग की गई थी।

रीको ने एक एमओयू जेडीए के साथ निष्पादित कर मुख्य 160 फीट रोड पर 4.57 हैक्टेयर भूमि खातेदारों से विवाद का समाधान करने के उद्देश्य से जेडीए को हस्तांतरित करने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है। जेडीए इस भूमि का उपयोग खातेदारों को दी जाने वाली विकसित वाणिज्यिक भूमि के रूप में कर सकेगा, जिसके लिये जेडीए ने आवश्यक कार्यवाही भी प्रारंभ कर दी है। इस कदम से ना सिर्फ विभिन्न गतिविधियों के लिये भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी बल्कि जयपुर के प्रमुख महल रोड पर अन्य आर्थिक गतिविधियों जैसे सेवा क्षेत्र इत्यादि के लिये भी भूमि उपलब्ध हो सकेगी। गारमेंट एवं अपैरल सेक्टर में मुख्य नियोजन महिलाओं का होता है, इसलिये यहां महिलाओं के लिये भी रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे और ग्लोबल कैपेबिलिटी क्षेत्र, को-वर्किंग सेंटर, वाणिज्यिक परिसर, होटल आदि के निर्माण से पढ़े लिखे युवाओं को भी आने वाले समय में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के नए अवसर विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हो सकेंगे। इस कदम से उन काश्तकारों ने भी राहत की सांस ली है जो लंबे समय से अपनी भूमि के एवज में विकसित भूमि की मांग कर रहे थे।

लेपर्ड के मूवमेंट के कारण एजी कॉलोनी में दिनभर रही दहशत

वन विभाग की टीम ने बजाज नगर क्षेत्र में सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु लेपर्ड हाथ नहीं लगा

जयपुर । राजधानी जयपुर के बजाज नगर स्थित एजी कॉलोनी में रविवार की देर शाम को लेपर्ड का मूवमेंट होता देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इसके बाद लोगों ने वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु टीम को कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई। रैज ऑफिसर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सोशल मीडिया से यह विडियो मिलने पर वन विभाग टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि अभी तक लेपर्ड नहीं मिला है।

■ **वन्य अधिकारियों का मानना है कि भोजन-पानी की तलाश में लेपर्ड आबादी क्षेत्र में पहुंचा होगा**

जानकारी के अनुसार लाल बहादुर कॉलोनी में रविवार को बजाज नगर एन्क्लेव, सरस्वती कॉलोनी और अनिता कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड घूमता हुआ दिखाई दिया। जहां लेपर्ड कभी घरों में घुसा,कभी गलियों से निकला। फुटेज वायरल होते ही कॉलोनियों में दहशत फैल गई। लोग सतर्क हो गए और वेलफेयर सोसायटी ने चेतावनी जारी कर दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। लेकिन लेपर्ड हाथ नहीं आया। रेंज ऑफिसर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह एक वर्ष से भी कम उम्र का शावक है और अब मॉनिटरिंग टीमें लगातार निगरानी कर रही है। आशंका है कि शावक स्टेशन के पास नाले से होते हुए वापस जंगल की ओर चला गया। उसके जेएलएन रोड पार कर शिक्षा संकुल की ओर से आने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि लंबे समय से एमएनआईटी में भी लेपर्ड की मूवमेंट है।

अनिता कॉलोनी निवासी अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे बजाज नगर एन्क्लेव कॉलोनी में मॉर्निंग वॉक कर रही एक महिला को लेपर्ड का एक शावक दिखा। उसे देखते ही महिला ने शोर मचाया। जिस पर शावक वहां से भाग गया। इसकी जानकारी आसपास की कॉलोनियों में तेजी से फैल गई। कुछ देर बाद यह शावक सरस्वती कॉलोनी से होता हुआ अनिता कॉलोनी पहुंचा। यहां दो घरों में घुसा, जिसका मूवमेंट सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन केसी अरुण प्रसाद की ओर से गठित क्विक रिस्पॉन्स टीम और रेंजर जितेंद्र सिंह शेखावत की टीम मौके पर लगातार निगरानी कर रही है। टीम आधुनिक तकनीक, ट्रैकर्स और स्थानीय इनपुट की मदद से लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक कर रही है। जानकारी के अनुसार यह पूरा जोन झालाना लेपर्ड सफारी की परिधि से जुड़ा हुआ है। जहां पर करीब 40 से अधिक लेपर्ड रहवास करते हैं। जहां से भोजन और पानी की तलाश में लेपर्ड आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर के कई हिस्सों में लेपर्ड की मूवमेंट की घटनाएं बढ़ने से वन विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गौरतलब है कि राजधानी जयपुर में पिछले एक महीने में शहर में कई बार लेपर्ड के रिहायशी इलाकों में आने की घटना हो रही है। इस दौरान लेपर्ड सिविल लाइंस, गुर्जर की घाटी, विद्याधर नगर, शास्त्री नगर, चांदपोल, मोती डूंगरी इलाकों में देखे गए हैं।

राजीविका ग्रामीण उद्यिमता का सशक्त मॉडल : मुख्य सचिव

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को सांगानेर के ठीकरिया स्थित राजीविका विकास क्लस्टर लेवल फैडरेशन पहुंचे । जहां उन्होंने ब्लू पॉटरी एवं बगरू प्रिंट से जुड़ी लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी आजीविका गतिविधियों के अनुभव जाने।

मुख्य सचिव ने आश्वस्त किया कि राजस्थान की स्वयं सहायता समूहों की इन प्रेरणादायक कहानियों को प्रधानमंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव ने महिलाओं द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की विशेष प्रशंसा भी की। साथ ही सेनेटरी नैपकिन यूनिट का अवलोकन किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का सोमवार को अवलोकन किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि ग्रामीण महिलाएँ अपने कौशल एवं परिश्रम से पूर्णत: स्वतंत्र एवं आत्मविश्वासी बन रही हैं। राजीविका प्लेटफॉर्म ने महिलाओं में उद्यिमता को मजबूत आधार प्रदान किया है। राजीविका की महिलाए अपने उत्पाद सीधे ही बड़ी कंपनियों को बेच सकेगी उन्होंने आश्वासन दिया 'बायर सेलर मीट' को और व्यापक स्तर पर बढ़ाया जाएगा । जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम ने निर्देश दिए कि राजस्थली मार्ट की तर्ज पर विभिन्न जिलों में भी महिला उद्यिमयों के उत्पादों के लिए स्थानीय मार्ट स्थापित किए जाएँ, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। इस मौके पर राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर नेहा गिरि, परियोजना निदेशक प्रशासन प्रीति सहित अधिकारी और राजीविका से जुड़ी महिलाएँ उपस्थित रही ।

सांगानेर में पहला राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार "आपणो अग्रणी राजस्थान" के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधि के क्षेत्र में भविष्य बनाने की चाहत रखने वाले युवाओं को राज्य सरकार ने एक नवीन सौगात दी है। सांगानेर क्षेत्र में जयपुर जिले का प्रथम राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ किया गया है।

इस महाविद्यालय में तीन वर्षीय एल.एल.बी. पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा, जिसकी 120 सीटों पर प्रवेश के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति प्राप्त हो चुकी है तथा प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। राज्य सरकार द्वारा विधि महाविद्यालय के भवन हेतु 4.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है तथा शीघ्र ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य के लिए टेण्डर जारी कर दिये जायेंगे। स्थाई भवन निर्मित होने तक अस्थाई तौर पर महाविद्यालय का संचालन शहीद पुनीत नाथ दत्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जा रहा है।

■ **विधि महाविद्यालय के भवन के लिए 4.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए**

विधि महाविद्यालय के लिए राज्य सरकार ने 19 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इनमें सहायक आचार्य के सात, कनिष्ठ सहायक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो-दो तथा प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षक, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक एवं बुक लिफ्टर के एक-एक पद शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार और युवाओं को प्रतिस्पर्धी युग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्थापित नवीन विधि महाविद्यालय युवाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा। इससे युवा कानूनी शिक्षा ग्रहण कर न्याय और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे सकेंगे।

परिचय सम्मेलन में 20 जोड़े तय

जयपुर । जिला माली (सैनी) समाज संस्था का 32वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 जनवरी 2026 को महात्मा ज्योतिबा फूले बहुउद्देश्यीय भवन 5 संस्थानिक क्षेत्र होम्योपैथिक यूनिवर्सिटी के पास सायपुरा सांगानेर में होगा। इसके लिए पहला युवक-युवती परिचय सम्मेलन गजब गांव रिसॉर्ट, हरमाड़ा में हुआ। संस्था अध्यक्ष रोशन सैनी और सामूहिक विवाह संयोजक योगेश तंवर ने यह जानकारी दी।

केन्द्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में राजस्थान हुआ अग्रणी राज्यों में शामिल

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन के लिए जो जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की हैं, उनके क्रियान्वयन में राजस्थान अब अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। इसी का परिणाम है कि राज्य नवीकरणीय ऊर्जा, पीएम कुसुम, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ प्रदेश के लोगों को तेजी से मिल रहा है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1.09 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 441 मेगावाट है। पीएम कुसुम योजना को बीते 2 वर्षों में राज्य सरकार ने मजबूत इच्छाशक्ति के साथ धरातल पर गति दी है। दिसम्बर-2023 में जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की बागडोर संभाली, तब कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में मात्र 122 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र ही स्थापित हुए थे। विगत दो वर्षों में इस योजना में 2460 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की हैं। इन संयंत्रो से निर्मित ऊर्जा से 1.54 लाख किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध हुई है।

इसी प्रकार राज्य में जल प्रबंधन की दिशा में रामजल सेतु लिंक परियोजना ऐतिहासिक कदम साबित होने जा रही है। इसके तहत 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। इससे भविष्य में राज्य सिंचाई और पेयजल की उपलब्धता में आत्मनिर्भर बन सकेगा। केंद्रीय योजना जल जीवन मिशन ने प्रदेश के लाखों परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया है। गत दो वर्षों में 13 लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन से पीने के पानी के कनेक्शन दिए गए हैं, जिसमें 10482 करोड़ रुपये व्यय किये हैं।

प्रदेश में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का दायरा तेजी से बढ़ा है। मात्र 2 वर्षों में ही 30.68 लाख से अधिक मरीजों को 6000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 7.61 लाख आवास स्वीकृत किए गए, जिनमें 2.06 लाख मकान बन चुके हैं। पीएम मातृ वंदना योजना में प्रदेश की 9.92 लाख महिलाओं को 531 करोड़ रुपए की सहायता राशि मिली। लखपति दीदी योजना से राज्य में 19.45 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया है और 12.06 लाख महिलाएँ आर्थिक रूप से लखपति दीदी बन गई हैं।

"धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष" अभियान के लिए 6019 गांवों का चयन कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आजीविका से संबंधित योजनाएं चलाई है। इस अभियान में देशभर में प्रथम स्थान पर रहने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गत दिनों राजस्थान को सम्मानित किया है। पीएम स्वनिधि योजना में मात्र दो वर्षों में ही 87 हजार से अधिक रेहड़ी पटरी व छोटे व्यापारियों को ऋण स्वीकृत किए गए हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 2.13 लाख कारीगरों को प्रशिक्षण तथा 49306 लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया है।

किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को सिर्फ 2 साल में ही 8359 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में दी।

शिक्षण संस्थानों के आसपास नशा तस्करों के 35 ठिकानों पर दबिश

जयपुर । एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए शिक्षण संस्थानों (कोचिंग-कॉलेज) के पास स्टूडेंट्स को नशे की लत में धकेलने वालों के पैतीस से अधिक ठिकानों पर दबिश देकर बाईस मामले दर्ज कर बाईस आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से 1 लाख 93 हजार 610 रुपए भी बरामद किए हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि काफी समय से जयपुर शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों का अवैध व्यापार की शिकायते मिल रही थी, जिससे विद्यार्थी नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। इस सूचना पर महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार के निर्देशन में एटीएस-एएनटीएफ की पैतीस टीमें गठित कर जानकारी जुटाना शुरू किया। पुलिस महानिरीक्षक एटीएस-एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि मादक पदार्थ तस्कर शिक्षण संस्थानों के पास विद्यार्थियों को मादक पदार्थ देकर नशे की आदत डाल रहे थे। यह एक गंभीर और अनैतिक कार्य है। जो विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। इसकी रोकथाम के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई। जहां गठित टीम के पुलिसकर्मियों को संबंधित शिक्षण संस्थानों की वर्दी पहना कर भेजा गया। उन्होंने स्कूल के आसपास वर्दी में ही मादक पदार्थ बेचने वालों की पहचान की और उनके विक्रय स्थलों को चिह्नित किया। इसके बाद एटीएस-एएनटीएफ की टीमों ने इन चिह्नित स्थानों पर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस के साथ मिलकर एक ही दिन और समय पर एक साथ दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 22 स्थानों से मादक पदार्थ और अवैध शराब बरामद की गई और साथ ही 1 लाख 93 हजार 610 रुपए भी जब्त किए गए। इन बाईस मामलो में 15 मादक पदार्थ से संबंधित थे और 7 अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ थे। इस कार्रवाई में बिना सांसी, सुधीर, पिंकी सांसी, हीरा देवी, सुमन देवी, पारस जैन, राधा सांसी, राजेंद्र आरलो, सीमा सांसी, रमेश सांसी, आरती सांसी, नगीना, पूजा सांसी, मोहित गुर्जर, विकास सांसी, कटिना, मुकेश सिंह, अमर सिंह, संध्या सांसी और राधा किशन सहित बाईस लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि सांगानेर सदर, रामनगरिया, शिप्रापथ, प्रतापनगर, शिवदासपुरा, मुहाना, झोटवाड़ा, चंदवाजी, सांगानेर, नारायण विहार, ट्रांसपोर्ट नगर, बजाज नगर, करधनी और मालपुरा गेट थाने में कुल बाईस मुकदमे दर्ज किए गए।

■ **एएनटीएफ-एटीएस ने 22 मामले दर्ज कर 22 आरोपियों को दबोचा, 1.93 लाख रु. के मादक पदार्थ और अवैध शराब बरामद**

कांग्रेसराज में कार्यकर्ताओं और जनता की सुनवाई नहीं थी : दीया कुमारी

डोटासरा जब मंत्री थे, तब उनकी कोई सुनता था या नहीं सुनता था, इसकी मुझे जानकारी नहीं है, परंतु भाजपा सरकार में सबकी सुनी जाती है, अधिकारी करते है कार्य : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कार्यकर्ता सुनवाई कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि सुनवाई के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेज दिया गया। कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों से दूरभाष पर संवाद कर त्वरित समाधान का प्रयास किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत की।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई प्रारंभ करने का निर्णय सराहनीय है। इससे कार्यकर्ताओं के क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान में तेजी आएगी। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक कार्यकर्ता की समस्या का समाधान किया जाए, क्योंकि पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। उन्होंने बताया कि समस्याओं के निराकरण के लिए नियमित फॉलोअप अत्यंत आवश्यक है, अत: सुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण का सतत फॉलोअप किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुनवाई में मंत्रियों के साथ पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित रहते हैं, जो हर दो दिन में प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हर परिवादी को संतुष्ट कर वापस भेजना हमारा संकल्प है। जहां तुरंत समाधान संभव नहीं होगा, वहां उचित कारण स्पष्ट किए जाएंगे।

■ **अब कांग्रेसियों के पेट में क्या दर्द है, इसका मुझे पता नहीं, ना मैं वैद्य हूं, ना चिकित्सक, और ना ही हकीम : खर्रा**

प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में कार्यकर्ताओं की सुनवाई लगभग बंद रही, जबकि भाजपा सरकार में प्रत्येक मंत्री एवं मुख्यमंत्री नियमित रूप से सप्ताह में दो बार जन एवं कार्यकर्ता सुनवाई कर रहे हैं।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं की सुनवाई का नया कार्यक्रम शुरू किया गया है। आज लगभग 150 कार्यकर्ता अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, और सभी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्या सुनी गई। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों, अतिक्रमण, प्रशासनिक समस्याओं सहित विभिन्न विषयों से जुड़े प्रकरण प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित अधिकारियों से टिप्पणी लेकर अध्ययन कर समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याएं कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचें, इसी उद्देश्य से प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री द्वारा यह व्यवस्था प्रारंभ की गई है।

कांग्रेस पर हमला करते हुए मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कांग्रेस बिना पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिए बिना निकाय एवं पंचायत चुनाव करवाना चाहती है तो खुलकर सामने आए। जबकि कोर्ट के स्पष्ट आदेश हैं कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण लागू किया जा सकता है। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अपना कार्य गंभीरता से कर रहा है और विस्तृत प्रक्रिया में समय लगना स्वाभाविक है। पत्रकारों के सवाल के जवाब में खर्रा ने कहा कि डोटासरा जी जब मंत्री थे, तब उनकी कोई सुनता था या नहीं सुनता था, इसकी मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन आज भाजपा के मंत्रियों की सभी अधिकारी सुनते है और उस पर कार्रवाई भी होती है। अब कांग्रेसियों के पेट में क्या दर्द है, इसका मुझे पता नहीं है। ना तो मैं चिकित्सक हूं, ना मैं वैद्य हूं और ना ही मैं हकीम हूं।

भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक ने बताया कि 9 दिसंबर मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा एवं ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर कार्यकर्ता सुनवाई करेंगे। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यकर्ता अपने मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी अथवा प्रदेश पदाधिकारी से अनुशंसा करवाकर परिवाद कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

सार-समाचार

स्मार्ट इंडिया हैकेथोन का ग्रांड फिनाले

जयपुर । स्किल डवलपमेंट एंड एंटरप्रन्योरशिप से संबंधित जटिल समस्याओं के बेहतर सॉल्यूशन निकालने की जद्दोजहद के बीच सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने की होड़, कुछ ऐसा ही माहौल स्मार्ट इंडिया हेकेथोन 2025 के सॉफ्टवेयर एडिशन के आठवें संस्करण के ग्रांड फिनाले की शुरुआत के अवसर पर सोमवार को मिले। नोडल सेंटर स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एवम ग्रोमोथन में देशभर से आई 25 टीम प्रोब्लम सॉल्यूशन निकालने में जुटी हुई नजर आई। मेंटर्स एवं जज भी विभिन्न टीम के साथ इंटरेक्शन करते हुए उनका हौसला बढ़ाते हुए दिखे। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आरटीयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर निमित रंजन चौधरी ने कार्यक्रम में शिरकत की एवं प्रतिभागियों को प्रेरक उद्बोधन दिया। एसकेआईटी के डायरेक्टर जयपाल मील ने सभी टीम्स के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया और प्रतिभागियो को शुभकामनाएं दी। गेस्ट ऑफ ओनर के रूप में एनसीवीईटी से मनीष कुमार, एआईसीटीई से नोडल सेंटर हेड कमल सिंह एवं अमित परशेट्टी उपस्थित रहे। समाज में आएसकेआईटी संस्था के अध्यक्ष सूरजा राम मील ने तीसरी बार इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि 11 राज्यों की 25 टीमें (महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल आदि) पांच एनसीवीईटी प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर कार्य कर रही है, प्रति प्रॉब्लम स्टेटमेंट 1.5 लाख के पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

क्रिएटिविटी के लिए फोटोग्राफर्स सम्मानित

जयपुर । जयपुर फोटोग्राफर्स क्लब (जेपीसी) की ओर से चार दिवसीय फोटोग्राफी एग्जीबिशन रविवार को पुरस्कार समारोह के साथ संपन्न हुई। इस 13वीं वार्षिक फोटो प्रदर्शनी में 4 देशों से लगभग 115 फोटोग्राफर्स की क्रिएटिविटी के लिए सराहा गया। जवाहर कला केंद्र के अलंकार आर्ट गैलरी में आयोजित हुई इस प्रदर्शनी में लैंडस्केप, स्ट्रीट, वाइल्डलाइफ़, पोर्ट्रेट, स्टार ट्रेल्स, लॉन्ग एक्सपोज़र, फैशन, एब्स्ट्रैक्ट, लाइफ़स्टाइल, आर्किटेक्चर और स्टिल-लाइफ़ जैसे विविध थीम्स को शानदार ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस दौरान आईआईसीडी जयपुर की डायरेक्टर डॉ. तूलिका गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, पवनेश अरोड़ा, सत्य प्रकाश भारती, खुशीराम पांडेय को आभार-स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। प्रथम पुरस्कार हैदराबाद के मुकेश शर्मा, द्वितीय पुरस्कार कोलकाता के अरिजीत गांगुली, तृतीया पुरस्कार जयपुर के प्रीतम पांजा और चतुर्थ पुरस्कार जयपुर के डॉ. मोहनीश ग्रोवर को मिला। क्लस्टर कैटेगिरी में जयपुर के शैलेन्द्र बैस और छात्र वर्ग में जोधपुर की कक्षा 9 की छात्रा अहाना अरोड़ा को सम्मानित किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल राजवीर सिंह चौहान की स्मृति में दिए जाने वाले 'बॉर्न टू फ्लाय अवॉर्ड' महिला फोटोग्राफर्स को प्रदान किए गए, जिनमें प्रथम पुरस्कार जयपुर से दुर्गेश नंदिनी बैस, द्वितीय पुरस्कार जयपुर से प्रियंका कंवरवाल और तृतीय पुरस्कार विजेता एरणाकुलम से गौरी सुगथन नायर रहीं।

मुख्य सचिव ने किया स्कूल का निरीक्षण

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार सुबह विद्यार्थियों के बीच में पहुंचे। उन्होंने पीएम-श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बगरू का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा व सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस निरीक्षण के दौरान इस निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास विभाग की अति.मुख्य सचिव श्रेया गुहा, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, संभागीय आयुक्त पूनम, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक अशोक कुमार मीणा व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय आदि का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से बातचीत की। आईसीटी लैब में उन्हें बताया गया कि छात्राओं को कम्प्यूटर फ्रेंडली बनाया जा रहा है। स्मार्ट क्लास में वीडियो लेक्चर के जरिए भी पढ़ाया जा रहा है।

राजस्थान यूथ फाउंडेशन ने बांटे स्वेटर

जयपुर (कासं)। राजस्थान यूथ फाउंडेशन की ओर से महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, करीरी में बच्चों को स्वेटर वितरित किए गए। नंदकिशोर सारस्वत श्री डूंगरगढ़ और शकुंतला जोशी जयपुर के सहयोग से विद्यालय के सभी बच्चों को शाला गणवेश के स्वेटर भेंट किए गए। समारोह में राजस्थान यूथ फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मधु अग्रवाल, एडवोकेट रामगोपाल अग्रवाल और वीना अग्रवाल उपस्थित थे। संस्था अभी तक करीब 11 हजार स्वेटर प्रदेशभर के स्कूलों में वितरित कर चुकी है। प्राचार्य दुर्गा वर्मा, मुकेश यादव, कालू राम अटल, गोपाल दास स्वामी ने धन्यवाद दिया।

ARBiT it happens here...

World Techno Day

Celebrated every year on December 9, World Techno Day honours the evolution of electronic music and the global cultural movement it inspired. The day pays tribute to techno's pioneers from Detroit, whose innovative beats reshaped dance floors and influenced modern soundscapes worldwide. More than just a genre, techno represents creativity, connection, and the fusion of music with technology. On this day, artists, DJs, and fans come together through festivals, online events, and performances to celebrate the rhythm of progress and innovation, reminding us how technology continues to redefine art and human expression in the digital age.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
09 December 2025
A-B

#INTERVIEW

Lal Bahadur Shastri On BBC

Lal Bahadur Shastri's 1964 BBC Interview from his first visit to the UK

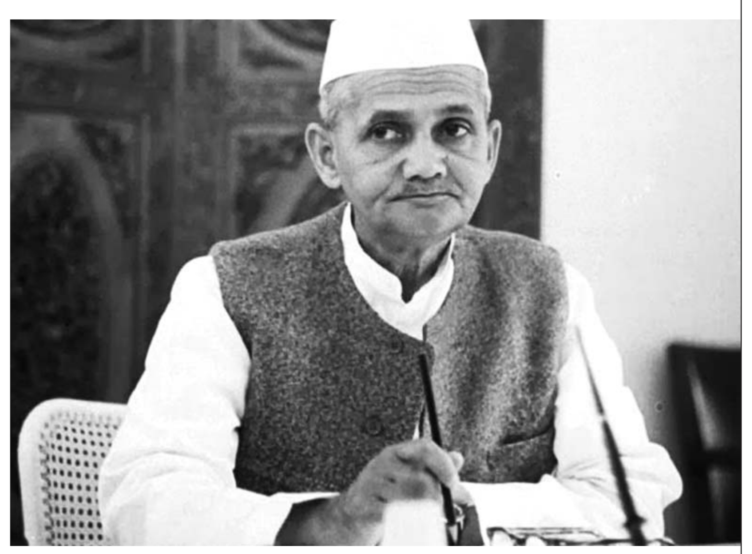

A few months after taking office, Lal Bahadur Shastri, India's second PM, made a state visit to the UK. In his interview, he talked about his background, India's development and its policy on nuclear weapons.

Question: You, perhaps with your humble origins and your dedication to poverty, find this a positive advantage as a leader of the people, compared with Pandit Nehru's very cosmopolitan, upper-class English education.

Answer: It would be correct to say that I belong to the category of common men and common man. And I do find it easy to fight the battle of the common man, to think of taking measures to give relief to him.

Question: Pandit Nehru himself ranged far and wide in his travels and his interests. But this is only the second time that you yourself have ever been outside India. Does this mean that you are going to concentrate more on Indian affairs than on world affairs?

Answer: Well, I would very much like to concentrate on the home front, but some of the international problems are so interlinked with national issues that it would be difficult for me to confine myself to national problems only. I am here today in spite of the Indian Parliament being in session. Similarly, the Chinese aggression, although it was confined to India, yet it has had a great international impact. So, I shall continue- I shall have to take interest in international problems and issues also.

Question: Now, on the home front, the position you have inherited in India is very serious, indeed. There is famine and soaring food prices, soaring population and serious unemployment. Now, much of this situation was inherited, but there also have been charges of maladministration making the famine worse. Is there any justification in these charges?

Answer: Well, it is not actually famine, but it is true that there has been shortage of foodgrains, which we have been able to meet with the help of imports from foreign countries, especially from the United States. However, we are trying to tackle the soaring prices and we are bent upon taking measures to increase our food production. Maladministration? I don't say that our administration is perfect. Yet, barring some countries, I think we are not worse off as compared to other countries.

Question: Now, there is considerable agitation within India and even within your own Congress party that India should develop its own nuclear bomb. So far, you have refused to allow this yourself. But if the relations with China get worse, can you hold out for long against developing a nuclear armoury?

Answer: Well, I have made the position of our government quite clear in this matter. And in the present context of things, it would be exceedingly difficult for India in terms of making an Atom Bomb. Our policy of not manufacturing atom bomb stands, and I have every hope that we will be able to rouse the world conscience against it.

Love, Marriage, But Masalas Missing

Soviet Communists celebrate the 55th anniversary of the Bolshevik Revolution in 1972 at the Red Square in Moscow.

The embassy also marked the first anniversary of the Indo-Soviet Treaty of Friendship, Peace and Cooperation, signed on August 9, 1971, with a series of cultural events. Indian artists performed across the USSR, and a film delegation, including Hrishikesh Mukherjee, Nargis and Sunil Dutt, and Simi Grewal, visited from India. The embassy's cultural hall, which screened Hindi films without Russian dubbing, became a vital space for the Indian community. Given the limited seating, screenings were repeated to accommodate as many people as possible.

#ABROAD

● Bulbul Joshi

The VI World Festival of Youth and Students, held in Moscow in 1957, was the starting point for building youth cooperation, the activities of the International Youth Tourism Bureau 'Sputnik,' and the first tourist trips of Soviet students to India.

By 1972, Indo-Soviet relations were at a high point. Just a year earlier, the two countries had signed a 20-year Treaty of Peace, Friendship, and Cooperation. This agreement proved invaluable when India went to war with Pakistan in 1971, with critical Soviet support including diplomatic cover at the United Nations and the dispatch of Moscow's Pacific Fleet to the Indian Ocean.

This strong diplomatic bond also fostered goodwill for India among the Soviet public, who had a well-known fondness for Hindi cinema. In 1972, Indian missions in the USSR issued 40% more visas, although strict Soviet rules on foreign travel meant that the majority of the 3,000-plus visitors to India were part of government-related programmes.

Despite this warmth in relations, Communist USSR was not considered a potential immigration destination for very many Indians.

Indian delegation to U.S.S.R. in 1952.

At the time, Moscow was home to only about 150 Indian families. The student community was relatively larger, numbering a few thousand and spread across cities like Leningrad (now St. Petersburg), Kyiv, Volgograd, Odessa and Tashkent. Most of them were enrolled in long-term engineering or science and technology programmes.

In an era when phone calls required an operator and postal services could take months, these Indians were intensely disconnected from life back home. This isolation often forced the newcomers to become fluent in Russian and integrate into a society where they were viewed as exotic.

Friendship of peoples

Diplomats in Moscow and Odessa, where India had a consulate, were acutely aware of the isolation felt by Indian students and their growing distance from the homeland. First Secretary JN Saksena wrote in his 1972 annual report to the Indian External Affairs Ministry about their assimilation into local culture:

"According to the nature of their studies, they are required to stay here continuously for a period of four to six years or even more... It is but natural that some of the students develop closer friendships with their companions, especially of the opposite sex, and ultimately decide to strengthen it further by entering into the bond of marriage."

Indian cinema arrived in U.S.S.R.

Students frequently applied to the Indian government for permission to marry Soviet citizens, a mandate by the USSR to ensure the foreign students were not already married back home. Such marriages were generally accepted by Soviet society, which promoted the concept of 'brotherhood of nations' and 'friendship of peoples.'

It wasn't just students who found love in the USSR during the 1970s. Indian nationals working for entities like the Indian language services at Moscow Radio and Progress Publishers, as well as some diplomats, also married local women. In the case of diplomats, spouses were required to accept Indian citizenship.

Domestic staff

The diplomatic staff at the Indian embassy would often complain about their domestic help, who they were permitted to bring from India. Saksena wrote in his annual report that repatriation of domestic workers was a challenge for the embassy.

"Their term of contract is usually for a minimum period of three years," he noted in the annual report. "However, owing to the tremendous hardship involved on account of climatic conditions, non-availability of daily requirements and such other matters, sometimes, the servants get fed up and develop a headstrong attitude towards their masters. In this mood, there is a danger that they might present some security problems."

The embassy unsurprisingly blamed the domestic staff whenever there was a dispute. In 1972, three servants were repatriated for their 'misconduct.'

Many Indians living in Moscow were homesick, and to help alleviate this, the embassy established two clubs to organise cultural programmes. "The Embassy club and the Ladies' club do their best to bring all the Indians together for social intercourse," Saksena wrote.

In 1972, the clubs held 'melas' for Diwali and Holi, as well as celebrations for New Year's Eve, Women's Day and Children's Day. Meanwhile, the 503rd birth anniversary of Guru Nanak was commemorated by the embassy with lectures from Soviet Indologists, a langar (community meal) and sermons from local Sikhs.

Saksena remarked that these events were organised 'in perfect Indian style' and so well that even visitors felt as though they were in one of India's famous gurdwaras.

"Such functions always prove to be a source of profound joy and happiness, especially to a very large number of Indian students in Moscow since it is so rare to them," the first secretary said, noting that some Russians also took part. "This naturally helped to strengthen the already good relations existing between the two countries."

The embassy also marked the first anniversary of the Indo-Soviet Treaty of Friendship, Peace and Cooperation, signed on August 9, 1971, with a series of cultural events. Indian artists performed across the USSR, and a film delegation, including Hrishikesh Mukherjee, Nargis and Sunil Dutt, and Simi Grewal, visited from India. The embassy's cultural hall, which screened Hindi films without Russian dubbing, became a vital space for the Indian community. Given the limited seating, screenings were repeated to accommodate as many people as possible.

Despite these cultural events, many in the Indian community found the USSR challenging.

"Life in the USSR is very hard," Saksena wrote. "Spices, pulses, masalas and pickles, which form an integral part of any Indian diet, are locally not available. Indians stationed in Moscow have time and again appealed to the embassy for making some arrangement such as opening of a cooperative store of such goods, but so far no tangible result is produced."

Another common complaint was the slow and unreliable postal service. Saksena noted that the embassy had a mailbag system for official correspondence, which was available for use by some students but not by the non-diplomatic Indians working for institutions like Radio Moscow or Progress Publishers. This group, numbering about 50, felt unduly discriminated against, especially 'whenever their post via normal postal channels was unduly delayed or lost.'

No visa on arrival

A particularly vexing issue for the embassy was the regular arrival of Indian citizens in Moscow without a visa. "This involves tremendous hardship not only to the visitor but also to the embassy staff since it is very difficult to obtain a visa on arrival here," Saksena wrote. "The procedure is that the visitor's passport and photographs are to be presented to the Soviet Foreign Office, along with the embassy's note of request."

Once the visa was granted, it had to be sent back to the passenger at the airport, before they could clear immigration and customs. "The airport is 45 kms from the town," Saksena noted. "Timings of planes are odd and it becomes absolutely impossible to get the visa immediately. The result is that the person has to stay at the airport overnight and the embassy staff has to suffer a lot in visiting the airport twice, apart from the fact that it causes so much embarrassment to the embassy and the Soviet officers concerned."

Despite these challenges, the embassy managed to prevent any deportations that year. The Indian consulate in Odessa also regularly helped stranded seamen return home, ensuring they received financial compensation from the Shipping Corporation of India.

Most Indians living in the USSR understood that their stay would be temporary, and while some, particularly those married to Russians, remained after the collapse of the Soviet Union, the majority returned home. Many of those who came back spoke nostalgically of the Russian winters, the local culture and the people. Clearly, not everything about their time in the Soviet Union was harsh.

rajeshsharma1049@gmail.com

Order of Red Star for Indian Soldiers.

#OKO SYSTEM

How Lt. Col. Stanislav Petrov Saved the World

That morning, the Oko system began to send alarm signals indicating that five U.S. missiles had been launched towards the Soviet Union

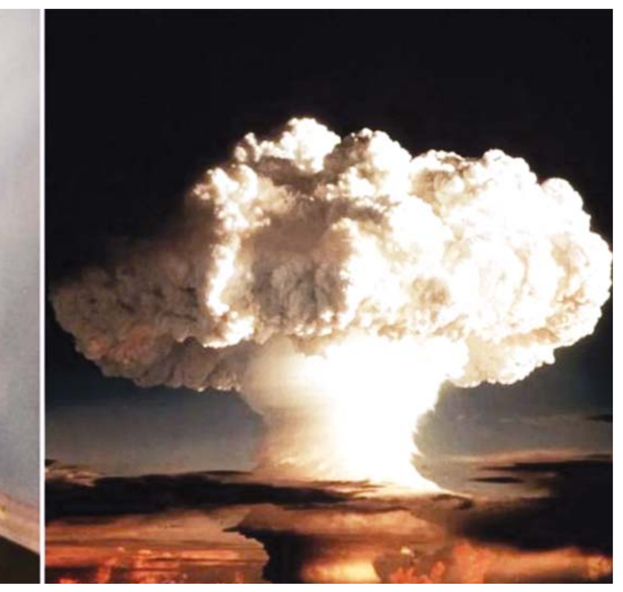

On the morning of September 26, 1983, the world came perilously close to the brink of nuclear war, and it was not a world leader or military commander who prevented it, but a Soviet lieutenant colonel in the middle of his routine shift. Lt. Col. Stanislav Petrov, a little-known officer at the time, made a decision that likely saved humanity from a catastrophic nuclear conflict. This is the story of how Petrov's cool-headed judgment prevented the launch of Soviet nuclear missiles in response to a false alarm, an act that could have led to global annihilation.

The Cold War Context

During the Cold War, tensions between the United States and the Soviet Union were at an all-time high, with both sides maintaining massive nuclear arsenals. The nuclear arms race created an atmosphere of mistrust, and any sign of aggression, whether real or perceived, could have triggered an all-out nuclear war.

In this high-stakes environment, the Soviet Union had set up an early-warning system known as the Oko system (meaning 'eye' in Russian). This system was designed to detect incoming ballistic missiles from the United States and give Soviet leaders enough time to retaliate, should an attack occur. However, the technology was far from perfect, and on the morning of September 26, 1983, the Oko system would malfunction, triggering a false alarm that could have led to catastrophic consequences.

The False Alarm

Lt. Col. Petrov was on duty at the Serpukhov-15 command center, a top-secret Soviet facility located just outside Moscow. Petrov's role was to monitor the Oko system and report any signs of a missile attack. That

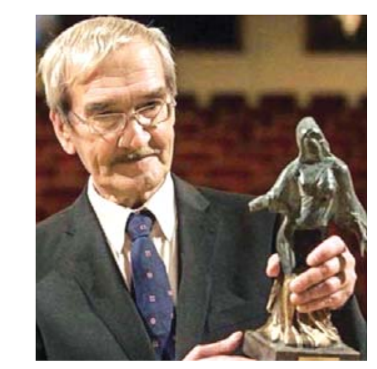

morning, the Oko system began to send alarm signals indicating that five U.S. missiles had been launched towards the Soviet Union.

The automated system showed a small number of missiles (five, to be exact), which immediately raised suspicion. According to standard procedure, Petrov was supposed to report the alarm to his superiors, which would have likely led to an immediate retaliatory strike by the Soviet Union. In the tense, high-alert atmosphere of the Cold War, the Soviet military doctrine was based on the assumption that a nuclear attack would be preceded by a first strike with multiple missiles, which was expected to come in waves.

However, Petrov noticed something unusual. A strike with only five missiles seemed highly implausible, if the U.S. were to attack, it would likely send hundreds of missiles, not just a handful.

The Decision

At the moment of crisis, Petrov had a critical decision to make. The stakes could not have been higher: if he ignored the alarm and was wrong, he would be responsible for the deaths of millions of people, and potentially the end of civilization as it was known. If he reported the alarm and it was accurate, the Soviets would likely have launched a counterattack, triggering a full-scale nuclear war.

Despite the pressure, Petrov decided to not immediately report the alarm. Instead, he opted to wait, reasoning that if the U.S. had truly launched a missile strike, there would likely be a more substantial second wave of missiles to follow. The minutes that followed were some of the most agonizing of his life.

After several tense moments, the Oko system's alarm stopped, and no further missile launches were detected.

The Aftermath

It wasn't until later that it was revealed the alarm had been triggered by a sunlight reflection off the clouds, which was interpreted by the satellite sensors as missile launches. This was just one of the system's flaws, and Petrov's decision to trust his instincts had proven correct.

Petrov was never publicly praised for his actions. In fact, he was reprimanded by his superiors for failing to follow protocol. But in the years that followed, it became clear that his decision had likely prevented an unprecedented global disaster.

A Hero in the Shadows

For many years, Petrov's role in preventing the nuclear catastrophe was unknown to the general public. He never sought fame or recognition, and his actions were largely overlooked. However, in the late 1990s and early 2000s, Petrov began to receive recognition from the international community.

In 2004, the United Nations Association of the United Kingdom awarded Petrov with the Red Cross Peace Prize, acknowledging his crucial role in averting a global disaster. Over time, documentaries and interviews have shed light on Petrov's heroic actions, making him an unlikely yet vital figure in the history of the Cold War.

THE WALL

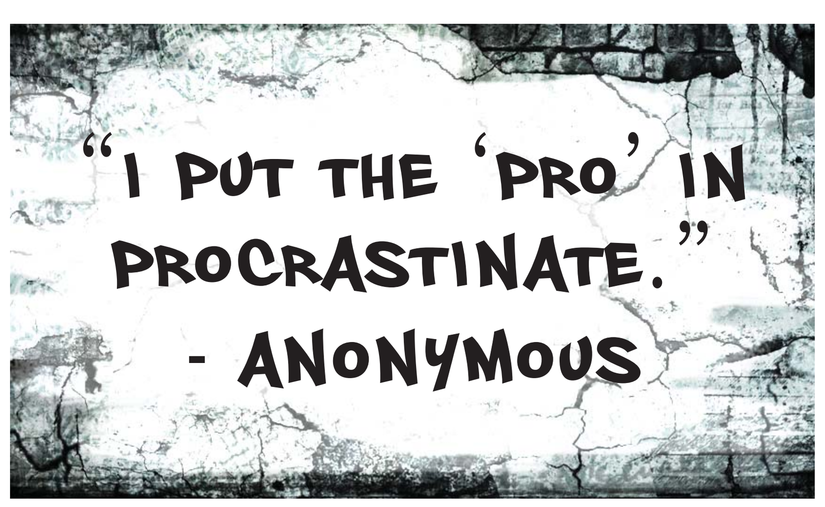

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

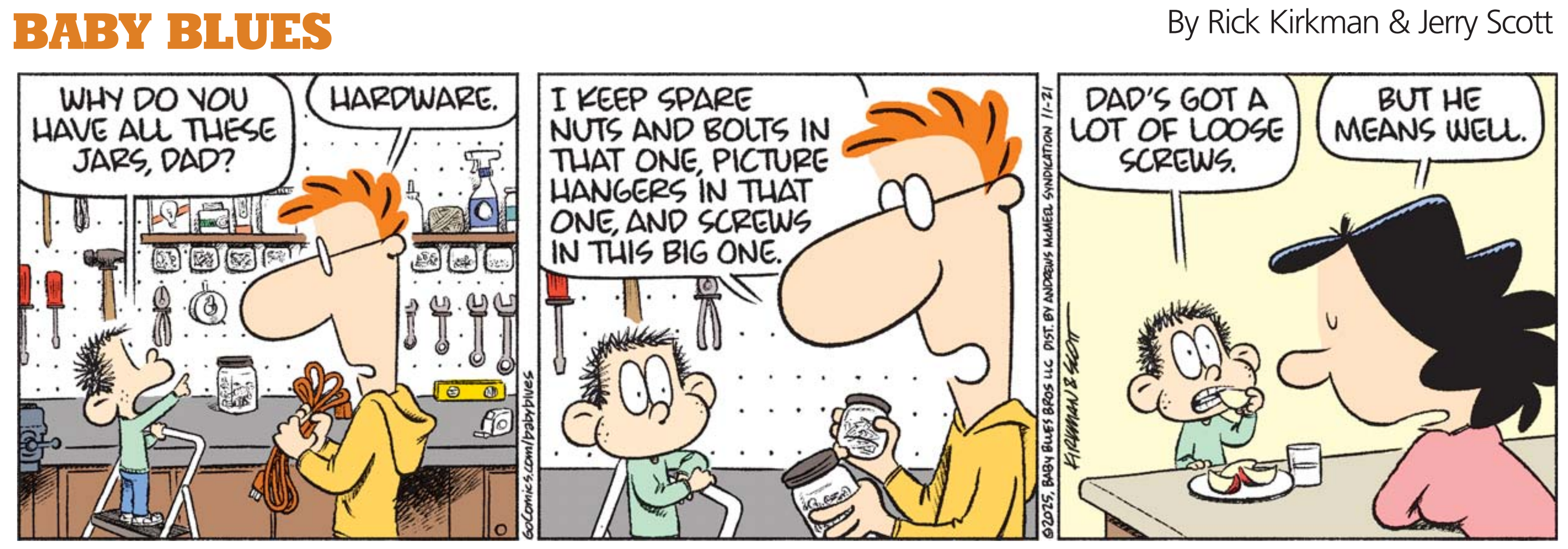

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

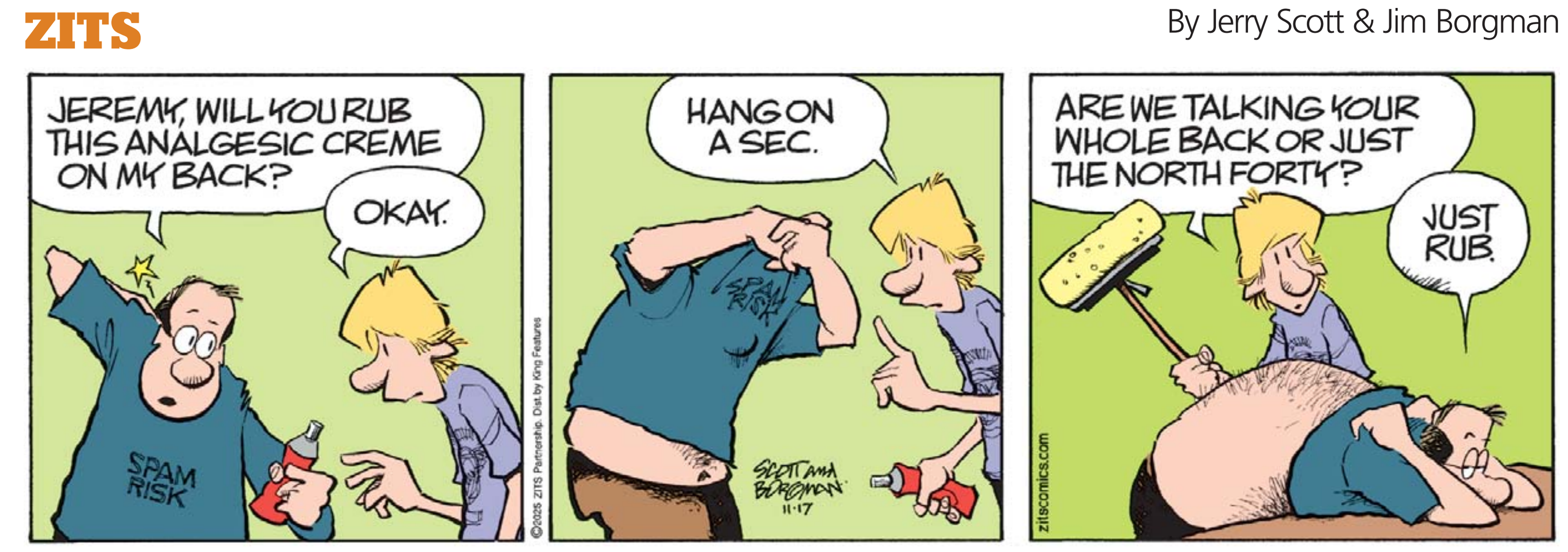

यूआईटी सचिव ललित गोयल की कार के पहिए की हवा निकालने की कोशिश

भीलवाड़ा। मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर के सेक्टर 11 की कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में पहुंचकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने घेराव किया फिर जब अधिकारियों ने नहीं सुनी तो

■ **मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर भीलवाड़ा सेक्टर 11 के कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में पहुंचकर जबरदस्त प्रदर्शन किया**

भीलवाड़ा में मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर पटेल नगर के सेक्टर 11 की कॉलोनीवासियों ने यूआईटी परिसर में प्रदर्शन किया।

यूआईटी सचिव ललित गोयल की कार के पहिए की हवा निकालने की कोशिश की गई। लेकिन बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ सख्ती की तब जाकर वे रुके। बाद में यूआईटी परिसर में अपनी मांगों को लेकर बैठ गए। कॉलोनीवासियों का कहना है कि वर्ष 2010 में भूखंड आवंटन हुआ था। इसके बाद से किसी तरह की सुविधा नहीं दी जा रही है। यहां की टूटी सड़कों पर खुद की जेब से सीमेंट लगाया है। यहां लाइट की व्यवस्था नहीं हैं। ऐसे में करें तो क्या करें। कई पत्र लिख दिए, जनसुनवाई में शिकायत की लेकिन अभी तक आधारभूत सुविधाओं का विकास नहीं किया। अब हमारे धैर्य का बांध टूटने लगा है। इस कारण सोमवार को यूआईटी परिसर पहुंचकर घेराव किया और अपने हक की मांगों के लिए आवाज बुलंद की।

हादसे में चालक की मौत

उदयपुर। हादसों के लिए कुख्यात गोगुंदा हाईवे पर एक बार फिर भीषण सडक हादसा हो गया। सोमवार को गोगुंदादूपिंडवाडा हाईवे पर उखलियात सुरंग के समीप तेज रफ्तार मार्बल पत्थर से भरे कंटेनर का चलते समय टायर फट गया, जिससे अनियंत्रित कंटेनर चट्टान से टकरा गया।

हादसे में कंटेनर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिसए हाईवे टीम के भगवत सिंह झाला तथा 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल चालक को एंबुलेंस से गोगुंदा अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोगुंदा थाना पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान दिनेश भाई पिता राजा भाई कंजारिया, निवासी जमगढका,जिला जामनगर (गुजरात) के रूप में हुई। पुलिस ने बेकरिया थानाधिकारी उत्तम सिंह मेडतिया को सूचना देते हुए मृतक के परिजनों को भी हादसे की जानकारी दी ।

थानाधिकारी उत्तम सिंह मेडतिया ने बताया कि गुजरात नंबर का कंटेनर गोगुंदा की ओर से मार्बल पत्थर लेकर कांडला बंदरगाह जा रहा था। इसी दौरान आगे का टायर फट गया। कंटेनर के अनियंत्रित होने पर चालक ने बचने के लिए कूदने का प्रयास किया, लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देश में हुमायूं की औलादें जिंदा नहीं : डॉ. तोगड़िया

■ **महाराणा प्रताप व छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज आज भी सक्रिय राजनीति में है**

भीलवाड़ा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संस्थापक अध्यक्ष और राष्ट्रीय हिंदू परिषद के मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने मुगलों के वंशजों की मौजूदगी को लेकर एक बडा बयान दिया है। सोमवार सुबह शास्त्रीनगर में एक पत्रकार वार्ता के दौरान तोगड़िया ने दावा किया कि देश में मुगल बादशाह हुमायूं की कोई भी संतान अब जीवित नहीं है, जबकि महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज आज भी सक्रिय राजनीति में हैं और सांसद-विधायक के पदों पर आसीन हैं।

बाबरी मस्जिद और चुनावी सुरक्षा पर भी बोले : तोगड़िया पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद के नाम पर एक नई मस्जिद की नींव रखने से जुडे सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ''बाबर या औरंगजेब का नाम लेकर कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता।''मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम पर अपनी राय रखते हुए, उन्होंने इसे देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया। तोगड्रिया ने जोर दिया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी बांग्लादेशी या अन्य विदेशी नागरिक भारतीय मतदाता सूची में शामिल न हो

काशी-मथुरा में मंदिर निर्माण का संकल्प : हिंदुओं की आस्था के प्रमुख केंद्रों पर बात करते हुए, तोगड़िया ने काशी विश्वनाथ मंदिर और श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा का जिक्र किया। उन्होंने दोहराया कि परिषद का लक्ष्य है कि ''सभी मंदिर बनेंगे।'' उन्होंने हिंदू समुदाय को संगठित करने के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से गांव-गांव और शहर-शहर में सामूहिक ''हनुमान चालीसा'' का पाठ आयोजित किया जा रहा है। हिंदू वेलनेस सेंटर और हेल्पलाइन : संगठन के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. तोगड़िया ने बताया कि परिषद की ओर से हिंदू वेलनेस सेंटर और एक हिंदू हेल्प लाइन शुरू की गई है, जिससे देश में किसी भी जरूरतमंद हिंदू को सहायता पहुंचाई जा सके। पत्रकार वार्ता के दौरान चंद्रसिंह जैन और राजेंद्र गोखरु सहित अन्य स्थानीय पदाधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले, राजेंद्र गोखरु और प्रदीप सांखला ने डॉ. तोगड़िया का भीलवाड़ा पहुंचने पर स्वागत किया।

हावड़ा-जोधपुर इकतरफा स्पेशल ट्रेन का संचालन आज

जोधपुर, (कासं)। हावड़ा-जोधपुर के बीच हवाई उड़ानें रद्द रहने और नियमित ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए उनकी सुविधार्थ विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन एक ट्रिप के लिए मंगलवार को हावड़ा से रवाना होगी। जोधपुर मंडल डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन संख्या 04808 हावड़ा-जोधपुर स्पेशल ट्रेन मंगलवार को हावड़ा से रात्रि 11 बजे प्रस्थान कर गुरुवार सुबह 11.50 बजे जोधपुर पहुंचेगी। ट्रेन प्रयागराज-टूंडला-जयपुर मार्ग से संचालित होगी। विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुल 21 कोच लगाए गए हैं जिसमें 1 फस्र्ट मय एसी, 2 सेकंड एसी, 7 थर्ड एसी, 6 स्लीपर, 3 जनरल, 2 गार्ड (एसएलआर) को शामिल हैं। सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि विशेष ट्रेन मार्ग के 27 स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ये स्टेशन वर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, कोडरमा, गया, सासाराम, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह, अछनेरा, भरतपुर, बांदीकुई, गांधी नगर जयपुर, जयपुर, फुलेरा, गोटन और पीपाड़ रोड है।

अजमेर में दो बसों की टक्कर में 15 से अधिक यात्री घायल

अजमेर। शास्त्री नगर चुंगी नाका के पास सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय चीख-पुकार मच गई जब तेज रफ्तार आ रही प्राइवेट बस ने आगे चल रही दूसरी प्राइवेट बस को जोरदार टक्कर मारी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बसें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसके कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात बंद हो गया। हादसे में करीब 15 से अधिक यात्री घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से स्थानीय लोगों और पुलिस द्वारा जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से बसों को मार्ग से हटाकर यातायात खुलावाया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नरवर से अजमेर आ रही एक निजी बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में आगे चल रही दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। बस में महिलाएं, छोटे बच्चे सहित करीब 60 यात्री सवार थे। हादसे के बाद दोनों बसों में चीख-पुकार मच गई। सीट से उछलकर कई यात्री एक-दूसरे पर गिर गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 15 से 18 यात्री मामूली व मध्यम चोटें आई हैं। किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने घायलों को बसों से बाहर निकाला। 108 एम्बुलेंस की मदद से उन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पाकर क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों बसों को कब्जे में लेकर क्रेन की मदद से सडक़ किनारे हटवाया। पुलिस ने बताया कि चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस व परमिट की जांच की जा रही है। बस यात्री नरवर निवासी इशुब ने बताया कि पीछे से आ रही बस को चालक तेज गति से चला रहा था, दूसरी बस को ओवरटेक करते यह टक्कर मार दी, दोनों बसों में भिड़ंत के बाद यात्री एक-दूसरे पर गिर गए और बच्चे जोर-जोर से रोने लगे। स्थानीय निवासी चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि शहर के अंदर प्राइवेट बसें 60-70 की स्पीड से दौड़ती हैं।

चुंगी नाका पर हमेशा भीड़ भाड़ रहती है, फिर भी ये बस वाले रेस लगाते हैं। प्रशासन को इन पर लगाम लगानी चाहिए। यातायात पुलिस उपनिरीक्षक रामस्वरूप मीणा ने बताया कि शास्त्री नगर क्षेत्र में प्राइवेट बसों की तेज रफ्तार की शिकायतें मिल रही हैं। जल्द ही चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

काफी बहस के बाद विक्रम भट्ट को पकड़ा

■ **भट्ट दम्पत्ति सहित अब तक 4 हो चुके गिरफ्तार**

उदयपुर, 8दिसम्बर। बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को 30 करोड की धोखाधडी मामले में उदयपुर पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों को सडक मार्ग से उदयपुर लेकर आएगी। मंगलवार को कोर्ट में पेशी होगी।

उदयपुर डीएसपी छगन राजपुरोहित के अनुसार विक्रम भट्ट की गिरफ्तारी के लिए उदयपुर पुलिस चार दिन से मुंबई में डेरा डाले हुए थी। पुलिस लगातार विक्रम के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। वह कब घर से बाहर आ रहा है और अंदर जा रहा है। हर गतिविधि पर सीक्रेट तरीके से नजर रखी जा रही थी।उन्होंने बताया कि जब विक्रम भट्ट के फ्लैट के बाहर पहुंचे तो उसके पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) ने रोकने की कोशिश की। इस दौरान पीएसओ और पुलिस में बहस हो गई। घर के अंदर बैठे विक्रम और उसकी पत्नी यह सब देख रहे थे। मौका मिलते ही फ्लैट से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया. हम 6 सदस्यों की टीम के साथ 3 दिसंबर को मुंबई पहुंचे थे। मुंबई पुलिस का मिनिमम सपोर्ट लिया गया ताकि मिशन सीक्रेट रहे। विक्रम भट्ट का पूरा नाम और पेशा बताने की बजाय पुलिस ने सिर्फ ये ही बताया कि विक्रम नाम का वांटेड आरोपी है। उस पर 420 का मुकदमा है। उदयपुर पुलिस उसे पकडने के लिए यहां आई हुई है।ऐसे में मुंबई पुलिस के दो कॉन्स्टेबल हमारे साथ रहे। हमारी टीम विक्रम भट्ट के हर ठिकाने पर नजर बनाए हुए थी। रविवार (7 दिसंबर)को विक्रम भट्ट और उसकी पत्नी के मुंबई में जुहू स्थित गंगाभवन कॉम्प्लेक्स में होने की जानकारी थी। इस कॉम्प्लेक्स में कई फिल्मी कलाकार रहते हैं।

डीएसपी ने बताया पुलिस टीम गंगाभवन कॉम्प्लेक्स पहुंची तो विक्रम भट्ट के 3 से 4 पीएसओ ने बाहर ही रोकने की कोशिश की। पीएसओ ने पूछा. आप कौन और कहां से हो, तब उन्हें सिर्फ इतना ही कहा कि वे डीएसपी हैं, कहां से हैं, ये नहीं बताया। उन्हें बताया कि विक्रम भट्ट से पूछताछ करनी है।पीएसओ ने मना करते हुए कहा कि साहब और उनकी पत्नी इस वक्त घर पर नहीं हैं। बाहर गए हैं।

काफी देर तक उनके निजी सुरक्षा गार्डों से बहस हुई। इसके बाद पुलिस को सख्ती से पेश आना पडा।पुलिस और उसके पीएसओ के बीच हो रही बहस का विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी घर के अंदर सीसीटीवी कैमरे में देख रहे थे। पुलिस टीम ने सभी पीएसओ को दूर किया। डुप्लेक्स फ्लैट के बाहर काफी जद्दोजहद की, लेकिन उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। पुलिस बार.बार दरवाजा पीटती रही। करीब आधे घंटे बाद पुलिस सख्ती से पेश आई तो दरवाजा खोला। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी ने गिरफ्तारी का विरोध किया। दोनों ने पुलिसकर्मियों से काफी बहस की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। उस वक्त फ्लैट में उनके दोनों बच्चे नौकर और 4 से 5 पीएसओ थे।

डीएसपी छगन राजपुरोहित ने बताया कि विक्रम भट्ट,पत्नी श्वेतांबरी भट्ट समेत फरार 6 आरोपियों को उदयपुर पुलिस ने नोटिस भेजा था। विक्रम और श्वेतांबरी को रविवार को मुंबई से गिरफ्तार किया। डीएसपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस तीसरी बार मुंबई गई थी। इससे पहले 18 नवंबर को विक्रम भट्ट के को.प्रोड्यूसर महबूब अंसारी और वेंडर संदीप विश्वनाथ त्रिभुवन को भी मुंबई से ही गिरफ्तार कर लेकर आए थे। दोनों जेल में हैं। वहीं, एक बार मामले की जांच को लेकर मुंबई गए थे। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी समेत मामले में कुल 4 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

संडे बाजार के व्यापारियों का विरोध

भीलवाड़ा। इंद्रा मार्केट में संडे बाजार लगाने वाले लोगों के खिलाफ स्थाई व्यापारियों ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पहले बाजार को सुबह 10 से 12 बजे तक बंद कर रख विरोध जताया। फिर नगर निगम परिसर में पहुंचकर संडे बाजार की वजह से हो रही अव्यवस्थाओं को लेकर नारेबाजी की। बाद में महापौर राकेश पाठक नहीं मिले तो उनके निवास स्थान पर जाकर ज्ञापन सौंपा और अव्यवस्था को सही कराने की मांग की। एसोसिएशन के अनुसार संडे को बाजार लगाने वालों के कारण जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थाई दुकानदारों को दुकानों में जाने का रास्ता नहीं मिलता है। अगर इसके लिए तकाजा किया जाता है तो संडे बाजार वाले धमकी देते है। कई बार विवाद की स्थिति बन जाती है। यहां तक कि संडे बाजार वाले महिलाओं को आगे करके स्थाई दुकानदारों के लिए दुविधा खड़ी कर देते हैं।

चम्बल नदी में मिला युवक का शव

कोटा। नयापुरा इलाके की चम्बल नदी की छोटी पुलिया पर चम्बल नदी मे एक युवक का शव मिला। चम्बल नदी में शव तैरने की सूचना मिलने पर नगर निगम की गौताखोर टीम व पुलिस मौके पर पहुंची। नगर निगम गौताखोर ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि चंबल की छोटी पुलिया के पास भीड़ एकत्रित है तथा नदी में कुछ संदिग्ध दिखाई दे रहा है।

सूचना प्राप्त होते ही नगर निगम गोताखोर रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम द्वारा मौके का निरीक्षण कर रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारम्भ किया गया। रेस्क्यू के दौरान चंबल नदी से एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया। प्रारम्भिक पहचान के अनुसार मृतक के पास से आधार कार्ड मिला, मृतक की शिनाख्त चन्द्रप्रकाश कोली के रूप में हुई। शव को बाहर निकालकर कार्यवाही हेतु थाना नयापुरा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया हैं।

ठगों ने प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना में भी सेंध लगाई

आवदेन के नाम पर ठगे 2.59 लाख रुपए

■ **पीड़ित ने पुलिस में दी शिकायत**

अजमेर । साइबर ठग नए-नए पैंतरे इस्तेमाल कर ठगी की वारदात अंजाम दे रहे है, अब साइबर ठगों ने प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना में सेंधमारी करते हुए एक युवक से आवेदन के नाम पर 2 लाख 69 हजार 950 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। पीड़ित युवक ने क्रिश्चियन गंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू करते हुए आरोपियों के लिंक का पता लगाने में जुटी है।

क्रिश्चियन गंज गंज पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित युवक वैशाली नगर जनता कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि 24 नवंबर को उन्होंने गूगल पर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना का लिंक के लिए आवेदन किया था। 29 नवंबर को एक कॉलर ने खुद को इस योजना का अधिकारी बताते हुए संपर्क किया। कॉलर ने अपना नाम दीपक सिंह बताया और कहा कि उनका आवेदन स्वीकृत हो गया है, आगे की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी । पीड़ित ने बताया कि 1 दिसंबर को 5 हजार रुपए फॉर्म व रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर इंडियन ओवरसीज बैंक में जमा करवाए। इसी दिन पत्नी राजेश्वरी गुप्ता के नाम पर 44 हजार 950 रुपए का एग्रीमेंट चार्ज के जमा करवाया। इसके बाद 2 और 3 दिसंबर को दवा सप्लाई के नाम पर दो बार में 1 लाख 5 हजार रुपए दिल्ली की बंधन बैंक में निफ्टी के जरिए जमा करवाए। सभी ट्रांजेक्शन के दौरान आरोपी द्वारा सभी रसीदें और दस्तावेज की पीडीएफ भेजी ताकि भरोसा बना रहे। 4 दिसंबर को आरोपी ने फिर कॉल कर कहा कि योजना महिला के नाम पर स्वीकृत हुई है, इसलिए सरकार की ओर से 2 लाख 50 हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी, जिसके लिए 18 प्रतिशत जीएसटी 45 हजार रुपए देना होगा। इस पर पीड़ित को शक हुआ। इंटरनेट पर सत्यापन करने पर पता चला कि सब्सिडी पर जीएसटी नहीं लगता। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत कर क्रिश्चियनगंज थाने में लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चाकूबाजी में पिता-पुत्र और हमलावर घायल

भीलवाड़ा। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की नया बापू नगर कॉलोनी में अलाव तापने के दौरान हुए विवाद के बाद चाकूबाजी में पिता-पुत्र और हमलावर घायल हो गया।

प्रतापनगर थाना पुलिस के अनुसार नया बापूनगर इलाके में रविवार रात एक युवक के अलाव तापते समय गाली-गलौज करने पर विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि सौरभ झा बिना वजह गाली-गलौज कर रहा था। पड़ोसी महेशदास ने खिड़की से आवाज देकर उसे गली गलोच नहीं करने की बात कही तो झा और बिफर गया और गाली-गलौज करते हुए महेश दास को नीचे आने की धमकी दी, जब महेशदास नीचे आया तो दोनों के बीच बहस हो गई। सौरभ अपने घर से सब्जी काटने वाला चाकू लेकर आया और महेशदास के सीने, पेट व हाथ पर हमला कर दिया। घायल महेशदास नीचे गिर गया।

पैरोल का उद्देश्य अपराधी का पुनर्वास : हाईकोर्ट

■ **बेटे की हत्या के दोषी पिता को मिली पैरोल**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने आजीवन कारावास के दोषी लक्ष्मणदास को बीस दिन की पहली पैरोल की अनुमति दी है। कोर्ट ने पैरोल अस्वीकार करने वाले जिला पैरोल सलाहकार समिति के 14 जुलाई के आदेश को रद्द किया है।

दरअसल प्रताप नगर संजय ए कॉलोनी निवासी लक्ष्मणदास पुत्र खेमचंद को ट्रायल कोर्ट ने अपने ही बेटे की हत्या का दोषी करार दिया था। वह वर्तमान में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। फिलहाल ओपन एयर कैंप बाड़मेर में है। उसने अपनी पहली बीस दिन की पैरोल के लिए यह याचिका दायर की थी। जिला पैरोल सलाहकार समिति, जोधपुर ने 14 जुलाई को याचिकाकर्ता की पैरोल याचिका को अस्वीकार कर दिया था। यह अस्वीकृति मुख्य रूप से पुलिस उपायुक्त, (पश्चिम) और परिवीक्षा एवं कारागार कल्याण अधिकारी की रिपोर्ट पर आधारित थी, जिन्होंने परिवार और पड़ोसियों की आपत्तियों के आधार पर पैरोल की सिफारिश नहीं की थी। कोट में याचिकाकर्ता के लिए उपस्थित एमीकस क्यूरी अंजलि कौशिक ने तर्क दिया कि पैरोल का उद्देश्य अपराधी का पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेश है। चूंकि याचिकाकर्ता ने ओपन एयर कैंप में रहते हुए जेल में अच्छा आचरण प्रदर्शित किया है, इसलिए पैरोल से इनकार करना गलत है। राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि वर्तमान पैरोल व्यवस्था में ऐसे कैदियों के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जो बेघर हैं, जिनका कोई अभिभावक नहीं है या परिवार का समर्थन नहीं है। कोर्ट ने कनाडा जैसे विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कम्युनिटी करेक्शन सेंटर और रेजिडेंशियल फैसिलिटीज हैं, जो बिना घर और परिवार वाले पैरोलियों को आवास और भोजन उपलब्ध कराती हैं। कोर्ट ने कहा कि यह समय है कि सरकार अपनी पैरोल नीति पर पुनर्विचार करें, ताकि ऐसे कैदियों की स्थितियों का ध्यान रखा जा सके जिनके पास रहने के लिए जगह या देखभाल करने वाला कोई नहीं है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट ने कहा कि पैरोल का उद्देश्य कैदी के अच्छे आचरण को प्रोत्साहित करना है, और यह पुनर्वास और समाज में पुनसमावेश का एक अवसर है।

भारत को विश्वगुरु बनाने की आधारशिला है नई शिक्षा नीति : देवनानी

उदयपुर, 8 दिसम्बर। नई शिक्षा नीति 2020 ऐसी जीवंत दृष्टि है जो राष्ट्र के विकास का प्राण है। यह सिर्फ काजगी दस्तावेज नहीं है बल्कि भारत को विश्व गुरू बनाने की आधारशिला है। इससे ऐसी नई पीढी तैयार होगी जो राष्ट प्रथम की अवधारणा से ओतप्रोत होगी। विधासभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को मोहनलाल सुखाडिया विवि शैक्षणैतर कर्मचारी संघ की ओकर से आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन एवं सेमिनार में नई शिक्षा नीति पर जन प्रतिनिधियों की सहभागिता विषय पर संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए यह विचार व्यक्त किए।

देवनानी ने कहा कि कस्तूरीरंगन के साथ मिलकर नई नीति को अंतिम रूप देने में उनका भी योगदान रहा है। उन्होने इसे लागू करने में शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयास की आवश्यकता जताई। विशेषकर जनप्रतनिधियों की भूमिका के बारे में बोलते हुए देवनानी ने कहा कि जनप्रतिनिधि स्थानीय स्तर की आवश्यकता के अनुरूप सुझाव देते हैं जिससे नीति निर्धारण की प्रामाणिकता बढती है। नई नीति में रटने और अंक प्राप्त करने के मैकाले के प्रभाव को समाप्त कर आवश्यक सुधार किया गया है। आज बालक की आवश्यकता के अनुरूप तत्व शामिल करते हुए मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया गया है। देवनानी ने कहा कि नई नीति में विश्वविद्यालयों के आधारभूत ढांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। देवनानी ने अपने उद्बोधन के दौरान कर्मचारी संघ को इस तीन दिवसीय आयोजन के दौरान तीन संकल्प लेकर लौटने का अनुरोध किया। राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय 2026 तक नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को मूर्त रूप देंगे। शैक्षणेत्तर कर्मचारियों को शिक्षा प्रणाली के केंद्र में रखेंगे तथा जनप्रतिनिधियों व विश्वविद्यालय के बीच आदर्श संबंध स्थापित करेंगे। शैक्षणैतर कर्मचारी संघ अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगीत के साथ किया कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में राज्यपाल सलाहकार प्रोफेसर कैलाश सोडाणी ने नई शिक्षा नीति को विद्यार्थियों के हित में बताते हुए इसके क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को यह पूर्णतया छूट दी गई है कि वह किस-किस विषय पर अध्ययन करें और अपनी डिग्री कितने समय में सफलतापूर्वक पूरी करें। अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत ने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक रिक्त पदों को भरे जाने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु राज्य सरकार स्तर पर फंड उपलब्ध कराए जाने के बारे में राज्य सरकार से निवेदन किया। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय कर्मचारी को समय की सदुपयोगिता एवं कार्य के प्रति समर्पण रखने का आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के हरियाणा प्रांतीय अध्यक्ष चरण दास अटवाल ने भी विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एवं कर्मचारी संघ मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के संरक्षक भरत व्यास ने विश्वविद्यालय में घटते हुए कर्मचारियों की संख्या के बारे में चिंता जताते हुए कहा की नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए कर्मचारियों की संख्या का पर्याप्त होना एवं उनमें विश्वास होना परम आवश्यक है।

गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. परिस्तिश कामदार, राष्ट्रीय संवेदना पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर। मनोचिकित्सकों के सबसे बडे संगङ्गन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) के 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के मनोचिकित्सा विभाग कि डॉ. परिस्तिश कामदार को प्रतिष्ठित 'संवेदना महिला पुरस्कार से सम्मानित किया ।

■ **'पुरस्कार पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है'**

यह शोध पत्र किशोरों के लिए स्कूलों के कोर्स में भावनात्मक-व्यवहारिक समस्याएँ, दुर्व्यवहार, तनाव और आत्मसम्मान के मानसिक-जनसांख्यिकीय निर्धारक एक क्रास-सेक्शनल अध्ययन के लिए प्रस्तुत किया गया। यह शोध पत्र वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मार्गदर्शक डॉ. जितेन्द्र जींगर, डॉ. मनु शर्मा, डॉ. अंजलि शर्मा, डॉ. परिस्तिश कामदार, डॉ. छायाँक आचार्य तथा डॉ. आदित्य बोराते की संयुक्त टीम

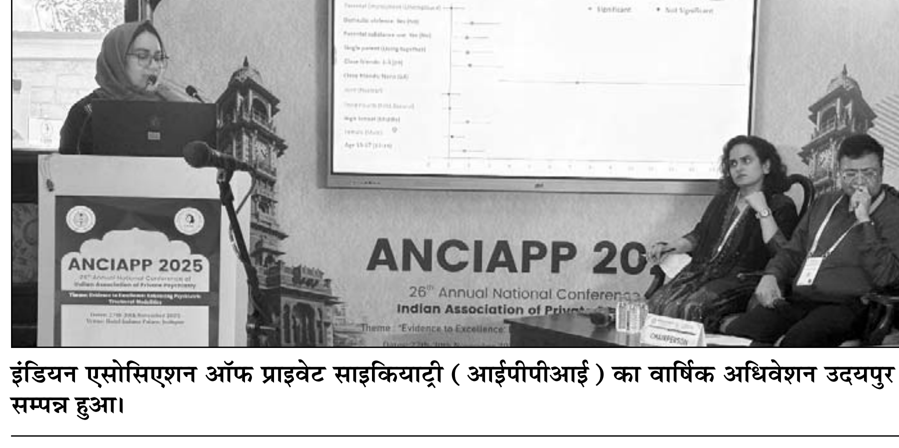

इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) का वार्षिक अधिवेशन उदयपुर में सम्पन्न हुआ।

द्वारा तैयार किया गया था। शोध में पाया गया कि किशोरों में शारीरिक मानसिक दुर्व्यवहार, तनाव और कम आत्मसम्मान का स्तर उनके सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, परिवार के प्रकार, माता-पिता की शिक्षा और आय जैसे कारकों से गहराई से जुडा हुआ है। यह अध्ययन किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति-निर्माण और स्कूलों के पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करता है।

गीतांजली हॉस्पिटल के डीन डॉ संगीता गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार न केवल डॉ. परिस्तिशा कामदार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है।

मामा की हत्या

रामगंजमंडी, (निसं)। स्थानीय पुलिस की सूझबूझ व सजगता से शुक्रवार को सगे भाणेज द्वारा दोस्तों के साथ मिलकर मामा की हत्या करने तथा हत्या के बाद अंतिम संस्कार की भी तैयारी करने का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

पुलिस ने सोमवार को हत्या का खुलासा करने के साथ मृतक नवनीत सोनी की हत्या के मामले में फरार सगे भाणेज गौरव सोनी व उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार करने में भी सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण अवनीश शर्मा ने बताया कि 5 दिसम्बर को पुलिस थाना रामगजमंडी पर दर्ज हत्या के प्रकरण में वांछित अभियुक्तगण मृतक नवनीत सोनी के सगे भाणेज गौरव सोनी व उसके दोस्त प्रदीप सिंह, विक्रम सिंह उर्फ विक्की व रक्षित अग्रवाल उर्फ गोटया को गिरफ्तार कर हत्या की वारदात का पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी रामगजमंडी में सगे भाणेज गौरव सोनी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने मामा नवनीत सोनी की हत्या करके मृतक नवनीत सोनी की लाश का अंतिम संस्कार कर सबूत मिटाने की फिराक में है। सूचना पर थानाधिकारी मनोज सिकरवार ने मौके पर पहुचंकर देखा तो मृतक नवनीत सोनी की लाश का अंतिम संस्कार करने हेतु मोक्ष धाम में लेकर जाने की तैयार चल रही थी।

संक्षिप्त

शिक्षिका ने फंदा लगाकर दी जान

फुलेरा। फुलेरा क्षेत्र के गोरधनपुरा स्थित राजकीय विद्यालय में कार्यरत थर्ड ग्रेड शिक्षिका अनिता कुमारी (26) ने सोमवार तड़के फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। मृतका फुलेरा-बालाजी रोड स्थित परमहंस नगर में किराए पर रहती थी, सुबह काफी समय तक घर से कोई हलचल नहीं होने पर पडोसियों को संदेह हुआ, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दरवाजा खुलवाया, जहां शिक्षिका का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मृतका को नीचे उतारकर फुलेरा उपजिला अस्पताल स्थित अस्थायी मोर्चरी में रखवाया। गौरतलब है कि मृतका मूलत: गांव खोरी डीग (भरतपुर) की रहने वाली थीं। मृतका के पिता कन्हैयालाल ने बताया कि करीब दो वर्ष से फुलेरा में पदस्थापित थीं और हाल ही में उनका प्रोबेशन पूरा हुआ था, जिसके बाद परिवार में खुशी का माहौल था। परिजनों के पहुंचने के बाद पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतका के पिता की ओर से थाने पर दी गई रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी की वारदात का खुलासा

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस ने चोरी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को मात्र 20 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी हुई बकरी भी बरामद की है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के शयोराणो का बास तन मुंडवाडा में हुई बकरी चोरी का मामला दर्ज हुआ, जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर जितेंद्र उर्फ जितू वाल्मीकि (23) निवासी गुमानपुरा, पुलिस थाना फुलेरा तथा प्रकाशलाल वर्मा वाल्मीकि (30) निवासी शयोराणो का बास, तन मुंडवाडा फुलेरा को गिरफ्तार किया गया तथा चोरी हुई बकरी व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई।

बिजली पोल दे रहा हादसे को निमंत्रण

चाकसू। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 राधा स्वामी सत्संग व्यास एवं मंगलम गार्डन कॉलोनी में पिछले कई समय से बिजली पोल क्षतिग्रस्त होकर हादसे को निमंत्रण दे रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र सैनी ने बताया कि उपरोक्त जगह पर बिजली विभाग द्वारा बिजली का पोल लगाया गया है जो लंबे समय से क्षतिग्रस्त हो रखा है। पल में लगे हुए लोहे के सरिया टूट से ही नजर आने लगे हैं जो कभी भी बड़े हादसे को निमंत्रण दे सकते हैं उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त बिजली पोल को ठीक करने के लिए डिस्कॉम के अधिकारियों व कर्मचारियों को सूचित करने के बाद भी अभी तक इस तरफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके कारण कॉलोनी में बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ दिनों दिन रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त बिजली को बदलकर नया पोल लगाने की मांग की।

सिरस क्षेत्र में पेयजल संकट

सिरस। श्योसिंहपुरा सहित कई गांवों में पिछले 5 दिनों से बीसलपुर पेयजल आपूर्ति बंद रहने से लोगों को पेयजल पेयजल संकट बना हुआ है। जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल योग, रामेश्वरनाथ, बाबूलाल नाथ व बजरंगलाल प्रजापत सहित कई लोगों ने बताया कि श्योसिंहपुरा, भेरूगंज ,वजीराबाद व खलीलाबाद सहित कई गांवों की पेयजल आपूर्ति पिछले 5 दिनों से बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की शिकायत के लिए बीसलपुर परियोजना के क्षेत्रीय अधिकारी को फोन किया लेकिन उन्होंने फोन भी नहीं उठाया। जिससे पेयजल समस्या बनी हुई है। पानी की सप्लाई बंद होने से पीने के पानी के लिए महिलाओं को गांव से आधा किमी दूर कुओं से पीने का पानी लाना पड रहा है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खाद की किल्लत से आक्रोशित किसानों ने जाम लगाया

निवाई में खाद की किल्लत से आक्रोशित किसानों ने झिलाय रोड पर जाम लगाया।

निवाई। यूरिया खाद की किल्लत से अब किसानों का सब्र टूटता जा रहा है। सोमवार की सुबह यूरिया खाद की किल्लत से परेशान किसानों ने आक्रोशित होकर शहर के सबसे व्यस्त झिलाय रोड पर जाम लगा दिया।

किसानों को सूचना मिली थी कि राजीव गांधी सेवा केंद्र परिसर में स्थित कृषि कार्यालय में टोकन वितरण किए जाएंगे। सूचना के चलते किसान सुबह करीब 6:30 बजे ही कृषि कार्यालय के बाहर कतार लगाकर खड़े हो गए। सुबह 11:30 बजे तक भी कार्यालय नहीं खुलने पर किसान आक्रोशित हो

- खाद बीज व्यापारियों पर कालाबाजारी करने का आरोप लगाया
- पुलिस की मौजूदगी में बंटवाया खाद

गए और झिलाय रोड पर जाम लगा दियासूचना पर निवाई थानाधिकारी घासीराम मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और किसानों व कृषि अधिकारियों से बातचीत की। किसानों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें खाद के टोकन के लिए कृषि उपज मंडी परिसर भेजा गया। जहां सहायक कृषि अधिकारी द्वारा किसानों को 570 खाद के टोकन वितरण किए गए। कृषि अधिकारी ने बताया कि शहर में हनुमान बीज भंडार पर ही यूरिया खाद की गाडी आई हुई है। प्रत्येक किसान को एक आधार कार्ड पर दो यूरिया बैग दिए जा रहे हैं। इस दौरान अन्य किसानों को टोकन नहीं मिलने पर उन्होंने रोष जाहिर किया और खाद बीज व्यापारियों पर कालाबाजारी करने का आरोप लगाया। टोकन लेकर किसान हनुमान बीज भंडार पर पहुंचे। किसानों की भीड के चलते ट्रैफिक व्यवस्था अस्त व्यस्त हो गई। जिसे पुलिस ने तुरंत ही मौके पर पहुंचकर संभाला। टोंक कृषि सहायक निदेशक डॉ. रामनिवास जाट ने बताया कि निवाई शहर के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में जामडोली व वनस्थली में भी यूरिया खाद का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर में सोमवार की शाम तक अगर गाडी आती है तो मंगलवार की सुबह फिर से खाद वितरण किया जाएगा।

कच्चे घर में लगी आग

पावटा। विराटनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मेड के भोजेरा रोड पर अचानक एक किसान की झोपड़ी में आग लग गई। जिससे नगदी, आभूषण सहित लाखों का माल जलकर राख हो गया। अज्ञात कारणों से लगी इस आग में झोपड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग लगने से झोपड़ी में रखे नगदी, आभूषण, अनाज सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज और कपडों सहित लाखों रुपयों का माल जलकर राख हो गया। किसान व उसका परिवार शाम के समय अपने खेतों में काम कर रहा था। अचानक उसे अपने कच्चे घर से धुआं तथा आग की लपटें नजर आई।

कच्चे घर से धुआं तथा आग की लपटें नजर आने पर जोर-जोर से शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने दौड़कर आये और आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक आग ने प्रचंड रूप ले लिया और कुछ देर में ही घर जल गया। मौके पर मौजूद गौरक्षक सोनू यादव ने बताया कि गोविंद राम मेहरा अपने परिवार के साथ भोजेरा रोड पर अपने परिवार के साथ खेती करके अपना गुजारा करता था। 23 जनवरी को बेटी की शादी थी शादी का सामान झोपड़ी में रखा था जो भी आग लगने से शादी का पूरा सामान जल कर राख हो गया। जिसमें 20 बोरी गेहूं, 12 बोरी बाजरा, डेढ लाख रुपए नगद एवं घरेलू सामान सहित बेटी की शादी के लिए लाया हुआ कपड़े गहने एवं अन्य सामान जल गया।

सेवर थाने से भागा छेड़छाड़ व लूट का आरोपी

- आरोपी ने गंगापुर सिटी में महिला के पैर काटकर लूटे थे कड़े
- जयपुर पुलिस रिकवरी के लिए लेकर आई थी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सेवर थाने से पुलिस को चकमा देकर एक आरोपी फरार हो गया। आरोपी को जयपुर पुलिस लूट के सामान की रिकवरी के लिए गंगापुर सिटी लेकर जा रही थी। रात ज्यादा होने के कारण जयपुर पुलिस ने सेवर थाने में स्टे किया था। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

सेवर थाना अधिकारी सतीश चंद शर्मा ने थाने से गिरफ्तार शुदा मुजरिम राम अवतार बैरवा फरार हो गया। आरोपी गंगापुर सिटी के पास का रहने वाला था। उसके साथ एक महिला आरोपी भी गिरफ्तार थी। जयपुर के प्रताप नगर थाने का जाब्ता आरोपी को लेकर रिकवरी के लिए यहां लाया था। रात ज्यादा होने के कारण प्रताप नगर पुलिस ने सेवर थाने पर स्टे किया था। आरोपी सेल में बंद था। देर रात 1 बजकर 50 मिनट पर आरोपी संतरी को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी को पकड़ने की तलाश की जा रही है। आरोपी को प्रताप नगर पुलिस ने महिला से छेड़छाड़, नशीली चीज सुंघाकर लूट के मामले गिरफ्तार किया था। प्रताप नगर पुलिस लूटे हुए सामान की रिकवरी के लिए उसे गंगापुर सिटी लेकर जा रही थी। ज्यादा रात होने के कारण प्रताप नगर पुलिस ने सेवर थाने पर स्टे किया था। आरोपी टॉयलेट जाने का बहाना देकर संतरी को चकमा देकर फरार हो गया है। इसी आरोपी ने 2 महीने पहले गंगापुर सिटी में एक महिला के पैर काटकर चांदी के कडे लूटे थे। इस मामले में आरोपी गंगापुर सिटी जेल में बंद था। कल प्रताप नगर थाना पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसके बाद जयपुर ले जाकर आरोपी से पूछताछ के बाद आरोपी को रिकवरी के लिए वापस गंगापुर सिटी लेकर जाया जा रहा था।

अनशन व धरना समाप्त

अनशन समाप्त करवाते अधिकारी।

पावटा। पंचायत पुनर्गठन आदेश में विराटनगर ब्लॉक के राजस्व गांव बहादुरपुरा को ग्राम पंचायत का दर्जा दिया गया है। गांव बहादुरपुरा को ग्राम पंचायत एवं मुख्यालय यथावत रखने को लेकर ग्राम बहादुरपुरा के ग्रामीण ही नहीं महिलाएं भी एकजुट होकर इसे अन्यत्र कहीं स्थानांतरित करने का पुरजोर विरोध कर रहे थे। वहीं महिपाल सिंह व डॉ.दिनेश सिंह चिकित्सा जांच के बाद अनशन पर बैठे हुए थे व ग्रामीण, महिलाएं धरने पर बैठे हुए थे। जिस पर विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड द्वारा गांव बहादुरपुरा को ग्राम पंचायत एवं मुख्यालय यथावत रखने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों द्वारा आमरण अनशन व धरना समाप्त किया।

आमरण अनशन पर बैठे हुए महिपाल सिंह व डॉ.दिनेश सिंह का नरसिंह धाम मंदिर महंत लक्ष्मण दास महाराज, वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश निठारवाल, भाबरू थाना प्रभारी रामकिशोर, नायब तहसीलदार ओमप्रकाश, जयसिंहपुरा पंचायत प्रशासक सोनी देवी द्वारा समझाइश करवाते हुए आमरण अनशन तुडवाया गया। गौरतलब है कि ग्राम बहादुरपुरा के ग्रामीणों की मांग थी कि द्वारा ग्राम पंचायत बहादुरपुरा के नाम के साथ किसी भी प्रकार की छेडछाड बर्दाश्त नहीं की जाए। ग्रामीणों ने इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्राम पंचायत बहादुरपुरा मुख्यालय अन्यत्र कही स्थानांतरित करने की जगह दूसरी अन्य ग्राम पंचायत की मांग की थी। ग्राम पंचायत बहादुरपुरा मुख्यालय अन्यत्र कही ले जाने का प्रयास किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि आने वाले समय में इस दिशा में कोई कदम उठाया गया तो उसका कड़ा प्रतिरोध किया जाएगा। वहीं महिलाओं ने कहा कि इस संघर्ष में वो भी आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। आमरण अनशन व धरने के इस दौरान महिपाल सिंह, दिनेश सिंह, घीसा सिंह शेखावत, सतनारायण सिंह, महिपाल सिंह शेखावत, राजपाल सिंह शेखावत, दरियाव सिंह, मोहन सिंह, कानाराम यादव, पलाराम यादव, चित्रमल गुरुजी, प्रकाश सिंह शेखावत, अमर सिंह, मनोज शर्मा, लतीफ खान, एडवोकेट गोपाल टांक सहित बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रूपये दोगुना करने का लालच देकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

अलवर। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी सरजीत सिंह ने पुलिस थाना साईबर जिला अलवर में उपस्थित होकर प्रकरण पंजीबद्ध कराया कि आरोपी द्वारा पार्श्व नाथ शेयर मार्केट का ब्रोकर बनकर मार्केटिंग में रुपये लगाकर रुपया दोगुना करने का लालच देकर परिवादी से अलग अलग बैंक खातो में 47,93,000 रुपये ट्रान्सफर करवाकर परिवादी के साथ धोखाधडी की गई है।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। जिस पर कांबले शरण गोपीनाथ (आई.पी.एस.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जिला अलवर व डॉ0 प्रियंका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जिला अलवर व अंगद शर्मा वृताधिकारी वृत्त उत्तर, जिला अलवर के निकटतम सुपरविजन में राजकुमार मीना पुलिस निरीक्षक साईबर थाना जिला अलवर, मय टीम द्वारा प्रकरण में धोखाधडी मे प्रयुक्त बैंक खातों का धारक प्रभात शर्मा उर्फ शिवम पुत्र भगत सिंह शर्मा निवासी एच 31, गली नम्बर 15, जगतपुरी थाना जगतपुरी (दिल्ली) हाल निवासी ब्लाक नम्बर 14, गीता कॉलोनी, पुलिस थाना गीता कॉलोनी (दिल्ली) के दो अलग अलग बैंक खाते मे धोखाधडी की राशि 2,60,हजार रुपये प्राप्त होना पाया गया प्रकरण में कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

प्रकरण में मास्टर माईन्ड अन्य आरोपियों द्वारा अलग अलग नाम से शेयर मार्केटिंग कम्पनी के नाम से अलग अलग ऑफिस बनाकर लोगों से सम्पर्क कर उन्हे शेयर मार्केटिंग कम्पनी मे रुपये निवेश करने के नाम पर रुपये इनवेस्ट कर दोगुने रुपये करने का लालच देकर अलग अलग लोगों के नाम से खुलवाये बैंक खातों में रुपये ट्रान्सफर करवा लेते है और ग्राहको को शुरू में कुछ प्रोफिट देकर उन्हें और अधिक रुपये लगाकर प्रोफिट देने का लालच देते है व ग्राहकों से अधिक से अधिक रुपये प्राप्त कर ग्राहक से सम्पर्क करना बन्द कर देते है। ग्राहकों की मूल राशि व प्रोफिट राशि नही लौटाकर लोगों के साथ धोखाधडी करते है।

सरकार हर क्षेत्र में विकास के लिए कटिबद्ध : वर्मा

- 1 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

निवाई। ग्राम पंचायत खंडवा व पहाडी में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता कर रहे पंचायत समिति प्रधान रामअवतार लांगडी व प्रशासक देवनारायण गुर्जर ने करीब 1 करोड रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हर क्षेत्र में विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में करोडों रुपए की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। जिनका लोगों को लाभ मिलेगा। अध्यक्षता कर रहे पंचायत समिति प्रधान रामअवतार लांगडी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर क्षेत्र में विकास हो। जिससे लोगों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर खेत को पानी मिले। बाबूलाल मंडालिया ने बताया कि खंडवा, पहाडी व हमीदपुरा में करीब 1 करोड रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर नटवाडा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार जाट, पूर्व प्रधान ममता जाट, डीआर मंजू बलाई, रामदेव गुर्जर, सुखदेव गुर्जर, रामू गुर्जर, रामप्रसाद पटेल व अंकित जाट सहित कई जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद थे।

परिवार की प्रेरणा से अजय किरण ने बिना दहेज रचाई शादी

बिना दहेज शादी में स्टेज पर मौजूद दुल्हा-दुल्हन व परिजन।

निवाई। दहेज रहित विवाह को बढ़ावा देने वाला एक अनुकरणीय उदाहरण वनस्थली के गांव हरिपुरा में देखने को मिला। जौधपुरिया रोड पर हरिपुरा निवासी अजय यादव ने किरण यादव के साथ सादगी और संस्कार से भरी, परंपरागत रीति-रिवाजों से सम्पन्न बिना दहेज की शादी रचाई।

इस प्रेरक निर्णय के पीछे दूल्हे परिवार के सदस्यों दादा जगदीश यादव, दादी कपुरी देवी, पिता मुकेश यादव, माता इन्द्रा यादव, राजेश यादव व बाबु यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

- वनस्थली में मिसाल बनी अनोखी शादी, शहर के गणमान्य लोग बने साक्षी

जिन्होंने अजय को दहेज नहीं लेने और सामाजिक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। परिवार की इस सोच का सम्मान करते हुए विवाह में दुल्हन पक्ष से केवल शकुन का एक रुपया और एक नारियल ही लिया। दुल्हन के पिता हनुमान यादव व माता मनभर देवी ने आभार जताते हुए कहा कि आज के समय मे यह बेहतरीन निर्णय के साथ वनस्थली में अत्यंत धूमधाम से आयोजित हुई, जहाँ शहर के जाने-माने नागरिक, प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, रिश्तेदार और मित्र समारोह में शामिल हुए। समारोह में सभी ने इस दहेज रहित पहल की भरपूर सराहना की और युवाओं के लिए एक प्रेरक संदेश बताया। दूल्हा अभी अग्निशमन विभाग में कांस्टेबल के पद पर है वही -दुल्हन वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं, ऐसे में परिवारों ने दिखावे और दहेज की प्रथा को त्यागकर शिक्षा और सादगी को प्राथमिकता दी। वनस्थली में आयोजित यह विवाह अब समाज में एक प्रेरणा बन गया है कि संस्कार से बडा कोई दहेज नहीं होता।

सरिस्का की 37 वन चौकियों का होगा जीर्णोद्धार

अलवर। सरिस्का बाघ परियोजना में स्थित 37 पुरानी और जर्जर वन चौकियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। प्रत्येक चौकी पर 10 लाख रुपये की लागत से मरम्मत और विकास कार्य किए जाएंगे।

इस पहल का उद्देश्य वन कर्मियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं प्रदान करना है, जिससे वे जंगल की सुरक्षा को और अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कर सकें। जंगल के भीतर स्थित ये चौकियां लंबे समय से सुविधाओं के अभाव में जर्जर हालत में थीं। अब इन सभी चौकियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे आवास, पानी, बिजली और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। डीएफओ अभिमन्यु सहारण ने बताया कि जंगल की सुरक्षा के लिए वन रक्षकों का चौकियों पर रहना अत्यंत आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बजट घोषणा में इन चौकियों के जीर्णोद्धार के लिए विशेष राशि स्वीकृत की है। डीएफओ सहारण के अनुसार, सभी 37 चौकियों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और कुछ के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। उनका मानना है कि बेहतर सुविधाएं मिलने से वनकर्मी चौकियों पर नियमित रूप से रहेंगे और सुरक्षा कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से अंजाम दे पाएंगे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपने पासपोर्ट में अपना नाम संजना अनमोल चावला से बदलकर संजना चावला कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। संजना चावला पत्नी श्री अनमोल चावला निवासी ए-131 राम गली नंबर-4 राजापार्क, जवाहर नगर जयपुर-302004

मैं, यतेन्द्र सिंह शेखावत, सुपुत्र श्री बलवीर सिंह शेखावत, निवासी एस डी-60 शांतिनगर, एन.बी.सी. के सामने खतीपुरा रोड जयपुर ने अपना नाम बदलकर अब यतेन्द्र शेखावत कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

यह सूचित किया जाता है कि मैं, सविता टेलर, पुत्री त्रिलोक चन्द टेलर, निवासी बनस्थली विद्यापीठ हरिपुरा ने अपना नाम बदलकर सविता रोहिला कर लिया है। अब से मुझे सविता रोहिला नाम से जाना और पहचाना जाएगा।

मैंने अपनी पुत्री का नाम प्रिषा से बदलकर प्रिषा टंडन पुत्री विनीत टंडन रख लिया है। भविष्य में इसे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। निवासी बी-75, मॉडल टाउन जगतपुरा, जयपुर

मैंने मेरा नाम श्रेय कंवर (Shreya Kanwar) पत्नी स्व. श्री सगन सिंह पता लुहाकना खुर्द, तहसील विराट नगर, जिला कोटपुतली बहरोड से गजट नोटिफिकेशन के द्वारा परिवर्तन कर सारी कुमारी पत्नी स्व. श्री सगन सिंह रख लिया है। मुझे भविष्य में सारी कुमारी के नाम से ही जाना पहचाना जावें।

मैं, अशोक आचार्य father of Army No. 15159665L Hav (GNR) ताराशंकर आचार्य निवासी VPO- अडगोल जिला ईस्ट मेदिनीपुर (W.B.) मेरे बेटे के सर्विस डॉक्यूमेंट में मेरा नाम अशोक कुमार आचार्य और D.O.B. 01.07.1957 गलत दर्ज है। मेरे डॉक्यूमेंट्स आधार/PAN कार्ड में मेरा सही नाम अशोक आचार्य और D.O.B. 05.03.1960 है।

मैं, आरती आचार्य mother of Army No. 15159665L Hav (GNR) ताराशंकर आचार्य निवासी VPO- अडगोल जिला ईस्ट मेदिनीपुर (W.B.) मेरे बेटे के सर्विस डॉक्यूमेंट में मेरा नाम आरोति आचार्य और D.O.B. 01.07.1962 गलत दर्ज है। मेरे डॉक्यूमेंट्स आधार/PAN कार्ड में मेरा सही नाम आरति आचार्य और D.O.B. 25.02.1966 है।

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 21/201 कावेरी पथ, मानसरोवर, जयपुर के मूल दस्तावेज नियमितिकरण अदेय प्रमाण पत्र अलोटमेंट लैटर, अलिकेट कॉपी, जाहिर आम सूचना, कार्यालय आदेश, अखबार विज्ञप्ति गुम हो गये हैं जो कि आवासन मण्डल द्वारा जीनत निशा के नाम से जारी है कृपया मिलने पर सूचित करें-9928539241

गणपति शिक्षा समिति के रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, स्कूल समिति और विधान भी मूल प्रति 1.12.2025 को खोह नागोरियान में गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें-8560042819

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)

No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2025/726 Date : 08-12-2025

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3399132	Row Outside Shaheed Major Alok Mathur Park, Krishna Nagar, Ward No.-36, Jhotwara Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/979
चूंकि प्रार्थी श्री JITENDRA SHARMA PLOT NO. 28 SHUBHAM VIHAR 4TH SIRSI ROAD, BINDAYAKA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत श्री बांके विहारी फाउण्डेशन PLOT NO. 28 SHUBHAM VIHAR 4TH SIRSI ROAD, BINDAYAKA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 12.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/909
चूंकि प्रार्थी श्री KANHAIYA LAL BISSA, 124/104 SAI SARNAM ROHINI NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत एच ए बी के पी डी सीनियर हेयन ट्रस्ट FLAT NO. 104 PLOT NO. 124 ROHINI NAGAR, JAGATPURA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय...उपखण्ड
अधिकारी...स्थान...किशनगढ रेनवाल
...मंगलचन्द...विरूद्ध...देवीसिंह वगै.
वाद बाबत तकासमा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 81/2024, प्रार्थना पत्र संख्या 84/2024

नाम मंजू कंवर पत्नी स्व. देवीसिंह, दीपेन्द्र सिंह दत्तक पुत्र स्व. देवी सिंह, गोविन्द सिंह पुत्र स्व. देवी सिंह समस्त जाति दरोगा निवासी रेनवाल तहसील कि. रेनवाल जिला जयपुर राज. रतन सिंह पुत्र स्व. प्रभुसिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. प्रभु सिंह, दौलत कंवर पुत्री स्व. प्रभु सिंह समस्त जाति दारोगा निवासी रेनवाल तहसील कि. रेनवाल जिला जयपुर राज. विरूद्ध...के लिये वाद/अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रार्थना पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 10.12.2025 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 04 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ, रेनवाल, जिला जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस,
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 561/2025
चूंकि श्री राजेश जयपुरिया पुत्र श्री हंसराज जयपुरिया निवासी बी - 9, शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत सेठ हंसराज जयपुरिया मेमोरियल ट्रस्ट कार्यालय पता- बी-9, शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.01.2026
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवेवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/987
चूंकि प्रार्थी श्री SIDDHARTH RANKA RANKA HOUSE, JAWAHAR LAL NEHRU MARG OPP. SONI HOSPITAL JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत चिरंजी लाल अग्रवाल मेमोरियल लाईब्रेरी ट्रस्ट BASEMENT, OLD DLB BUILDING, RAJASTHAN HIGH COURT, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 05.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.02.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जपुर-302004
आम सूचना

क्रमांक-F-JDA/Zone 14/2025/D-116
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 267609 दिनांक 18.11.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदन का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Pulkit Jain S/o DHANESH CHANDRA JAIN	श्री कुतुबुद्दीन बेग पुत्र श्री कलीमुद्दीन बेग	537	104.54 SQ. METER	Private	ROYAL JAIN CITY Sector/ Block-	Name Transfer	निजी खातेदारी योजना रॉयल जैन सिटी के भू.सं. 537 क्षेत्रफल 104.54 व.मी. के लीजहोल्ड पट्टा क्रमांक 257 दिनांक 14.05.20 द्वारा श्री कुतुबुद्दीन बेग पुत्र श्री कलीमुद्दीन बेग रजिस्टर्ड विक्रय पत्रों दिनांक 30.07.24 एवं 07.10.2025

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर JDA.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त, जविप्रा जोन-14

संक्षिप्त

फरार 15 हजार का इनामी आरोपी दबोचा

दौसा। पुलिस की साइबर सेल ने 10 महीने से फरार चल रहे हत्या के 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी रामसुन्दर उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार किया है। फरवरी माह में प्रेम-प्रसंग के चलते यूपी के एक युवक की हत्या कर उसकी लाश दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के लिंक जयपुर रोड पर फेंक दी गई थी। साइबर सेल प्रभारी प्रेमनारायण शर्मा ने बताया कि 10 फरवरी को सूचना मिली थी कि लिंक रोड, द्वारापुरा स्थित जीरो प्वाइंट के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। मृतक की पहचान के लिए राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार सहित कई राज्यों में फोटो और इश्तिहार जारी किए गए। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस में एक आरोपी को घटना के 10 दिन बाद गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया था, जबकि दूसरा आरोपी रामसुन्दर उर्फ बिट्टू लगातार फरार था। उस पर एसपी द्वारा 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।पुलिस टीम पिछले कई महीनों से आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। आरोपी अपने रिश्तेदारों से संपर्क तोड़कर नोएडा, दिल्ली और गाजियाबाद में लगातार ठिकाने बदलता रहा। 7 दिसंबर को कांस्टेबल दशरथ सिंह के तकनीकी विश्लेषण से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर आरोपी रामसुन्दर उर्फ बिट्टू (निवासी सादिपुर, जिला आजमगढ़, यूपी; हाल निवासी मोहन नगर, गाजियाबाद) को गाजियाबाद से डिटेन किया गया।

प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर का स्वागत

टोंक। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर का जयपुर से कोटा जाते समय मुख्यालय स्थित एक निजी होटल पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने माहुर को माला,दुपट्टा व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर ने कहा कि मुझे पार्टी ने जो नया दायित्व सौंपा है, उसे वे पूरी निष्ठा और लगन से निभाउंगा तथा पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत सेतु बनकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि केंद्र व राज्य की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन तक पहुंचें, पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ जनता को दिलवाना ही मेरा लक्ष्य होगा। इस दैरान पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, जिला मंत्री बीना छामुनिया, हरिराम यादव, प्रवक्ता विजय मालवानी, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, हेमंत सैनी, गणेश सैनी, लोकेश गुप्ता, शम्भू शर्मा, नन्दलाल छान, तौसीफ खान, रमेश बैरवा, रामनारायण यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फर्जी क्लेम मामले का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव के निर्देशन मे वृताधिकारी उनियारा के सुपरविजन एवं उनियारा थाना पुलिस निरीक्षक कप्तान सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सोमवार को कुटरचित दस्तावेज तैयार करवाने व मृतक के वारिसान को राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग टोक से फर्जी तरीके के क्लेम दिलाने वाला आरोपी बुद्धीप्रकाश जायसवाल पुत्र नाथु लाल उम्र 29 साल निवासी ग्राम समिधी थाना करवर जिला बून्दी को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

पांच ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक, (निसं)। अति. पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में वृत्ताधिकारी वृत्त पीपलू व पीपलू थानाधिकारी रघुवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा पीपलू क्षेत्र में रविवार रात्रि को मांसी नदी से अवैध रूप से बजरी खनन व परिवहन करते हुये दो ट्रेक्टर-ट्रोली को बजरी सहित व तीन ट्रेक्टर-ट्रोली को खाली जब्त किया गया है। इस दौरान फरार चालक के खिलाफ बीएनएस व एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त, एक धरा

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक के निर्देशन मे वृत्ताधिकारी पीपलू मृत्युजंय मिश्रा के सुपरविजन एवं झिराना थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद द्वारा गठित थाना टीम ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये बोरखण्डी से एक किलो 760 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त कर आरोपी बजरंगलाल पुत्र ग्यारसीलाल यादव (48) निवासी बोरखण्डी कला को गिरफ्तार किया गया।

दौसा में किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की मांग पर प्रदर्शन किया

- विभाग ने 10 दिसंबर से दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया
- 'ग्रामीण क्षेत्रों में 8-10 घंटे की बिजली कटौती से आमजन का जीवन भी मुश्किल हो गया है'

विधायक दीनदयाल बैरवा व किसानों ने एसई एम.एल. मीणा को ज्ञापन सौंपा।

दौसा, (निसं)। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को एसई कार्यालय के बाहर किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया तथा धरना दिया। इधर जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एमएल मीणा के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया।

धरने को सम्बोधित करते हुये विधायक दीनदयाल बैरवा ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में घंटों बिजली कटौती से किसानों की फसलें सूखने लगी हैं। ट्यूबवेल बंद पड़े हैं और रबी सीजन की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन और बड़ा रूप लेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 8-10 घंटे की बिजली कटौती से आमजन का जीवन भी मुश्किल हो गया है।

धरने में शामिल किसानों ने कहा कि रात में भी बिजली नहीं मिलने से सिंचाई कार्य बाधित हो गया है। कई दिनों से शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं किया जा रहा। किसानों ने चेतावनी दी कि हालात नहीं सुधरे तो वे दौसा से जयपुर तक बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे। इधर धरने के दबाव को देखते हुए बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। विधायक बैरवा एवं किसानों ने एसई एम.एल. मीणा को ज्ञापन सौंपा। बैठक के बाद विभाग ने 10 दिसंबर से दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना फिलहाल समाप्त कर दिया गया। इस दौरान शीतल चौबे, रामनारायण पंडा, जयराम बैरवा, जगदीश पॉटर, प्रदेश महासचिव दुर्गालाल मीरवाल, प्रवक्ता मुकेश राणा, उप जिला प्रमुख मानदाता मीणा, कैलाश गोठवाल, पार्षद सियाराम सत्तावन, नवीन कुमार सैनी, रामावतार मावई, युवा कांठोस अध्यक्ष हरकेश अवाना, उपाध्यक्ष मोनू पचवाड़ा सहित बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता मौजूद रहे। 10 दिसम्बर से किसानों को दिन में होगी थ्री फेज बिजली आपूर्ति:- मंडावर जीएसएस पर ट्रांसफॉर्मर इंस्टॉलेशन संबंधी कार्य पूर्ण होने के बाद जरूरी तकनीकी परीक्षण कर 10 दिसम्बर से दौसा जिले के किसानों को दिन के दो ब्लॉक में थ्री फेज बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता एमएल मीणा ने बताया कि मंडावर में 220 केवी जीएसएस पर 100 से 200 एमवीए ट्रांसफॉर्मर इंस्टॉलेशन कार्य किया जा रहा था, जो 8 दिसम्बर को पूर्ण हो गया। इंस्टॉलेशन कार्य के बाद पॉवर ट्रांसफार्मर को आगामी 24 घंटे तक नो लोड पर चार्ज रखना जरूरी है। इस चार्जिंग के बाद 9 दिसम्बर को कुछ जरूरी तकनीकी परीक्षण कर लोड ले लिया जाएगा। इसके बाद 10 दिसम्बर से जिले के काश्तकारों को दिन के दो ब्लॉक में थ्री फेज बिजली मिलना शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले ब्लॉक का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे एवं दूसरे ब्लॉक का समय दोपहर 12 से सायं 6 बजे तक रहेगा।

जिला अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में नहीं पहुंचे विधायक

दौसा। जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड़ के पद भार समारोह में दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा एवं उनके समर्थको की अनुपस्थित चर्चा का विषय बना हुआ है। इधर दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा की भारी नाराजगी के चलते कांग्रेस दो खेमों मे विभक्त हो गई है तथा सैकडो कांग्रेसा दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा के पक्ष में लामबंध हो गये है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पद को लेकर काफी समय से कांग्रेस के अन्दर खाने में खींचतान चल रही थी। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा किसी नये चेहरे को जिला अध्यक्ष बनाये जाने को लेकर वकालात कर रहे थे, वही दूसरी ओर दौसा के अधिकांश पूर्व विधायक एवं सांसद मुरारीलाल मीणा वर्तमान जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड को ही जिला अध्यक्ष बनाये जाने की पैरवी कर रहे थे। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा को मानना था कि वर्तमान जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड का कार्यकाल काफी लम्बा हो गया है वे पिछली दो बार भी जिला अध्यक्ष रह चुके है, ऐसे में किसी नये उर्जावान नेता को जिला अध्यक्ष बनाया जाना चाहिये थे। कांग्रेस के उच्च स्तरीय नेताओं ने इस विषय में स्थानीय कार्यकर्ताओं से रायशुमारी भी की, जिसमें अधिकांश कार्यकर्ताओं ने नये व्यक्ति को जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर सहमति प्रदान कर दी थी। सूत्रो ने बताया कि कांग्रेस के उच्च स्तरीय नेताओं ने आम कार्यकर्ताओ की भावनाओ को दरकिनार करते हुये लगातार तीसरी बार रामजीलाल ओड की ताजपोशी कर दी। अधिकांश कार्यकता एवं नेता दबी जबान से आलाकमान के इस फैसले को कार्यकर्ताओं के साथ कुठाराघात बता रहे है।

वहीं दूसरी ओर रविवार को कांठोस के जिला अध्यक्ष रामजीलाल ओड का पद भार ग्रहण् कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा तथा उनके समर्थको की अनुपस्थित खासा चर्चा का विषय रहा।

सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय के कैरियर मार्गदर्शन एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ के तत्वाधान में रोजगार योग्यता संवर्धन हेतु महिंद्रा एंड महिंद्रा व नंदी फाउण्डेशन के सहयोग से जारी सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर की अध्यक्षता में हुआ।

कार्यक्रम की विधिवत् शुरुआत मास्टर ट्रेनर शिल्पा व प्राचार्य डॉ. आर पी गुर्जर द्वारा द्वीप प्रज्जवलन कर की गई। कार्यकम प्रभारी प्रो. मनोज कुमार सैनी ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में लगभग 50 छात्राओं ने विभिन्न सत्रों में कैरियर मार्गदर्शन, अभिव्यक्ति कौशल विकास, समूह परिचर्चा, टीमवर्क, रोल मॉडल आदि गतिविधियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य प्रशिक्षक शिल्पा शर्मा ने विगत सात दिनों का विवरण प्रस्तुत किया। छात्राओं ने अपने-अपने फीडबैक द्वारा प्रशिक्षण सत्रों के महत्व एवं स्वयं में आये परिवर्तनों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर ने कहा कि आने वाला समय कठोर प्रतिस्पर्धा का है। जिसमें वहीं विद्यार्थी कामयाब हो पायेंगे जो योग्यता व कुशलता रखते हैं। सरकारी क्षेत्र में कम होते रोजगार के अवसरों को देखते हुये उचित प्रशिक्षण एवं शिक्षा आवश्यक है। ऐसे प्रशिक्षण में छात्राओं की सकारात्मक भागीदारी प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग, इंटरव्यू स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स, चैट जीपीटी कंप्यूटर नॉलेज, टीम बिल्डिंग, स्किल डवलपमेंट के बारे में प्रशिक्षित किया।

कोटपूतली में सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ।

रक्तदान शिविर में 149 यूनिट रक्त संग्रहित

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा के गांव बाड़ीजोड़ी में नोबल शिक्षण संस्थान विद्यालय परिसर में टीम राजेन्द्र पंवार के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। यह रक्तदान शिविर युवा नेता राजेन्द्र पंवार के 34 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य पर आयोजित किया गया।

इस रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह से शामिल होकर रक्तदान दिया। शिविर में पूर्व विधायक और कोटपूतली जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंद्राज गुर्जर, कांग्रेस नेता प्रवीण व्यास, समाजसेवी गिरीश राठौड ने बतौर अथिति शिरकत की। इस दौरान आयोजकों की ओर से अतिथियों का माल्यार्पण कर, साफा बांधकर व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिविर में जीवन ज्योति ब्लड बैंक की टीम ने करीब 149 यूनिट रक्त संग्रहित किया। इस दौरान रक्तदाताओं में रक्तदान के प्रति खासा उत्साह देखा गया। शिविर में अमित त्रिवेदी ने कहा कि रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता आवश्यकता है। रक्त का कतरा-कतरा अमूल्य है जो किसी को नया जीवन प्रदान कर सकता है। रक्त दान करके समाज के ऐसे लोगों को जीवन दे सकते है जो रक्ताभाव में जीवन और मौत के संघर्ष में हार जाते है। युवाओं को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे दूसरे का जीवन बचाया जा सकता है।

सुजान गंगा नहर में मिला शव

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में उस समय सनसनी फैल गई, जब कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित सुजान-गंगा नहर में करीब 30 वर्षीय युवक का शव मिला। युवक का शव नहर में पड़ा मिला, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की।

सुजान-गंगा नहर में शव को सबसे पहले स्थानीय लोगों ने देखा। इसके बाद तुरंत कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाया। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र लगभग 30 वर्ष है। मृतक के शरीर पर टी-शर्ट और चड्डी पहनी हुई थी, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों और इलाकों में फोटो सर्कुलेट की गई हैं। पुलिस का कहना है कि शिनाख्त के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। शुरुआती तौर पर मामला हादसे या संदिग्ध परिस्थितियों से जुड़ा हो सकता है।

यूरिया की किल्लत व विद्युत सप्लाई को लेकर किसान परेशान

पावटा। विराटनगर में यूरिया खाद की किल्लत व कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए विद्युत सप्लाई दिन में करवाने की मांग को लेकर सोमवार को किसानों ने कृषि मंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर किसान नेता डालचंद गुर्जर ने बताया कि रवि फसल के लिए किसानों को पहली सिंचाई में यूरिया खाद की जरूरत होती है। अगर इस समय फसल में खाद नहीं डाला तो फसल उत्पादन में भारी कमी आती है। जिसका नुकसान किसानों को भारी मात्रा में उठना पड़ता है।

वहीं मौजूद किसान नेपाल सिंह तवर ने बताया कि यूरिया खाद की किल्लत विराटनगर में बहुत ज्यादा है जिसको देखते हुए उन्होंने कृषि मंत्री से यूरिया खाद की व्यवस्था कराने की मांग की है । विराटनगर क्षेत्र में लगभग 10 हजार कट्टो की आवश्यकता है । वही उसमें यह भी मांग की गई की किसानों के लिए रात में विद्युत सप्लाई की जाती है।

कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए विद्युत सप्लाई दिन में करवाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान संघ अध्यक्ष कैलाश गुर्जर, भारतीय किसान संघ मंत्री गोपाल कृष्ण सैनी, सुरेंद्र मीणा, भैरूराम, बाबूलाल, सोहन, सरदार मल गुर्जर , जिला प्रवक्ता प्रमुख अमरनाथ यादव सहित सभी किसान मौजूद रहे।

शिक्षा से ही परिवार व समाज दोनों की तरक्की होती है : किशोर कुमार

- खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर के स्थानांतरण होने पर सिंधी समाज के लोगों ने दी विदाई

किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर रहे किशोर कुमार को स्थानांतरण होकर जाने पर पूज्य सिंधी पंचायत की और से संत कंवर राम हरि मंदिर किशनगढ़ बास और पूर्व सरपंच कल्लू मल व संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी मोठूका के निवास पर विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस विदाई सम्मान समारोह में दोनों जगह आईएएस किशोर कुमार के साथ उनकी पत्नी रेखा शर्मा व बेटा भी मोजूद थे। संत कंवर राम हरि मंदिर गुरुद्वारा पहुंचने पर पूज्य सिंधी पंचायत के मुखी गोकुल दास सहित सदस्यों व समाज के लोगों ने आईएएस किशोर कुमार सहित परिवार के सदस्यों का सिंघी शहनाई व ढोल बाजे से स्वागत किया।

आईएएस किशोर कुमार व परिवारजनों ने समाज के लोगों का अभिवादन स्वीकार कर मंदिर में मत्था टेका और क्षेत्र व परिवार के लोगों की खुशहाली व तरक्की के लिए प्रार्थना की। इस दौरान पंचायत के मुखी सहित समाज के लोगों ने अधिकारी व परिवार के लोगों का शाल ओढ़ाकर व माला साफा पहनाकर सम्मान किया और कार्यकाल की भूरी भूरी प्रशंसा की।

इस अवसर पर आईएएस किशोर कुमार ने समाज के लोगों को बच्चों की शिक्षा पर विशेष घ्यान देने की बात कहते हुए कहा शिक्षा से परिवार और समाज दोनों की उन्नित है। इसलिए बेटा बेटी दोनों को खूब आगे तक पढ़ाए। उन्होंने कहा वह कहीं पर भी रहे लेकिन यहां पर मिला लोगों का प्यार और स्नेह हमेशा मुझे यहां के लोगों की याद दिलाता रहेगा। इस अवसर पर सिंघी पंचायत के सदस्य सहित बड़ी संख्या समाज के लोग मोजूद रहे। इसके पश्चात आईएएस अधिकारी किशोर कुमार पत्नी बच्चे के साथ मौठूका पूर्व सरपंच कल्लू मल व संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के निवास पर पहुंचे जहां पर परिवार की महिलाओं व पुरुषों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

आईएएस अधिकारी किशोर कुमार करीब एक घंटे परिवार के लोगों के बीच रूकें घर परिवार समाज की बात की ओर साथ बैठक कर भोजन किया। इस दौरान परिवार जनों के साथ व्यापारी संजय सिंघल, जनेश भूटानी, विक्की गोयल, प्रभु दयाल सिंधी, मुकेश सोनी, मोनू बत्रा, उद्योगपति महेश कुमार चंचलानी, गोविंद चंचलानी, घनश्याम दास, चंदन लालवानी, धर्मदास बच्चानी, डॉ सतीश आहुजा सहित अनेक प्रबुद्ध जन लोग मौजूद रहे।

किशनगढ़ बास के मोठूका पूर्व सरपंच कल्लू मल लखयाणी निवास पर परिवार के लोगों के साथ आईएएस अधिकारी किशोर कुमार व पत्नी का सम्मान करते।

सार-समाचार

सड़क स्वीकृति पर जताया आभार

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। सोमवार को चौमू शहर के सुभाष सर्किल स्थित निज आवास पर डोला का बास और नृसिंहपुरा ठाामवासियों ने सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। ग़ौरतलब है कि एसआरएफ मद से सोमवार को ग्राम डोला का बास में डोला का बास से रेनवाल रोड सड़क (रीको) तक और नृसिंहपुरा में सान्दरसर सड़क से डेहर की ढाणी खन्नीपुरा तक सड़क स्वीकृत की गई है। ठाामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला, साफा पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। पूर्व विधायक शर्मा ने सभी ठाामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महेश शर्मा, ओमप्रकाश, सोविवीर सिंह, महावीर सिंह, सोहन शर्मा, प्रभु नारायण शर्मा, मगन शर्मा, गोपाल शर्मा बजरंग मीना, तोफ़ान मीणा, मालीराम पटवारी, गिरधारीलाल, जीवतराम फोजी, हंसराज, बीरबल, साँवर मल, पूरण, गोपीराम, जेपी, रामचंद्र, लालाराम, सोहन पारीक, दामोदर आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सिकराय, (निसं)। उपखंड के बहरावंडा तहसील क्षेत्र के टोरड़ा ग्राम पंचायत में हाल ही में राजस्व विभाग के द्वारा करवाएं सेटलमेंट में वर्षों पुरानी आबादी भूमि क्षेत्र को चरागाह दर्शाने का आरोप लगाते हुए गांव के आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को बहरावंडा तहसीलदार राम खिलाड़ी मीना को ज्ञापन सौंपा है। वहीं ग्रामीणों ने तहसीलदार से नये सेटलमेंट से जारी नक्शे की जांच करवाके पुनः आबादी क्षेत्र दर्शाने की मांग की है। ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन में बताया कि हाल ही में राजस्व विभाग के द्वारा टोरड़ा ग्राम पंचायत में सेटलमेंट द्वारा सर्वे कर नया नक्शा जारी किया है जिसमें वर्षों पुरानी आबादी भूमि क्षेत्र को नये सेटलमेंट नक्शे में आबादी क्षेत्र को चरागाह दर्शाया गया है। जबकि पुराने आबादी भूमि क्षेत्र पर लोगों के मकान, पशुओं के लिए बाड़े रहवासिया क्षेत्र बना हुआ हैं। लेकिन राजस्व के सेटलमेंट में चरागाह दर्शाने से ठाामीणों में आक्रोश बना हुआ है। तहसीलदार रामखिलाड़ी मीना ने ठाामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन व सेटलमेंट द्वारा किए सर्वे में तकनिकी खामियां की जांच को लेकर हल्का पटवारी को आदेश जारी किए हैं। इस दौरान पवन कुमार, बनवारी लाल शर्मा, रामकिशोर बैरवा, विष्णु सोनी गोपाल जांगिड़, अवध मिश्रा, विक्की बैरवा ,भारत सिंह, जितेंद्र सिंह, राजेश कसाना ,बने सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मामले में बहरावंडा तहसीलदार रामखिलाड़ी मीना ने बताया कि टोरड़ा गांव के ग्रामीणों ने कार्यालय में आकर ज्ञापन सौंपा है जिसमें राजस्व विभाग द्वारा हाल ही में करवाएं सेटलमेंट में आबादी भूमि क्षेत्र को चरागाह दर्शाने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों की मांग पर हल्का पटवारी को आदेश कर मौके की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए।

विजेता फुटबॉल टीम को बांटे ट्रैकसूट

टोंक, (निसं)। दूनी मुख्यालय स्थित पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा जिला स्तर पर विजेता फुटबॉल टीम को ट्रैक सूट वितरण कर प्रोत्साहित किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य कैलाश वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति जिला शिक्षा अधिकारी भंवरलाल कुम्हार एवं तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा के हाथों ट्रैकसूट का वितरण किया गया। इस अवसर पर कुम्हार ने कहा कि दूनी विद्यालय फुटबॉल खेल में सदैव अव्वल रहता आया है इस प्रकार छात्रों को प्रोत्साहित करने पर अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी। यह ट्रैकसूट स्थानीय विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक शिवजी लाल जाट की तरफ से विजेता टीम के 13 खिलाड़ियों को प्रदान किए गए।

नाली के पास युवक का शव मिला

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचैड़ी पुलिया के पास सोमवार सुबह हाइवे से करीबन 20 फीट नीचे नाली के पास एक युवक का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर चंदवाजी थाना पुलिस पहुची।बाद में जयपुर से एफएसएल की टीम पहुची और मोके से साक्ष्य जुटाए।पुलिस युवक की मौत को संदिग्ध मान कर चल रही है। मृतक युवक की पहचान मानपुरा माचैड़ी निवासी पवन सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचेड़ी पुलिया के पास सोमवार सुबह लोगो ने नाली के पास एक शव पड़ा देखा। सूचना पर बड़ी संख्या में लोगो की भीड़ जुट गई।मौके पर चंदवाजी थाना पुलिस पहुंची ओर मौका मुआयना किया। एफएसएल टीम को सूचित किया गया जिसके 2 घंटे बाद एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।मृतक युवक की शिनाख्त मानपुरा माचेड़ी निवासी पवन सिंह राव पुत्र मदन सिंह(32) के रूप में हुई। युवक के शव को निम्स अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया। मौके पर शाहपुरा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह, जमवारामगढ़ सीओ रामकिशन,मानपुरा चौकी प्रभारी जय प्रकाश सहित पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। पुलिस युवक की मौत को संदिग्ध मान कर जांच कर रही है। मृतक के पोस्टमार्टम व एफएसएल की रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा।

कलक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों से आधारभूत सुविधाओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर चर्चा की एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत निगम को निर्देशित किया कि घरेलू एवं कृषि विद्युत कनेक्शन की कार्यवाही गति लाएं। पीएचईडी विभाग को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जेजेएम के लक्ष्यानुरूप और भविष्य की कार्य योजना तैयार कर समर कंटिंजेंसी के तहत कार्य करने को कहा। सीएमएचओ को मौसमी बीमारियों के मद्देनजर पर्याप्त दवा भंडार रखने को निर्देशित किया। उन्होंने संपर्क पोर्टल, जनसुनवाई, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरण के परीवादों का तुरंत निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए. उन्होंने आगामी दिनों में राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की निर्देशानुसार तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एडीएम ओमप्रकाश सहारण सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्याज व पैनल्टी पर छूट

टोंक, (निसं)। राजस्थान अनुसूचित जाति एवं जनजाति वित्त विकास सहकारी निगम लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय निगमों की योजनाओं में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, स्वच्छकार, द्वियांगजन एंव अन्य पिछडा वर्ग को वितरित ऋणो को चुकाने में राहत दी जा रही है। इस मौके पर अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक ने बताया कि आषार्थियों के लिए बजट घोषणा वर्ष 2025-26 मे ऋण चुकाने मे राहत के लिए एक मुष्त समाधान योजना की घोषणा की गई है जो 31 दिसम्बर 2025 तक के लिए लागू है। इस योजना मे मूलधन राशि जमा कराने पर अतिदेय ब्याज एव शास्ति, पैनल्टी की राशि पर शत-प्रतिशत की छूट मिल सकती है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अनुजा निगम, टोंक जिला परिषद् (ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ) में सम्पर्क कर सकते है।

मैं आधिकारिक तौर पर सभी प्रारूपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। मेरी योजना बंगलादेश जाकर एकदिवसीय, अंतरराष्ट्रीय टी-20 और टेस्ट की एक पूरी सीरीज खेलने के बाद रिटायर होने की है। - **शाकिब अल हसन**

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान, अपने रिटायरमेंट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नेमार**

सैंटोस ने क्रूज़ेरो को 3-0 से हराकर ब्राज़ीलियन सीरी ए में अपना स्थान बचा लिया। बता दें कि ये वही क्लब है जिसने दुनिया को पेले जैसा महान खिलाड़ी दिया था और 2023 में पहली बार अवनति का सामना करना पड़ा था। मौजूद जानकारी के अनुसार इस सीजन में वापसी के बाद टीम ने आख़िरी मैच में आत्मविश्वास दिखाया है। नेमार, जो चोट के बाद लगातार रिकवरी के दौर से गुज़र रहे हैं, मैच के बाद भावुक नज़र आए और पुष्टि की कि वे अब घुटने की सर्जरी करवाएंगे। गौरतलब है कि जनवरी में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सीमित मैच खेले।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी जीत इंग्लैंड के नाम है. इंग्लैंड ने 7 सितंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साउथेम्प्टन में 342 रनों से जीत कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर-रेट के लिए भारत पर लगा जुर्माना

दुबई, 8 दिसंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है। राहुल ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर रॉड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगजस्की और चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल ने यह आरोप लगाये थे।

स्क्वैश वर्ल्ड कप में भारत की चार सदस्यीय टीम उतरेगी

चेन्नई, 8 दिसंबर। भारत की मेजबानी में मंगलवार से शुरु हो रहे स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार की चार सदस्यीय टीम उतरेगी। विश्व स्क्वैश द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट का पांचवां संस्करण है और लगातार तीसरी बार चेन्नई में आयोजित किया जा रहा है। स्क्वैश वर्ल्ड कप में 12 देश, जिसमें डिफेंडिंग चैंपियन मिस्त्र और पिछले संस्करण के उप मलेशिया शामिल हैं, मिश्रित टीम खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। भारत की शीर्ष रैंक वाली महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह वर्ल्ड कप में डेब्यू करेंगी। 17 साल की अनाहत स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी होंगी। अनुभवी जोशना चिनप्पा 2023 में भारत को कांस्य पदक दिलाने के बाद वापसी कर रही हैं। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा ने इस साल की शुरुआत में एशियन स्क्वैश युगल चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष वर्ग में अभय सिंह उनके साथ वेलवन सेंथिलकुमार भी होंगे, जो स्क्वैश वर्ल्ड कप में डेब्यू करेंगे। इस जोड़ी ने पिछले टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 2024 और 2025 एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप और 2022 पुरुष एशियन स्क्वैश टीम चैंपियनशिप जीतकर सफलता हासिल की है। ग्रुप स्टेज के लिए टीमों को तीन-तीन के चार पूल (ए से डी) में बांटा गया है, जिसके बाद हर पूल से टॉप दो टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। हर टीम की फाइनल रैंक तय करने के लिए क्लासिफिकेशन मैच भी होंगे। स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 टीमें और पूल इस प्रकार है:- पूल ए हांगकांग चीन, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य। पूल बी भारत, ब्राजील, स्विट्जरलैंड। पूल सी मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड। पूल डी जापान, मिस्त्र, ईरान।

अबू धाबी 2025 : लैंडो नॉरिस ने पहला फॉर्मूला-1 विश्व खिताब जीता

आबूधाबी, 8 दिसंबर। अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स के समापन के साथ रविवार शाम फ़ॉर्मूला-1 इतिहास में एक नया मोड़ दर्ज हुआ, जब लैंडो नॉरिस ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड ड्राइवर्स' चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया हैं। बता दें कि नॉरिस ने यह खिताब अधिक संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में हासिल किया, क्योंकि उन्हें आख़िरी रेस में तीसरा स्थान पाकर मैक्स वेरस्टैपेन और अपने ही टीम साथी ऑस्कर पियास्त्री को अंकतालिका में पीछे छोड़ना पड़ा। सीज़न के अंतिम रेस-डे में नॉरिस सिर्फ़ दो अंकों के बेहद मामूली अंतर से चैम्पियन बने, जो किसी भी ड्राइवर की मानसिक दृढ़ता का संकेत है। रेस खत्म होते ही टीम रेडियो पर नॉरिस की भावनाएँ साफ सुनाई दीं, जहाँ वे काफ़ी देर तक संयत नहीं रह पाए। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, थैंक्यू सो मच आई लव यू मम, आई लव यू डैड। मौजूद जानकारी के अनुसार, टीम प्रिंसिपल ज़ैक ब्राउन ने भी इसे फ़ॉर्मूला-1 के सबसे रोमांचक अंत में से एक बताया और कहा कि यह जीत सिर्फ़ टीम के लिए नहीं बल्कि खेल के इतिहास में भी एक अलग अध्याय जोड़ती है। गौरतलब है कि नॉरिस ब्रिटेन के ऐसे पहले ड्राइवर बन गए हैं जिन्होंने 2020 में लुईस हैमिल्टन के बाद विश्व खिताब जीता है। यह उपलब्धि मैकलारेन के लिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह टीम के इतिहास में 13वां वर्ल्ड ड्राइवर्स' टाइटल है। आधी सदी पहले 1974 में एमर्सन फ़िटिपाल्डी ने इसी टीम के लिए पहला खिताब जीता था और उसके बाद से टीम के लिए जेम्स हंट, निकी लौडा, अलैन प्रोस्ट, एर्टन सेना, मिका हक्किनेन और हैमिल्टन जैसे महान नाम चैम्पियनशिप दर्ज करा चुके हैं।

कटक टी-20 में जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक, 8 दिसंबर। भारतीय टीम मंगलवार को बाराबती स्टेडियम की रोशनी में हालिया फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में जीत के साथ आगाज करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज आश्चर्यचकित कर सकते है।

भारत कल आत्मविश्वास के साथ सीरीज में उतरेगा। इस साल के एशिया कप में अजेय रहने और ऑस्ट्रेलिया में 2-1 से कड़ी टक्कर वाली जीत के साथ, उनमें आत्मविश्वास और दम दोनों हैं। इस प्रारुप में एक विश्व चैंपियन टीम, वे विस्फोटक बल्लेबाजी को एक विविध और खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के साथ मिलाते हैं।

अभिषेक शर्मा, जो हमेशा शीर्ष पर एक जीवंत चिंगारी रहे हैं, पावरप्ले में लय सेट करने का प्रयास करेंगे। शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बीच में स्थिरता के साथ स्ट्राइक रोटेट करने और शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। वहीं अगर निचले क्रम की बात की जाये तो हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे, या हर्षित राणा, वह गहराई और फिनिशिंग टच देते हैं जो कुछ ही पलों में खेल का रुख बदल सकता है।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण गति, स्विंग और स्पिन का एक संगम है। जसप्रीत बुमराह, जो शायद दुनिया के सबसे धारदार तेज गेंदबाजों में से एक हैं, आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें अर्शदीप सिंह अपनी चतुराई और सटीकता से उनका साथ देंगे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल अपनी स्पिन वैरायटी से किसी भी बल्लेबाजी को मुश्किल में डाल सकते हैं।

वहीं अगर दक्षिण अफ्रीका की बात की जाये तो वह हाल के टी-20 में उतार-चढ़ाव वाली फॉर्म के साथ आई है, जिसे पाकिस्तान और नामीबिया से हार का सामना करना पड़ा है। वे क्विंटन डी कॉक और एडन मारक्रम के अनुभव पर भरोसा करेंगे ताकि शुरुआत में ही लय बनाई जा सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स और डेवाल्ड ब्रेविस पर बीच के ओवरों में पारी को संभालने की जिम्मेदारी होगी। निचले क्रम में, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे खिलाड़ी तेजी से रन जोड़ सकते हैं, लेकिन मेहमान टीम जानती है कि वे धीमी शुरुआत का जोखिम नहीं उठा सकते।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी की अगुवाई खतरनाक एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी कर रहे हैं। वे अपनी गति और सटीकता से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते है। मार्को यानसन की उछाल और अतिरिक्त तेजी एक और रोमांच जोड़ती है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका को यहां सफल होने के लिए, भारत की बल्लेबाजी फॉर्म के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार करना होगा।

बाराबती स्टेडियम में आमतौर पर एक अच्छी पिच होती है, जिसकी बाउंड्री 65 से 70 मीटर के बीच होती है। लाइट्स में लाल मिट्टी की पिच अतिरिक्त गति और उछाल दे सकती है, जबकि शाम की ओस लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में हो सकती है। एक प्रतिस्पर्धी स्कोर 180-190 रन के आसपास रहने की संभावना है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत का टी-20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पलड़ा भारी रहा है, पिछले आठ मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दो जीत हासिल की हैं। विश्लेषकों का सुझाव है कि भारत की फॉर्म, परिस्थितियों से परिचित होना और संतुलित टीम उन्हें पसंदीदा बनाती है, हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की गहराई यह सुनिश्चित करती है कि मुकाबला अभी भी सरप्राइज से भरा हो सकता है।

संभावित टीमें इस प्रकार हैः-

भारतः अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दुबे और हर्षित राणा।

दक्षिण अफ्रीकाः क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडन मारक्रम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यानसन, एनरिक नॉर्टजे, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज और डोनोवन फरेरा।

गिल और पांड्या स्वस्थ तथा पूरी तरह फिट हैं : यादव

कटक, 8 दिसंबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से पहले कहा कि शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या पूरी तरह से स्वस्थ तथा फिट हैं।

सूर्यकुमार ने कहा, ''दोनों गिल और पांड्या स्वस्थ और फिट दिख रहे हैं।'' गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में अकड़न हो गई थी, जबकि हार्दिक सितंबर में एशिया कप के दौरान लगी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर थे। गिल चोट के बाद से अभी तक नहीं खेले हैं, लेकिन हार्दिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की। बड़ौदा के लिए खेलते हुए, उन्होंने हर मैच में एक विकेट लिया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने दोनों बार चार ओवर फेंके। बल्ले से, पंजाब के खिलाफ 42 गेंदों में उनके 77 रन नाबाद ने उनकी टीम को 223 रनों का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

भारतीय कप्तान ने कहा, ''आपने एशिया कप में भी देखा था, जब वह हार्दिक नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने प्लेइंग इलेवन के संबंध में हमारे लिए बहुत सारे विकल्प, कॉम्बिनेशन खोल दिए थे। यही वह टीम में लाते हैं। उनका अनुभव, जिस तरह से उन्होंने सभी बड़े मैचों, सभी आईसीसी, एसीसी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि वह अनुभव बहुत काम आएगा और उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को अच्छा संतुलन मिलेगा।''

गिल के टीम में वापस आने के साथ सूर्यकुमार ने यह स्पष्ट किया कि संजू सैमसन को मिडिल ऑर्डर में जगह के लिए जितेश शर्मा से मुकाबला करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि ओपनर्स को छोड़कर सभी बल्लेबाजों को ऑर्डर में अपनी स्थिति के संबंध में लचीला होना होगा।

उन्होंने कहा, ''जब संजू टीम में आए, तो उन्होंने ऑर्डर में ऊपर बल्लेबाजी की। अब बात यह है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को लचीला होना होगा। जब उन्होंने पारी की शुरुआत की तो उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन शुभमन ने उनसे पहले श्रीलंका सीरीज में खेला था, इसलिए वह उस जगह के हकदार हैं। लेकिन हमने संजू को मौके दिए। वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है जो वास्तव में एक खिलाड़ी को नंबर तीन से छह तक कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए लचीला देखना अच्छा है। यही एक बात मैंने सभी बल्लेबाजों से कही है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को बहुत लचीला होना होगा। दोनों सैमसन और जितेश टीम की योजनाओं में शामिल हैं। इन दोनों जैसे शानदार खिलाड़ी टीम में होना हमेशा अच्छा होता है।

जूनियर महिला हॉकी विश्वकप : भारतीय टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली), 8 दिसंबर। भारतीय टीम ने महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें क्लासिफिकेशन मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया। सैंटियागो में सेंट्रो डेपोर्टिवो डी हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में रविवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए हिना बानो ने (14वें), सुनेलिता टोप्पो ने (24वें), और इशिका ने (31वें) मिनट में गोल किए, जबकि वेल्स के लिए एकमात्र गोल एलोइस मोटने (52वें) मिनट में किया। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके विपक्षी टीम पर दबाव बनाया। भारत ने नियमित अंतराल पर मौके बनाए लेकिन शुरुआती गोल जल्दी नहीं कर पाया। वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक से बढ़त बनाने का अवसर मिला था, लेकिन निधि ने शानदार बचाव करते हुए उनके प्रयास को विफल कर दिया। पहले क्वार्टर के आखिर में साक्षी राणा के शानदार खेल के बाद हिना बानो के टैप-इन से भारत आखिरकार डेडलॉक तोड़ने में कामयाब रहा।

हेनरी, सैंटनर, नाथन स्मिथ वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के बाकी मैचों से हुए बाहर

वेलिंगटन, 8 दिसंबर। न्यूजीलैंड टीम के तीन गेंदबाज मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिशेल सेंटनर चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी (पिंडली में खिंचाव), तेज गेंदबाज ऑलराउंडर नाथन स्मिथ (साइड में खिंचाव) और स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर (ग्रोइन इंजरी) के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की हैं।

उन्होंने बताया कि क्राइस्टचर्च में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल ग्लेन फिलिप्स को आधिकारिक तौर पर सीरीज के बाकी मैचों के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। डेरिल मिशेल, जिन्होंने पहले टेस्ट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर लंबा समय बिताया था, दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे और मिडिल ऑर्डर के मुख्य खिलाड़ी के तौर पर टीम में वापस आएंगे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल क्राइस्टचर्च में पहले दिन बल्लेबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वेलिंगटन में दूसरे टेस्ट से पहले ही बाहर हो गए थे। मिशेल हे को टीम में शामिल किया गया है और वह टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज माइकल रे को टेस्ट टीम में बुलाए जाने के एक दिन बाद, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को भी टीम में शामिल किया गया। काइल जैमीसन और विल ओरूर्के रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल को मैनेज कर रहे थे, जिससे न्यूजीलैंड को आखिरी मिनट में रिप्लेसमेंट ढूंढने में दिक्कत हो रही थी। क्योंकि वेलिंगटन टेस्ट 10 नवंबर को शुरू होने वाला है।

ईस्ट बंगाल को हराकर एफसी गोवा ने तीसरी बार जीता सुपर कप

गोवा, 8 दिसंबर। एफसी गोवा ने पेनल्टी शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट बंगाल एफसी को 6-5 से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। यहां पंडित जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में खेला गया खिताबी मुकाबला अतिरिक्त समय के बाद भी गोल रहित रहा, सुपर कप का पहला फाइनल बन गया जिसका फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मैच की शुरुआत में दोनों टीमों ने कई गोल करने के मौके बनाये लेकिन वे 120 मिनट में गोल करने में नाकाम रही।

टी-20 विश्वकप से पहले पाक टीम में नहीं होगा कोई बड़ा बदलाव : सलमान

कराची, 8 दिसंबर। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले टीम में कोई बड़े बदलाव की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि हर किसी को उसकी भूमिका बता दी गई, हम उसी के साथ आगे बढ़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, पाकिस्तान टूर्नामेंट के अगले संस्करण में अच्छी फॉर्म में उतरेगा, क्योंकि इस साल की शुरुआत में सलमान के टी-20 कप्तान बनने के बाद से टीम ने सबसे छोटे फॉर्मेट में हाल ही में सफलता हासिल की है।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

जयपुर, 8 दिसंबर। अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (राजस्थान ने ओडिसाको फॉलोऑन खिलाया), ग्वालियर में खेले जा रहे राजस्थान - ओडिसाअंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज अनुराग की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने ओडिसा की पहली पारी को सस्ते में समेत फॉलोऑन खिलने पर मजबूर किया। राजस्थान पहली पारी 320 आल आउट। ओडिसापहली पारी 146 आल आउट। टीम के लिए आशुतोष 69, औरोबिंद्रा 32, ओम प्रकाश 24 रन। राजस्थान के गेंदबाज अनुराग 35/5, प्रतीक चौधरी, रोहन 2-2 विकेट प्राप्त किये।ओडिसा दूसरी पारी 151 / 1, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ओडिसा ने अपनी दूसरी पारी में 1 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे, टीम के लिए आशुतोष नाबाद 84 व औरोबिंद्र नाबाद 38 रन बनाकर खेल रहे हैं।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी - राजस्थान - मुंबई मैच (पहले दिन का स्कोर), मुंबई में खेले जा रहे राजस्थान - मुंबई अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के पहले दिन का स्कोर :- मुंबई पहली पारी 213/7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक मुम्बई ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 213 रन बना लिए थे। टीम के लिए अभिनव 57, आर्यन 56, तनवीर 34 व हर्ष 26 रन। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 41/3, प्रखर शर्मा, शुभांकर त्यागी, नावेद खान, कुशाग्र ओझा प्रत्येक 1-1 विकेट।

सैयद मुशताक अली टी20 ट्रॉफी (राजस्थान - झारखण्ड मैच), झारखण्ड पारी 215/5, टीम के लिए विराट सिंह 69, रोबिन 58 व कुमार 55 रन।राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा, मानव सुथार, साहिल दीवान, अजय सिंह कुकना 1 - 1 विकेट।राजस्थान पारी 179 आल आउट।टीम के लिए करण लाम्बा 52, दीपक हुड्डा 28, महिपाल लोमरोर 23, मुकुल चौधरी 23 रन। झारखण्ड के गेंदबाज सुशांत 21 / 3 व अनुकूल 37 / 3 विकेट।

संस्कार क्रिकेट अकादमी जीती

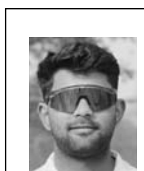

जयपुर, 8 दिसम्बर। जयपुर कप सीजन- 1 में आपनी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.1 ओवर में 61 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। विशाल शर्मा ने सर्वाधिक 21 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य झाला ने 5, आशीष चोपड़ा ने 3 और अभिषेक यादव ने 2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार क्रिकेट अकादमी ने 5.4 ओवर में 62 रन 1 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। दिव्यांशु ने सर्वाधिक 39 रनों का योगदान दिया। आपनीक्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक ने एक विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच आदित्य झाला को चुना गया।

रौनक राकेश गुप्ता के शानदार शतक से राजीव गांधी की आसान जीत

जयपुर, 8 दिसम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज बचे हुये सात लीग मैच प्रारम्भ हुये हुकम क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज पर खेले गये पूल-एफ के अन्तिम मैच में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने रोनक राकेश गुप्ता 106 रन की शतकीय पारी की बदौलत इंवेट क्रिकेट एकेडमी को 133 रन से हराकर 2 अंक अर्जित कर पूल-एफ में पहले स्थान पर पंहुच गई।

टॉस जीतकर राजीव गांधी क्रिकेट एकडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये ओपनर रोनक राकेश गुप्ता 106 रन (56 गेंद, 16 चौके, 2 छक्के), नितिन अमरोठिया 41 रन के साथ मिलकर पहले विकेट पर 10.3 ओवर में 133 रन जोड़कर शानदान शुरूआत की उसके बाद अलीशान 23 रन नाबाद के साथ मिलकर निर्धारित 20 ओवर में टीम का स्कोर 3 विकेट खोकर 219 रन पंहुचा दिया। गेंदबाजी में ईवेंट क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्ष खेमवानी 36 रन पर 2 विकेट, हिमांशु मुरजानी 41 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में सोनी ईवेंट क्रिकेट एकेडमी की ओर से विराज माथुर 20 रन, मोहित 21 रन, भुवनेश कुमार चांदा 13 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज राजीव क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजी देवांक सिंगोदिया 15 रन पर 3 विकेट सोम्य अग्रवाल 12 रन पर 2 विकेट, सूरत सैन 25 रन पर 2 विकेट तथा गगन सोनी व शुभम गुर्जर प्रत्येक 1-1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 16.2 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैंच रोनक राकेश गुप्ता राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी रहें।

ओपन मिस्टर इंडिया चैम्पियनशिप का आयोजन

जयपुर, 8 दिसंबर। इंडो बॉडी बिल्डर्स फिटनेस एसोसिएशन द्वारा ओपन मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप का आयोजन प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में किया गया। इसमें 200 से अधिक प्लेयर्स ने भाग लिया, जिसमें चैंपियन ऑफ चैंपियन साकिब रनर अप का खिताब महफूज को मिला और मोस्ट इंप्रूव बॉडीबिल्डर के रूप में इमरान अहमद विशाल ने मास्टर्स में प्रोकार्ड जीता। प्रतियोगिता में 76 वर्षीय सरफुद्दीन ने भी भाग लिया। फेडरेशन के अध्यक्ष मंसूर खान एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मोइन खान ने जानकारी साझा की।

आरसीए सीनियर व अंडर-23 वीमेन टीम के प्रदर्शन पर आयोजित हुई मैराथन समीक्षा बैठक

जयपुर 8 दिसंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी व राजस्थान के खेल मंत्री कर्नल राजवर्धनसिंह राठौड़ के राज्य में खेल के विकास व विस्तार सहित देश, विदेश के खेल जगत में राजस्थान को अठाणी राज्य बनाने के विजन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी हर स्तर पर अथक प्रयास कर रही है। आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशानुसार आज बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अभीतक आयोजित राष्ट्रिय वीमेन सीनियर व अंडर 23 प्रतियोगिताओं में राजस्थान वीमेन सीनियर व अंडर 23 टीमों व खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल की उपस्तिथिमें आयोजित हुए मैराथन मीटिंग (लगभग 4 घंटे) राजस्थान वीमेन चयन कमेटी व वीमेन टीमों के सपोर्ट स्टाफ, टीम की कप्तान, उपकप्तान की संयुक्त समीक्षा मीटिंग आरसीएअकादमी पर आयोजित की गयी।

एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल के अनुसार आज आरसीए अकादमीपर आयोजित समीक्षा मीटिंग में विशेष रूप से बीसीसीआई प्रतियोगिताओं में राजस्थान वीमेन टीम की स्थिति,टीम व खिलाडियों के प्रदर्शन सहित आगामी प्रतियोगिताओं में खिलाडियों के बेहतर प्रदर्शन व टीमों की तैयारियों की समीक्षा के साथ सभी के सुझावों पर गहन चर्चा हुई। समीक्षा मीटिंग में मेंटोर गंगोत्री चौहान, वीमेन चयन कमेटी चेयरवेमन पूनम यादव, सभी चयन कमेटी सदस्य, राजस्थान सीनियर वीमेन टीम के हेड कोच राकेश बत्रा, अंडर 23 वीमेन टीम की हेड कोच रेनू यादव, राजस्थान सीनियर वीमेन टीम कप्तान ज्योति चौधरी, राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम की उपकप्तान सिद्दी शर्मा सहित राजस्थान सीनियर व 23 वीमेन टीम स्पोर्ट स्टाफ मौजूद था।

एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल ने समीक्षा मीटिंग में बीसीसीसीआईकी राष्ट्रिय सीनियर व अंडर 23 प्रतियोगिताओं में राजस्थान टीमों के आशानुरूप परिणाम न आने व खिलाडियों के औसत प्रदर्शन के सम्बन्ध में एडहॉक कमेटी के दृश्टिकोणसे सभी चयनकर्ताओं व टीम के स्पोर्टस्टाफ को अवगत कराया व भविष्य की प्रतियोगिताओं में राजस्थान टीम की जीत व खिलाडियों के उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए चयनकर्ताओं, टीम के स्पोर्ट स्टाफ को निर्देश दिए।

पांच इंटरनेशनल खिलाड़ी भाग लेंगे, रघु सिंहा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस 2025 टूर्नामेंट कल से

जयपुर, 8 दिसम्बर। रघु सिन्हा टेनिस क्लब के अनुसार इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन, यूनाइटेड किंगडम की देखरेख में होने वाला रघु सिंहा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस 2025'' टूर्नामेंट 10 से 14 दिसम्बर तक होने वाला है। यह टूर्नामेंट जयपुर के एक ग्लैमरस और जाने-माने व्यक्ति रघु सिन्हा की याद में मनाया जाता है, जो बहुत ही दार्शनिक, धार्मिक और परोपकार के लिए समर्पित थे। टेनिस के बहुत बड़े प्रेमी, सिन्हा ने लगभग 40 साल पहले बिड़ला हाउस में टेनिस कोर्ट बनवाए थे, जहाँ आज भी यह खेल उनके बताए सिद्धांतों के अनुसार खेला जाता है।

सुरेन्द्र गोलेछा ने बताया कि यह संगठन द्वारा आयोजित तीसरा आईटीएफ टूर्नामेंट है। इस इवेंट की प्रतिष्ठा में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है, 2023 में आईटीएफ 100 लेवल से बढ़कर 2024 में आईटीएफ 200 हो गया है, और अब इस साल आईटीएफ 400 लेवल पर

पहुँच गया है। टूर्नामेंट को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, जिसमें दुनिया भर के जाने-माने खिलाड़ियों की आईटीएफ रैंकिंग मज़बूत है।

कुल एंट्रीः 150 पुरुष और 18 महिला प्रतिभागी आई है

पुरुष आयु कैटेगरी : 40, 45, 50, 55, 60, 65, 70, और 75। महिला आयु कैटेगरीः 35 और 45 रहेगी। मिक्स्ड डबल्सः 35 और 45। इसमें 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

मैच ज़्यादातर जयपुर क्लब लिमिटेड की तरफ़ से चार क्ले कोर्ट पर होंगे। ज़्यादा एंट्री को देखते हुए, 11 और 12 दिसंबर को होने वाले मैचों के लिए जय क्लब में चार और कोर्ट बनाए गए हैं।

सुधीर माथुर के अनुसार टूर्नामेंट के मेन स्पॉन्सर रघु सिन्हा माला माथुर ट्रस्ट हैं, वेन्यू पार्टनर जयपुर क्लब लिमिटेड हैं और टेक्निकल पार्टनर टेनिस खेलो हैं।

प्लेयर हॉस्पिटैलिटीः सभी प्लेयर्स को मेमेंटो मिलेंगे

पूरे दिन कॉम्प्लिमेंट्री लंच, स्नैक्स और एनर्जी ड्रिंक्स दिए जाएंगे। 12 दिसंबर को पार्टिसिपेंट्स के लिए कॉकटेल के साथ एक सेलिब्रेटरी डिनर होस्ट किया जाएगा। लाइव एलईडी टीवी वाला एक लाउंज बनाया जाएगा।

टूर्नामेंट में कुल 2,00,000 रुपये का प्राइज़ पूल है

कैटेगरी। विनर प्राइज़। रनर-अप प्राइज़।
मेन्स सिंगल्स 5,000, . 4,000
मेन्स डबल्स। 8,000 . 5,000
विमेंस सिंगल्स। 3,500 . 2,500
विमेंस डबल्स। 5,000 . 3,000

5 इंटरनेशनल खिलाड़ी भी शामिल होंगे :- जापान से ईजावा कोजी, जर्मनी से न्यूमन मैनफ्रेड, बेल्जियम से ब्री वेस, जैनकूसकोवा सिल्विया, जैनकूसकोवा पीटर और कर्ब्स सर्जी।

प्रवासी राजस्थानी विभाग देश-विदेश के राजस्थानियों को राज्य की प्रगति में भागीदार बनायेगा

अब तक 8738 प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थानी दिवस आयोजन में पंजीकरण कराया

जयपुर, 8 दिसम्बर। बीते माह 'राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' के गठन से जुड़े फैसले को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। यह विभाग विश्व पटल पर ब्रांड राजस्थान को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए, उन्हें उनके ज्ञान, कौशल, निवेश और नेटवर्क के माध्यम से राज्य की प्रगति में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित करेगा। प्रवासियों से जुड़े मुद्दों के समाधान हेतु पॉलिसी फ्रेमवर्क तैयार करने, प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक्सचेंज कार्यक्रमों का आयोजन और प्रवासी राजस्थानियों का डेटाबेस तैयार करने का कार्य भी इस विभाग द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दुनिया भर में बसे नॉन रैज़िडैंट राजस्थानी (एन.आर.आर.) के बीच राजस्थान के तीज-त्योहार, कला, विरासत और सांस्कृतिक परंपराएं जीवंत बनी रहें, इसके लिए भी राज्य सरकार पहल कर रही है। राजस्थान फाउंडेशन अपने चैप्टर्स के माध्यम से देश-विदेश में तीज, गणगौर, दिवाली, होली, मकर संक्रान्ति सहित, विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक त्योहारों का ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजन करेगा। इन कार्यक्रमों में एनआरआर एसोसिएशन्स की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

इसी क्रम में, प्रवासी समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए पहली बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन भी आगामी 10 दिसम्बर को किया जा रहा है। देश-विदेश से अब तक 8,738 प्रवासी राजस्थानियों ने आयोजन में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है। विज्ञान, कला, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, खेल, साहित्य और सामाजिक सेवा सहित, विभिन्न श्रेणियों में प्रवासी राजस्थानियों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए प्रवासी राजस्थानी सम्मान अवाड्र्स समारोह का आयोजन किया जाएगा।

- **राजस्थान फाउंडेशन अपने चैप्टर्स के माध्यम से देश-विदेश में तीज, गणगौर, दिवाली, होली, मकर सक्रांति आदि धार्मिक व सांस्कृतिक त्योहारों का ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजन करेगा, जिनमें एन.आर.आर. एसोसिएशन भी भागीदार होंगे।**

'सरकार ने वंदे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेहरू और सुभाष बोस के पत्रों से प्रासंगिक अंश पढ़कर सुनाए, और बाद में नेहरू और रवीन्द्रनाथ टैगोर के बीच हुये पत्राचार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत चुनने की प्रक्रिया को समझने के लिए इन घटनाओं की क्रोनोलॉजी समझना ज़रूरी है।"

प्रियंका गांधी ने कहा, "मैं गुरुदेव (रवीन्द्र नाथ टैगोर) के पत्र का एक अंश साझा करती हूँ, जिसमें वे कहते हैं कि जिन दो पदों का हमेशा गायन होता रहा है, वे इतने अर्थपूर्ण हैं कि उन्हें बाकी कविता से अलग करने में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। आज़ादी की लड़ाई के दौरान भी यही दो पद गाए जाते थे, और उन हज़ारों शहीदों का सम्मान करने के लिए, जिन्होंने अपनी जान न्योछावर की। इसलिए इन्हें वैसे ही गाया जाना उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में जो अन्य पद जोड़े गए थे, उन्हें सांप्रदायिक रूप में देखा जा सकता है और उस समय के माहौल में उनका उपयोग उचित नहीं होता।

प्रियंका ने आगे बताया कि 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पारित करके वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था।

गोवा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजे 6ई 1073 फ्लाइट लेकर फुकेट(थाईलैंड) निकल गए थे। गोवा पुलिस ने रेस्टोरेंट बार मालिक गौरव और सौरभ लूथरा के दिल्ली के घर टीम भेजी लेकिन वो घर पर नहीं मिले। इनके घर पर गोवा पुलिस ने नोटिस चस्पा किया है, गोवा पुलिस की रिक्वेस्ट पर 7 दिसंबर को दोनों के खिलाफ एलओसी जारी कर दी गई थी, जिससे दोनों देश छोड़कर न भाग सकें लेकिन दोनों पहले ही फरार हो चुके हैं। गोवा पुलिस ने सीबीआई की मदद से इंटरपोल के जरिए इनकी लोकेशन ट्रेस करने के लिए कोशिश शुरू कर दी है।

मुर्शिदाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मस्जिद स्मारक 300 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें एक अस्पताल, गेस्ट हाउस और एक मीटिंग हॉल भी बनेगा। इस घोषणा पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ समेत राजनीतिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

इस बीच, मुश्ताक मलिक अपने रुख पर कायम हैं। उन्होंने कहा, "कोई भी बाबर के नाम को लेकर चिंता न करे। इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि अयोध्या मस्जिद बनाने के लिए कोई राजस्व बाबर की तरफ से आया था। यह संभव है कि मूल बाबरी मस्जिद बाबर नाम के किसी स्थानीय व्यक्ति के नाम पर रखी गई हो। भाजपा और आरएसएस बाबर के नाम को बड़ा मुद्दा बनाना चाहते हैं। बाबर का शासन काल बहुत छोटा था।"

ऐतिहासिक ग्रंथों का हवाला देते हुए मलिक ने कहा कि तुलसीदास की रामायण बाबरी मस्जिद के निर्माण के 60 साल बाद लिखी गई थी। "लेकिन उस रामायण में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि उसी स्थान पर राम मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी।"

इंडिगो ही नहीं सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत कम मुनाफ़े, एविएशन टरबाइन फ्यूल (ए.टी.एफ.) पर ऊँचे टैक्स, पर्याप्त हवाईअड्डा-क्षमता की कमी और अनिश्चित नियमों की वजह से। ज़रा-सी भी संचालन संबंधी दिक्कत पूरे देश में अव्यवस्था फैला सकती है। स्थिति इतनी खिंची हुई है कि किसी एक बड़ी एयरलाइन की आंतरिक गलती पूरे सिस्टम को प्रभावित कर देती है, हज़ारों यात्रियों को परेशानी होती है और पूरा नेटवर्क अस्त-व्यस्त हो जाता है।

इस अस्थिरता को लगातार बनी रहने वाली मैनपावर की कमी और बढ़ा देती है। पायलट, इंजीनियर और ग्राउंड स्टाफ पर अक्सर काम का बोझ ज्यादा होता है और कर्मचारियों द्वारा त्यागपत्र देने की दर भी ऊँची बनी हुई है, क्योंकि भारतीय एयरलाइंस वैश्विक स्तर की तनख़्वाहें देने में सक्षम नहीं हैं।

प्रशिक्षण की व्यवस्था भी तेज़ी से बढ़ते बेड़े के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है, जिससे कमजोरियाँ पैदा होती हैं और ज़रा-सी स्टाफिंग या शेड्यूलिंग की दिक्कत आते ही सामने आ जाती हैं। इंडिगो की घटना ने यह साफ कर दिया कि क्षमता उपयोग को ज़रूरत से ज़्यादा बढ़ाने के प्रयास कभी-कभी पूरे सिस्टम की मजबूती को कमज़ोर कर देते हैं।

- **मानें न मानें, भारत की सबको हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की महत्वकांक्षा काफी कमज़ोर नींव पर आधारित है।**

नियामक दखल के सुधार की भी जरूरत है। डी.जी.सी.ए. ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी निगरानी क्षमता को मज़बूत किया है, लेकिन कार्रवाई अक्सर पहले से रोकने के बजाय, घटना के बाद ही होती है।

भारत के "एविएशन बूम" को ऐसे नियामक की ज़रूरत है, जिसके पास बेहतर विश्लेषण की क्षमता हो, जोखिम का पहले से आकलन करने वाले आधुनिक उपकरण हों और तेज़ी से निर्णय लेने की व्यवस्था हो। लेकिन मौजूदा स्थिति में एयरलाइनें और नीति-निर्माता अक्सर जनता के सामने समस्या आने के बाद ही आग बुझाने में लगते हैं, बजाय इसके कि पहले से सिस्टम की कमियाँ दूर की जाएँ।

ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) भी एक बड़ी रुकावट है। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाईअड्डे पहले से ही लगभग पूरी क्षमता पर काम कर रहे हैं, और दूसरे स्तर के हवाईअड्डों पर भी बढ़ते यात्री भार को संभालने में मुश्किल आ रही है। भीड़भाड़, सीमित एयरसाइड क्षमता, जैसे रनवे, टैक्सीवे, पार्किंग स्पॉट, एप्रन, एरोब्रिज वाले गेट, ए.टी.सी. क्षमता और ग्राउंड हैंडलिंग संसाधन आदि की वजह से ज़रा-सा संचालन संबंधी झटका भी देशभर में अव्यवस्था फैला सकता है।

अगर भारत वास्तव में इंडिगो जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकना चाहता है, तो सुधार केवल किसी एक एयरलाइन को दंडित करने तक सीमित नहीं रहने चाहिए। सुधार पूरे सिस्टम को मजबूत करने वाले हों, जैसे ए.टी.एफ. टैक्स को तर्कसंगत बनाना, नियामक क्षमता को मजबूत करना, प्रशिक्षण ढांचे को विस्तार देना, हवाईअड्डों का आधुनिकीकरण करना और एयरलाइंस की तैयारी के उच्च बुनियादी मानकों को लागू करना। देश की विमानन महत्वाकांक्षाएँ कमज़ोर नींव पर नहीं टिक सकतीं। इंडिगो की यह घटना एक चेतावनी की तरह है: भारत को केवल क्षमता नहीं, बल्कि मजबूती भी बनानी होगी।

'कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल पहले दो अन्तरे ही गाए जाएं।"

इसके साथ ही, कांग्रेस ने यह भी स्वीकार किया था कि कोई भी व्यक्ति "किसी अन्य गीत को... 'वन्दे मातरम्' गीत के अतिरिक्त या इसके स्थान पर गाने के लिये स्वतंत्र है।"

लेकिन अब भाजपा का कहना है कि ये कुछ अन्तरे हटाना कांग्रेस की 'विभाजनकारी' योजनाओं को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन का जिक्र करते हुये कहा कि इन अन्तरों को हटाने से "देश के विभाजन के बीज बोए गए।" उन्होंने नवम्बर में कहा था, "1937 में, 'वन्दे मातरम्' का एक हिस्सा काट दिया गया था... इसे अलग कर दिया गया था। इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज बोए। आज की पीढ़ी को यह समझना जरूरी है कि क्यों।"

पिछले महीने भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने इस विवाद की शुरुआत करते हुये, नेहरू द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सितंबर और अक्टूबर 1937 में लिखे गए पत्रों का "एक्स" पर पोस्ट किया था।

केशवन ने अपनी पोस्ट में लिखा, "नेहरू कट्टरता से लिखते हैं कि जो भी 'वन्दे मातरम्' के शब्दों को देवी से संबंधित समझे, वह बेतुका है," हालांकि सितंबर के पत्र में इस संदर्भ में नेहरू ने यह कहा था कि गीत के शब्दों का देवी से कोई संबंध समझना बेतुका है, न कि ऐसा समझने वाला व्यक्ति।

'इंडिगो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्लॉट आवंटन और इसके व्यापक निजीकरण रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। एनडीए के भीतर से यह अप्रत्याशित विद्रोह और भी जटिल हो गया है, क्योंकि सहयोगी जरूरी जवाबदेही और जनता के लिए तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं।

एयरलाइन संचालन में समस्याएं जारी हैं, राजनीतिक परिणाम और भी गहरे हो रहे हैं। इस वर्तमान संकट में, सरकार पर दबाव विपक्ष से नहीं, बल्कि इसके अपने सहयोगियों से आ रहा है, जिससे विमानन संकट पूर्ण राजनीतिक सिरदर्द में बदल गया है।

सुनील शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1994 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित हुए थे, बाद में पदोन्नत होकर आईएएस बने थे। उन्हें 2013 का आईएएस बैच आवंटित किया गया था। राज्य सरकार ने उन्हें जनवरी 2024 में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का निदेशक बनाया था।

बताया जा रहा है कि नियुक्ति से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर सोमवार दोपहर में बैठक हुई थी। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल शामिल हुए। तीनों की कमेटी ने सुनील शर्मा के नाम की सिफारिश राज्यपाल से की। इसके बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए।

- **वे पूर्व आईएएस अधिकारी हैं तथा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में टीकाराम जूली व जोगाराम पटेल ने उनके नाम का चयन किया।**

वन रक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा पेपर लीक मामले का खुलासा होने के बाद से फरार चल रहा था। वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद बांसवाड़ा जिले के राजतलाब थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। राजस्थान एसओजी इसकी जांच कर रही है। आरोपी जबराराम बालोतरा जिले के कालवा गांव का निवासी है और वह बाड़मेर जिले के रामजी का गोल गांव के सरकारी स्कूल में अध्यापक पद पर तैनात है। उसकी गिरफ्तारी पर एसओजी ने 50 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908